@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 25 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 261 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सरकार और सीजेपी के बीच करीब दो घंटे चली बैठक

•धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर आज तक जवाब देगी सरकार

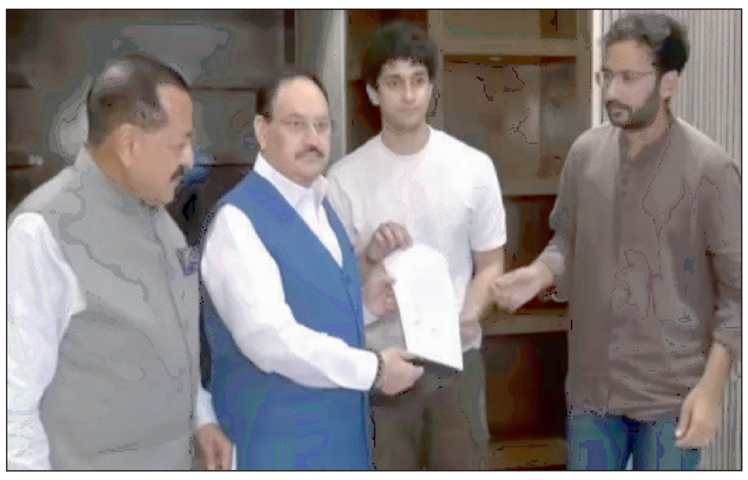

एजेंसी
नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ बैठक की। बैठक के दौरान मौजूदा हालात और विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। कॉकरोच जनता पार्टी के नेशनल स्पोक्सपर्सन आशुतोष रांका ने कहा, 'धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की हमारी मांग पर सरकार ने कल दोपहर तक का समय मांगा है। हमें उम्मीद है कि सरकार उन्हें जल्द ही हटा देगी।

सरकार ने मुआवज़ा (सुसाइड से मरने वाले NEET कैंडिडेट्स के परिवारों के लिए) और स्टूडेंट्स पर FIRs, लीगल केस वापस लेने की दो मांगों पर इन-प्रिंसिपल मंज़ूरी दे दी है।' दिल्लीः कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के साथ मीटिंग के बाद, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, '...मीटिंग लगभग 2 घंटे चली...उनकी 3 मुख्य मांगें थीं और एग्जाम के लिए 5 सुधार सुझाव थे। हमने उनसे कहा है कि हम कल दोपहर फिर उनसे मिलेंगे और सरकार के साथ हुई बातचीत के बारे में बताएंगे।'

सपा सांसदों की सरकार से मांग- एनटीए को तुरंत परीक्षा प्रक्रिया से बाहर करे सरकार, इस्तीफा दें धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के दौरान छात्र आंदोलन, नीट परीक्षा विवाद और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर सपा के सांसदों ने अन्याय करने का आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को परीक्षा प्रक्रिया से हटाने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। सपा सांसद डिंपल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार छात्रों के मुद्दे को खत्म करना चाहती है, जबकि वास्तविकता यह है कि देशभर से परीक्षा प्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में छात्रों के हित में काम करना चाहती है तो सबसे पहले एनटीए को परीक्षा प्रक्रिया से हटाना चाहिए। इतने बड़े आंदोलन के बाद शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए स्वयं इस्तीफा दे देना चाहिए था।
डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया। दिल्ली पुलिस केंद्र सरकार के अधीन कार्य करती है, इसलिए छात्रों के साथ हुई कार्रवाई की जिम्मेदारी भी केंद्र सरकार की है।

छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में नहीं दायर की गई थी कोई याचिका : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि उन्होंने 'संसद चलो' मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में कोई रिट याचिका दाखिल ही नहीं की गई थी बल्कि केवल एक पत्र भेजा गया था।

खुली अदालत में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'यह पूरी तरह गलत बताया गया कि मामला कोर्ट में दाखिल किया गया था और मुख्य न्यायाधीश ने उसे सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। सुबह 10 बजे तक कोर्ट में इस मामले का एक भी पन्ना दाखिल नहीं हुआ था। केवल एक प्रतिनिधित्व (पत्र) भेजा गया था। मैं उसे रिट याचिका कैसे मान सकता हूं? इसके बावजूद लोग गैर-जिम्मेदारी से खबरें चला रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'किसी मिश्रा नामक व्यक्ति ने इसका जिक्र किया। मीडिया ने गलत तरीके से रिपोर्ट किया कि मैंने मामले को सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया जबकि यह सिर्फ एक प्रतिनिधित्व था। मैंने रजिस्ट्री से जांच की और पाया कि एक भी दस्तावेज दाखिल नहीं हुआ था।

नीट पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा सुधारों का पूरा रोडमैप, अगली सुनवाई 3 अगस्त को

नई दिल्ली। नई दिल्ली । नीट पेपर लीक से जुड़ी याचिकाओं पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने के लिए व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि पूरी सुधार प्रक्रिया पर सर्वोच्च स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि सरकार के लिए बच्चों का हित सर्वोपरि है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर गंभीरता से काम किया जा रहा है और जल्द ही सरकार इस संबंध में विस्तृत जानकारी अदालत के सामने रखेगी।
तुषार मेहता ने कहा कि सरकार प्रश्नपत्र की छपाई से लेकर परीक्षा केंद्रों तक उसके सुरक्षित पहुंचने और छात्रों तक पूरी प्रक्रिया का विस्तृत ब्योरा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि राधाकृष्णन समिति की सभी सिफारिशों को लागू किया जा रहा है।

सीजेपी प्रदर्शन :डीएमआरसी ने बंद किया नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन, इंटरचेंज सुविधा भी निलंबित

एजेंसी
नई दिल्ली । जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने अगले आदेश तक नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन को बंद कर दिया है। इस स्टेशन पर कोई इंटरचेंज सुविधा भी उपलब्ध नहीं होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि अगले आदेश तक नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन बंद रहेगा। इस स्टेशन पर इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। 'एक्स' पोस्ट में डीएमआरसी ने आगे लिखा, 'किसी भी असुविधा के लिए हमें गहरा खेद है।' हालांकि, डीएमआरसी ने नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन को बंद करने का कारण नहीं स्पष्ट नहीं किया है। राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शनों के कारण मध्य दिल्ली के 17 मेट्रो स्टेशन पहले से बंद हैं। गुरुवार को डीएमआरसी ने राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच सुबह 7:30 बजे से अगले आदेश तक 17 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने का फैसला लिया। राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट जैसे स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट बंद कर दी गई थी, लेकिन इन अहम जंक्शनों पर इंटरचेंज की सुविधा चालू रखी गई। प्रभावित स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम और झंडेवालान शामिल थे। झंडेवालान को इस लिस्ट में बाद में जोड़ा गया था।

अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से पूछा सवाल, सबूत नहीं तो फास्ट ट्रैक कोर्ट का क्या मतलब

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पेपर लीक मामलों पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि जांच एजेंसियां अदालत में पर्याप्त सबूत ही पेश नहीं करेंगी, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह आश्वासन केवल दिखावा साबित हो रहा है। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए संसद में कानून लाकर फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का आश्वासन दिया था। लेकिन उनके अनुसार, इसी बीच वर्ष 2024 के नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अदालत में कथित तौर पर यह कहे जाने से कि मुख्य आरोपी संजीव मुखिया के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं मिले, सरकार के दावों पर सवाल खड़े हो गए हैं। आप प्रमुख ने दावा किया कि वर्ष 2024 में नीट पेपर लीक के समय सरकार ने संजीव मुखिया को पूरे मामले का मास्टरमाइंड बताया था और बड़े स्तर पर उसकी गिरफ्तारी को उपलब्धि के रूप में पेश किया गया था। हालांकि अब यदि सीबीआई अदालत में उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने की बात कह रही है, तो यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आखिर इस मामले का वास्तविक मास्टरमाइंड कौन है।

सीबीआई ने सऊदी अरब से एनआईए के वांछित आरोपित मुहम्मदअली कन्नीर पल्लियालिल का प्रत्यर्पण कराया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सऊदी अरब से वांछित आरोपित मुहम्मदअली कन्नीर पल्लियालिल का देश में वापस प्रत्यर्पण (डिपोर्टेशन) कराया है। एनआईए को गैरकानूनी गतिविधियों और हत्या के मामले में वांछित था। उसे 23 जुलाई को सऊदी अरब से भारत लाया गया। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के समन्वय से प्रत्यर्पण कराया। मुहम्मदअली कन्नीर पल्लियालिल अपने साथियों के साथ एक व्यापक साजिश के तहत घातक हथियारों से लैस होकर एक व्यक्ति की दुकान में जबरन घुसा था। आरोप है कि आरोपितों ने पीड़ित को अवैध रूप से रोककर उस पर जानलेवा हथियारों से हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। एनआईए के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के माध्यम से आरोपित के खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया था।

•सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

बिना पूर्व अनुमति कोर्ट कार्यवाही के ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर रोक

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया कि अदालत की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिना अनुमति के पोस्ट, दोबारा पोस्ट या अपलोड नहीं किया जा सकेगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के संबंधित महासचिव या हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की पहले अनुमति लेनी होगी।

शीर्ष कोर्ट ने केंद्र और अन्य पक्षों से मांगा जवाब

चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने अदालत की लाइव स्ट्रीमिंग और कार्यवाही के वीडियो सोशल मीडिया पर गलत इस्तेमाल से जुड़ी याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब भी मांगा है।

पीठ ने अंतरिम आदेश में क्या कहा?- पीठ ने अंतरिम आदेश में कहा, यह निर्देश दिया जाता है कि इस अदालत के महासचिव या संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की पूर्व अनुमति के बिना न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को निकालना, उसमें बदलाव करना, फैलाना (वायरल करना), सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करना, दोबारा पोस्ट करना और अपलोड करना प्रतिबंधित रहेगा।

याचिकाकर्ता और सॉलिसिटर जनरल ने क्या कहा?

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अदालत की कार्यवाही के वीडियो के गलत इस्तेमाल का मुद्दा उठाया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विकास सिंह की बात से सहमति जताई और कहा कि इस मामले में कुछ नियमों की जरूरत है।

धर्मेंद्र प्रधान एक क्रिमिनल एजुकेशन मिनिस्टर हैं,उन्हें हटाना होगा : राहुल गांधी

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'धर्मेंद्र प्रधान एक क्रिमिनल एजुकेशन मिनिस्टर हैं। उन्हें हटाना होगा। वह हमारे एजुकेशन सिस्टम के खत्म होने की निशानी हैं। उन्हें जाना होगा। वह ही वजह हैं कि हजारों लोग बाहर हैं। उन्हें जाना होगा।' लोकसभा के स्पीकर राहुल गांधी मीडिया के सामने एक आदमी को लाते हैं जिसके बारे में उनका दावा है कि वह स्टूडेंट्स के प्रोटेस्ट के दौरान पेलेट गन से घायल हुआ था।उन्होंने कहा 'मैं यह बताना चाहता हूं कि मेरा भाई यहां खड़ा है, जब वह शांति से प्रोटेस्ट कर रहा था, तिरंगा पकड़े हुए था, तो उसे पेलेट गन से चोट लगी थी। सरकार ने कहा है कि कोई पेलेट गन इस्तेमाल नहीं की गई। उसकी आंख को नुकसान पहुंचा है, और उसकी आंखों की रोशनी चली गई है। ऐसे हजारों युवाओं पर लाठीचार्ज किया गया, और उनके खिलाफ पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया। उसने पुलिस भर्ती के लिए एग्जाम दिया, लेकिन पेपर लीक हो गया।

नीट पेपर लीक केसः दिल्ली की अदालत ने आरोपी मनोज शिरुरे की जमानत याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली । दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार मनोज शिरुरे की जमानत याचिका खारिज कर दी। इस मामले में सीबीआई ने मनोज शिरुरे की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है। स्पेशल जज (सीबीआई) अजय गुप्ता ने शुक्रवार को दोनों पक्षों को सुनने और रिकॉर्ड पर रखे गए सबूतों पर विचार करने के बाद मनोज शिरुरे की जमानत अर्जी खारिज कर दी। सीबीआई का आरोप है कि मनोज शिरुरे ने तीन छात्रों को केमिस्ट्री के प्रश्न हासिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी। इन तीन छात्रों में एक आरोपी कोचिंग सेंटर संचालक का बेटा भी शामिल था। जांच एजेंसी के अनुसार, शिरुरे ने आरोपी पीवी कुलकर्णी से इन छात्रों को केमिस्ट्री के प्रश्न उपलब्ध कराने में मदद की थी।

पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी

•27 जुलाई को संसद में पेश हो सकता है

एजेंसी
नई दिल्ली। नीट पेपर लीक समेत प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों पर केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को पेपर लीक के मामलों में सजा को और सख्त बनाने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है।

सूत्रों के मुताबिक, यह विधेयक अगले सप्ताह संसद में पेश किया जा सकता है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब देशभर में छात्र पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और संसद के भीतर भी इस मुद्दे को लेकर लगातार हंगामा हो रहा है। दरअसल, कैबिनेट बैठक से एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार देर रात तीन मिनट का एक वीडियो संदेश जारी कर इस दिशा में बड़े संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि शुक्रवार को होने वाली केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में पेपर लीक के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट और दोषियों को कड़ी सजा देने वाले कानून के मसौदे पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश में कहा था कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है। इससे देश के लाखों छात्रों और उनके माता-पिता को गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार इस समस्या से सख्ती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत कानूनी व्यवस्था बनाई जाएगी।

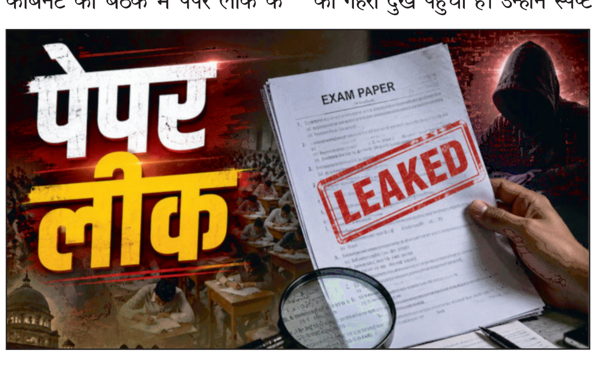

मोदी का आधी रात मैसेज- सख्त कानून लाएंगे

मोदी ने आधी रात 12 बजे छात्रों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार पेपर लीक के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान करने वाला कानून बनाएगी। मोदी ने X हैंडल पर 2.56 मिनट का एक वीडियो मैसेज पोस्ट किया। कहा-पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं।

हंगामे के बीच राज्यसभा में पेश हुआ राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक

एजेंसी
नई दिल्ली । राज्यसभा में शुक्रवार को राष्ट्र- गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक 2026 पेश किया गया। यह संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने के लिए है। विधेयक के अनुसार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के अपमान को दंडनीय अपराध माना जाएगा। यह विधेयक गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा के समक्ष रखा। विधेयक राज्यसभा के समक्ष विचार करने और पारित करने के लिए पेश किया गया है। विधेयक पेश करने के दौरान सदन में जबरदस्त हंगामा रहा। इसी हंगामे के बीच गृह राज्यमंत्री ने यह विधेयक सदन में प्रस्तुत किया। विधेयक प्रस्तुत करने के कुछ देर बाद ही हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही को सोमवार 27 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया। यह विधेयक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम राष्ट्रगान 'जन गण मन' जैसा वैधानिक दर्जा व सुरक्षा प्रदान करता है। यानी यदि कोई व्यक्ति राष्ट्रीय गीत वंदे वन्देमातरम् का अपमान करता है तो उसके खिलाफ कड़ी करवाई की जा सकती है और कानून के अंतर्गत उसे दंडित किया जा सकता है। विधेयक सदन में पेश किए जाने पर उपसभापति ने बताया कि विधेयक को पेश किए जाने का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सदस्यों डॉ. जॉन ब्रिटास, ए. ए. रहीम, डॉ. वी. शिवदासन तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के सदस्य संतोष कुमार पी. की ओर से विरोध संबंधी नोटिस प्राप्त हुए हैं। इसके बाद सभापति ने विरोध का नोटिस देने वाले सदस्यों को अपनी बात रखने की अनुमति दी।

भोजशाला: प्रशासन ने मुस्लिम प्रतिनिधियों से की चर्चा

•नमाज को लेकर नहीं बन सकी बात

एजेंसी
धार। धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। जुमे की नमाज के लिए जिला प्रशासन द्वारा तय किए गए वैकल्पिक स्थान को लेकर मुस्लिम पक्ष और प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। मुस्लिम समाज ने प्रशासन द्वारा सुझाई गई जगह पर कड़ी आपत्ति जताई है। गुरुवार देर रात प्रशासन ने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया। काफी देर तक चली बैठक के बाद भी स्थान को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी।

सुप्रीम कोर्ट में 29 जुलाई को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा धार स्थित विवादित भोजशाला परिसर के लिए चिन्हित वैकल्पिक नमाज स्थल की दूरी को लेकर मुस्लिम पक्ष की अंतरिम याचिका पर 29 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई। मुस्लिम पक्ष ने अदालत से मांग की है कि उन्हें भोजशाला परिसर के निकट शुक्रवार की नमाज अदा करने के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाए। 22 जुलाई को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका को शुक्रवार को सूचीबद्ध करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, मामला कारण सूची में शामिल नहीं होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ैफा अहमदी ने दिन की कार्यवाही के अंत में इसका उल्लेख किया। अहमदी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवंटित वैकल्पिक स्थल विवादित परिसर से काफी दूर है। उनके अनुसार, दो शुक्रवार की नमाज छूट चुकी है और दिया गया स्थान करीब 1.3 किलोमीटर दूर है।

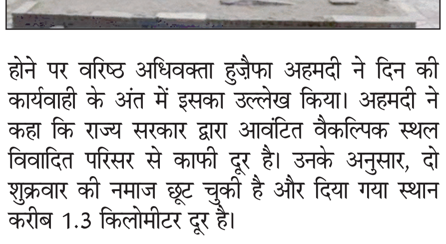

लाहौल स्पीति में पहाड़ी से गिरी चट्टान की चपेट में आई टाटा सुमो

13 लोगों की मौत

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल स्पीति में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में 13 लोगों की जान चली गई। उदयपुर थाना क्षेत्र में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की मुख्य सड़क पर कढ़ूनाला-राहौली के पास पहाड़ी से अचानक गिरी भारी चट्टान की चपेट में एक टाटा सुमो आ गई।

हादसे में वाहन में सवार 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। दोनों घायलों को बचाकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। पुलिस के अनुसार, टाटा सुमो (एचपी-01एम-2210) में चालक सहित कुल 15 लोग सवार थे। वाहन को बीर सिंह चला रहे थे। कढ़ूनाला क्षेत्र में राहौली के पास पहुंचते ही पहाड़ी से अचानक बड़ी चट्टान नीचे आ गिरी। वाहन सीधे उसकी चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही अधिकांश यात्रियों की मौत हो गई। चट्टान गिरने से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया।

दिल्ली में आज भी 17 मेट्रो स्टेशन बंद, यात्रियों को परेशानी

-तीन स्टेशनों पर इंटरचेंज सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के चलते दिल्ली में यातायात व्यवस्था प्रभावित बनी हुई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को भी 17 मेट्रो स्टेशनों को सुबह 7-30 बजे से अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला किया है। हालांकि यात्रियों की सुविधा के लिए राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। बंद रहने वाले स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम और झंडेवालान शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को भी मध्य दिल्ली में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही थी। कई प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग और मेट्रो स्टेशनों के बंद रहने से लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। यात्रियों ने बताया कि मेट्रो सेवा प्रभावित होने के कारण उनके सफर में 40 से 45 मिनट तक अतिरिक्त समय लगा। शाम के समय दफ्तरों की छुट्टी के बाद स्थिति और ज्यादा खराब हो गई। बसों में भीड़ बढ़ गई और कई लोगों को घर पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से यात्रा की योजना बनाकर निकलने की अपील की है।

हजारीबाग में मुठभेड़ के बाद राहुल दुबे गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, एक जख्मी

हजारीबाग (एजेंसी)। हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के पुलिस और राहुल दुबे गिरोह के सदस्यों के बीच हुई मुठभेड़ में एक अपराधी पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गिरोह के सदस्य चंद्रगुप्त कोल परियोजना क्षेत्र में लेवी वसूलने की फिराक में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं। इसी सूचना पर केरेडारी थाना और पगार ओपी की संयुक्त टीम ने बुकरु गांव के पास ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने जंगल की ओर भागने का प्रयास किया और फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक अपराधी के पैर में गोली लगी। घायल अपराधी को इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक मोटरसाइकिल और एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की है। घटना की सूचना पर हजारीबाग एसपी अमन कुमार और बड़कागांव एसडीपीओ अमित आनंद ने भी मौके का मुआयना किया। गिरफ्तार अपराधियों से राहुल दुबे गिरोह के नेटवर्क और लेवी वसूली से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

असम में कई इलाके जलमग्न, बाढ़ से 7.21 लाख लोग प्रभावित, 6 लोगों की हुई मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कई हिस्से जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 7.21 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। एएसडीएमए के मुताबिक बाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में देखा गया है, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए। इसके बाद चराइदेव में 1,86,351 और जोरहाट में 1,15,764 लोग प्रभावित हुए हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पुष्टि की कि अब तक बाढ़ के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। शिवसागर में 4, जबकि चराइदेव जिले में दो लोग बाढ़ की चपेट में आए। बाढ़ की ताजा रिपोर्ट में किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्र भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 5 राजस्व सर्कल और 17 इलाके या वार्ड प्रभावित हुए हैं, जिससे 592 लोग प्रभावित हुए हैं। शहरी इलाकों में पानी भरने से कई निचले इलाकों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित जिलों में राहत सुविधाएं शुरू की हैं। अभी 103 राहत शिविर और 255 राहत वितरण केंद्र चल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 24,000 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं, जबकि 2.39 लाख से ज्यादा लोगों को मदद पहुंचाई गई है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सबसे अधिक प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, अग्निशमन व आपातकालीन सेवाएं और जिला प्रशासन की टीमें राहत व बचाव अभियान में जुटी हैं।

आंदोलन का असर चुनाव की तैयारियों पर दिखा, भाजपा नेतृत्व हुआ सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्रों और विभिन्न संगठनों के आंदोलनों का असर अब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी दिखाई देने लगा है। भाजपा नेतृत्व चुनाव से पहले किसी भी प्रकार के जनाक्रोश को लेकर सतर्क हो गया है। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश मंत्रियों और विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने तथा जनता के बीच लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी संगठन ने जनप्रतिनिधियों से कहा है कि वे बूथ स्तर तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करें, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में चल रहे आंदोलनों और विपक्ष के हमलों को देखते हुए भाजपा चुनावी माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के दौरे और जनसंपर्क अभियानों की निगरानी भी कर रहा है। वहीं विपक्ष का दावा है कि भाजपा जनता के बढ़ते असंतोष से चिंतित है, जबकि भाजपा का कहना है कि यह चुनाव पूर्व सामान्य संगठनात्मक तैयारी का हिस्सा है। आगामी उत्तर प्रदेश चुनावों को देखते हुए प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां लगातार तेज होती जा रही हैं।

प्रदर्शन में पैलेट गन दागी, युवक का कान कटकर नीचे गिरा

मेडिकल रिपोर्टों में दर्ज हुए चोटों के निशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों की मेडिकल रिपोर्टों में ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे पैलेट गन और रबर बुलेट के इस्तेमाल की आशंका मजबूत हुई है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

घायलों की मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्टों में कई गंभीर चोटों का उल्लेख किया गया है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जारी एक महिला प्रदर्शनकारी टोप्पो की रिपोर्ट में संदिग्ध गोली लगने से चोट दर्ज है। टोप्पो का दावा है कि उन्हें रबर बुलेट लगी थी, जिससे उनके दाहिने कान का एक हिस्सा कटकर जमीन पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय पुलिस आंसू गैस के गोले छोड़ रही थी और फायरिंग भी की जा रही थी। इसी दौरान उनके कान पर रबर बुलेट लगी और कान का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती 28 वर्षीय एक पत्रकार की मेडिकल रिपोर्ट में कमर और हाथों पर पैलेट इंजरी के निशान दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख है कि जंतर-मंतर पर पैलेट गन से हमला हुआ था। घायल पत्रकार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि उनके शरीर में कई छर्रे धंसे हुए हैं, जिन्हें अधिक संख्या में होने के कारण सर्जरी के जरिए निकालना आसान नहीं है। प्रदर्शन में घायल 19 वर्षीय साहिल का इलाज एम्स में चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उनकी दाहिनी आंख में पैलेट घुस गया, जिससे आंख में गंभीर चोट आई है और एक और सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके अलावा उनके चेहरे, गर्दन, छाती और पेट में भी कई छर्रे फंसे हुए हैं। वहीं लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक अन्य घायल मंसूरी ने बताया कि उनके चेहरे और गर्दन से छर्रे निकालने के लिए दो सर्जरी करनी पड़ीं। उनका कहना है कि आंसू गैस का गोला फटने के बाद उन्हें चेहरे पर तेज जलन महसूस हुई और बाद में गंभीर चोटों का पता चला।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन या रबर बुलेट के इस्तेमाल से स्पष्ट इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के पास दंगा नियंत्रण के उपकरण होते हैं, लेकिन उनके इस्तेमाल को लेकर वे कोई पुष्टि नहीं कर सकते। वहीं सीआरपीएफ ने इस पूरे मामले पर आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार आरएएफ के पास पैलेट गन जैसे दंगा-रोधी उपकरण उपलब्ध होते हैं और भीड़ नियंत्रण के दौरान उनका उपयोग किया जा सकता है। मेडिकल रिपोर्टों के सामने आने के बाद प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग को लेकर सवाल तेज हो गए हैं। अब इस मामले में स्वतंत्र जांच और संबंधित एजेंसियों की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

बुलावा नहीं आया, तो सोशल मीडिया पर छलका दर्द-ए-दिल, भाजपा में सब कुछ ठीक है?

मुंबई (एजेंसी)। गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पूर्वांचल के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर के लोकार्पण समारोह से एक राजनीतिक संदेश भी निकलकर सामने आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, वहीं भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल का दर्द सोशल मीडिया पर सुर्खियां बन गया। उन्होंने लिखा कि घर के सामने फ्लाईओवर का उद्घाटन हुआ, जाने की इच्छा भी थी, लेकिन निमंत्रण नहीं मिला।

राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा में अब निमंत्रण भी राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बन गया है? चार बार गोरखपुर शहर से विधायक रह चुके और वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री जैसे अहम पद पर बैठे नेता को यदि मंच तक बुलावा नहीं मिले, तो इसे महज प्रशासनिक चूक मानना आसान नहीं होगा।

डॉ. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए जनता को बधाई भी दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को टैग कर अपनी पीड़ा सार्वजनिक कर दी। अब राजनीतिक विश्लेषक इसे फ्लाईओवर से ज्यादा ऊंची होती सियासी दूरियां बताकर चर्चा कर रहे हैं। आखिर बुलावे की राजनीति में किसका कद बढ़ा और किसका घटा, यह सवाल फिलहाल गोरखपुर की सियासत में सबसे ज्यादा गूंज रहा है।

पीएम मोदी के वीडियो पर बोले खड़गे- पहले धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर संसद आइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देर रात जारी किए गए वीडियो संदेश के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा हो, तब प्रधानमंत्री को सदन में आकर बयान देना चाहिए, न कि संसद के बाहर वीडियो संदेश जारी करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म एक्स पर प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा कि संसद में आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है और छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अब तक कोई ठोस राजनीतिक जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांगों को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पहले छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और पेलेट गन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। खड़गे ने कहा कि इन कदमों के बाद ही शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक चर्चा संभव होगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देर रात जारी वीडियो संदेश में कहा था, कि पेपर लीक रोकने के लिए सरकार सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन और दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी सजा दिलाने संबंधी मसौदा तैयार कर उन्हें सौंप दिया है। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा होगी और मंत्रियों के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

राहुल ने पीएम मोदी पर कसा तंज बोले- पहले शिक्षा मंत्री को हटाइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आधी रात को वीडियो जारी कर प्रदर्शनकारी छात्रों की समझदारी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों को सजा दी जाए और सरकार इस पूरे मामले पर देश के छात्रों से माफी मांगे।

राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कैबिनेट की बैठक में पेपर लीक के खिलाफ और अधिक सख्त कदम उठाने पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर लगातार सरकार की जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े हुए हैं।

दूसरी ओर, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अभिजीत दिपके ने लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा 26 दिनों से जारी अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने पर राहत जताई है। दिपके ने कहा कि वांगचुक के त्याग और साहस ने पूरे देश की अंतरात्मा को जगाने का काम किया है। उन्होंने साफ किया कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक जंतर-मंतर पर उनका शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक ने गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में केंद्रीय मंत्रियों जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह, लेह-लद्दाख की एपेक्स बॉडी के वरिष्ठ नेताओं तथा अपने परिवार की मौजूदगी में उपवास तोड़ा। संसद के 65 सदस्यों द्वारा की गई अपील और देश भर से समर्थन मिलने के बाद उन्होंने अपना 26 दिनों का अनशन समाप्त किया।

26 जुलाई को पूरे देश में सपा मनाएगी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस

-अखिलेश बोले- जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, संविधान ही है ढाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 26 जुलाई को पूरे यूपी और देशभर में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि इसी दिन कोल्हापुर के तत्कालीन शासक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने महात्मा ज्योतिबा फुले की विचारधारा से प्रेरित होकर आरक्षण व्यवस्था लागू की थी। उनके मुताबिक यह सामाजिक न्याय को व्यवहार में उतारने की एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसने आगे चलकर संविधान में समानता और सामाजिक न्याय के प्रावधानों की मजबूत नींव रखी।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि आरक्षण दिवस 26 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाने का फैसल लिया है क्योंकि इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन आरक्षण देने का शुभारंभ हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी। इसके लिए हर वर्ष 26 जुलाई से अधिक ऐतिहासिक अवसर और क्या हो सकता है, क्योंकि विचार को सही में लागू करना ही तो सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखलाया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इसी परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी 26 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश और देश में समाजवादी पार्टी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन कर रही है। इस दिन सपा के मुख्यालय व सभी कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे मूल भावना यही है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीडीए-प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। संविधान ही गैर बराबरी दूर करके समता-समानता को सुनिश्चित करेगा और हमारे 'बंधु राष्ट्र' बनाने के महा-संकल्प को भी।

अब जगन्नाथ धाम और महाप्रसाद का व्यावसायिक उपयोग करना होगा अवैध

पुरी जगन्नाथ मंदिर प्रशासन को मिले 5 नए ट्रेडमार्क

पुरी (एजेंसी)। हिंदुओं के पवित्र चार धामों में से एक, ओडिशा स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने 12वीं सदी के इस ऐतिहासिक मंदिर की पहचान और अनूठी परंपराओं की सुरक्षा के लिए एक बड़ी कानूनी उपलब्धि हासिल की है। ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री ने जांच के दूसरे चरण के बाद मंदिर प्रशासन के पांच नए ट्रेडमार्क आवेदनों को स्वीकार कर लिया है। इन नए स्वीकृत शब्दों में जगन्नाथ धाम, श्रीक्षेत्र, महाप्रसाद, नीलचक्र और कोइली बैकुंठ शामिल हैं, जिन्हें जल्द ही ट्रेड मार्क्स जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा। मंदिर कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह कदम महाप्रभु श्री जगन्नाथ की पवित्र संस्कृति से जुड़े धार्मिक चिह्नों और पहचान के अनधिकृत तथा व्यावसायिक दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है।

हाल के वर्षों में कई व्यक्तियों और निजी संस्थाओं द्वारा इन पवित्र नामों का व्यावसायिक इस्तेमाल करने के मामले सामने आ रहे थे। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के दीघा में बने एक नए मंदिर के लिए जगन्नाथ धाम शब्द के इस्तेमाल के बाद यह विवाद काफी गहरा गया था, जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने ट्रेडमार्क संरक्षण की प्रक्रिया को और तेज कर दिया। मान्यता के अनुसार, जगन्नाथ धाम पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ के मुख्य निवास स्थान को कहा जाता है, जिसे श्रीक्षेत्र या धरती का बैकुंठ भी माना गया है। वहीं, मंदिर की रसोई में तैयार होने वाले विशेष भोग को महाप्रसाद कहा जाता है। नीलचक्र मंदिर के शिखर पर स्थापित अष्टधातु का सुदर्शन चक्र है और कोइली बैकुंठ मंदिर परिसर का वह पवित्र उद्यान है, जहां नव कलेवर के दौरान पुराने विग्रहों का समाधि-विसर्जन किया जाता है। अब इन सभी नामों का बिना अनुमति व्यावसायिक प्रयोग दंडनीय अपराध होगा।

मंदिर प्रशासन ने जगन्नाथ संस्कृति से जुड़ी कुल 29 पहचानों और शब्दों के ट्रेडमार्क संरक्षण के लिए आवेदन किया था। इससे पहले पिछले महीने भी एसजेटीए को आनंद बाजार, पतितपावन और नीलचक्र के आधिकारिक लोगो के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण मिल चुका है। ट्रेड मार्क्स अधिनियम के तहत किए गए ये पंजीकरण पुरी मंदिर की समृद्ध विरासत, प्रामाणिकता और धार्मिक भावनाओं को सुरक्षित रखने में दूरगामी भूमिका निभाएंगे।

भारत ने पीएम रहमान को ब्रिक्स सम्मेलन का भेजा न्योता

-बांग्लादेश से संबंधों को पटरी पर लाने की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत और पड़ोसी मुल्क के बीच उपजे कूटनीतिक तनाव के बीच भारत ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। भारत ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण भेजा है। बांग्लादेश के ब्रिक्स का सदस्य देश न होने के बावजूद ढाका को आमंत्रित करना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को पुन-पटरी पर लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने पुष्टि की है कि भारतीय पक्ष से प्राप्त निमंत्रण विदेश मंत्रालय को मिल चुका है, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी तारिक रहमान को भारत यात्रा का न्योता दिया था। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रहने के कारण बांग्लादेश की घरेलू राजनीति में किसी प्रतिकूल प्रतिक्रिया के डर से रहमान अब तक भारत यात्रा को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। पद संभालने के बाद वह अपनी पहली विदेश यात्रा पर परंपरा से हटकर भारत के बजाय चीन गए थे। बांग्लादेश लंबे समय से ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा रखता है और इस दिशा में उसे चीन व रूस का समर्थन भी प्राप्त है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाला यह शिखर सम्मेलन ढाका के लिए कूटनीतिक दृष्टिकोण से बेहद खास माना जा रहा है। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी शामिल होने की संभावना है। इससे पहले 2016 में भी जब भारत ने ब्रिक्स की मेजबानी की थी, तब बांग्लादेश को बिम्सटेक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। हाल ही में मनीला में आसियान फोरम के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के बीच भी संक्षिप्त मुलाकात हुई थी। भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी विषय पर केंद्रित है। इस बड़े मंच पर बांग्लादेश की भागीदारी से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापारिक संबंधों को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रोटेस्ट के बीच सरकार के संकटमोचक कैसे बन गए नड्डा?

-वांगचुक का अनशन तुड़वाने में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक विवाद और विभिन्न संगठनों के बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों के चलते केंद्र सरकार पर चौतरफा राजनीतिक दबाव बना हुआ है। सड़क से लेकर संसद तक जारी इस संग्राम के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा सरकार के प्रमुख संकटमोचक बनकर उभरे हैं। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने से लेकर घायल छात्रों से मुलाकात और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से दो दौर की बातचीत तक, हर मोड़ पर उन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

आंदोलन की शुरुआत से ही जेपी नड्डा ने सरकार की ओर से संवाद के रास्ते खोले रखे। 20 जुलाई को जब प्रदर्शन उग्र हुआ और प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्च का ऐलान किया, तब उन्होंने तुरंत बैक-चैनल संवाद सक्रिय कर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उचित मंच पर उठाया जाएगा। हिंसा के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों से मुलाकात कर उन्होंने उन्हें हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने का भरोसा दिया और संसद में भी स्पष्ट किया कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। गतिरोध को सुलझाने की दिशा में बड़ा मोड़ तब आया जब जेपी नड्डा आधी रात को मेदांता अस्पताल पहुंचे और 26 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से मुलाकात की। इस पहल के बाद वांगचुक ने सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखीं। सरकार ने इन मांगों का सिलसिलेवार अध्ययन कर एक रूपरेखा तैयार की, जिसके बाद प्रधानमंत्री के बयान और जेपी नड्डा की सीधी मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त कर दिया। सोनम वांगचुक का अनशन तुड़वाकर जेपी नड्डा ने इस संकट को टालने की दिशा में पहली बड़ी सफलता हासिल कर ली है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर प्रदर्शनकारियों को क्या आश्वासन मिला है, यह सवाल अभी भी बना हुआ है। अब उनकी अगली बड़ी चुनौती जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन को पूरी तरह से समाप्त कराने की होगी।

नीट में चयन न होने से आहत छात्रा ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

जालौन। डॉक्टर बनने का सपना संजोए हमीरपुर जिले के राठ कस्बे की छात्रा की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों के अनुसार छात्रा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में चयन न होने के बाद मानसिक तनाव में थी। शनिवार को उसने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में पहले उसे राठ के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। राठ कस्बे के मोहल्ला दीवानपुरा निवासी महेंद्र साहू की पुत्री श्रुति साहू (18) डॉक्टर बनना चाहती थी। उसने नीट परीक्षा की तैयारी के लिए लंबे समय तक मेहनत की थी। हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम में अपेक्षित अंक न मिलने से उसका मेडिकल कॉलेज में चयन नहीं हो सका। इसके बाद वह लगातार तनाव में रहने लगी थी। परिजनों ने बताया कि शनिवार को श्रुति ने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे आनन-फानन में राठ के अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां चिकित्सकों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाल आनंद सिंह का कहना है कि घटना हमीरपुर जिले की है। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसकी मौत हुई है। रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे पिता महेंद्र साहू ने बताया कि बेटी का सपना डॉक्टर बनने का था। नीट का परिणाम आने के बाद वह काफी निराश रहने लगी थी। परिवार के सभी सदस्य उसे समझा रहे थे कि एक परीक्षा जीवन का अंत नहीं होती और वह दोबारा तैयारी कर सकती है, लेकिन वह मानसिक रूप से इस असफलता से उबर नहीं सकी।

महिला लापता, पति ने दी किसी के साथ जाने की तहरीर

अलीगढ़। एक महिला घर से लापता हो गई। पति ने पत्नी के किसी के साथ चले जाने की तहरीर दी है, वहीं महिला के भाई ने जीजा पर हत्या कर शव को छिपाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस महिला की तलाश में जुटी हुई है। गंगीरी के गांव तेहरा निवासी महेश कुमार ने 29 जून को थाने में तहरीर देकर कहा कि उनकी पत्नी 26 जून की रात को किसी के साथ चली गई है। 30 जून को महिला के भाई रवि कुमार निवासी अलीगढ़ ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि जीजा ने बहन रेखा देवी की हत्या कर शव छिपा दिया है। जीजा अपने परिवार के साथ गांव से लापता है। एसआई पंकज कुमार ने बताया कि रेखा देवी की तलाश की जा रही है। रविवार को डॉग स्क्वायड बुलाकर घर व काली नदी पर तलाश किया जा रहा है।

नकली दवाओं का बड़ा नेटवर्क बेनकाब, राजस्थान और उत्तराखंड से यूपी में हो रही थी सप्लाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजस्थान और उत्तराखंड से नकली दवाएं आ रही हैं। इन दवाओं को नकली दवा आपूर्ति गिरोह विभिन्न बाजारों तक पहुंचा रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) की जांच में यह खुलासा हुआ है। एफएसडीए ने इस गिरोह से जुड़े राजस्थान के दो लोगों सहित सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रदेश में नकली दवाओं के खिलाफ सप्ताहभर से चल रहे अभियान में पता चला कि राजस्थान में दवाएं बनाई जा रही हैं। वहां से ब्रांडेड कंपनियों के रैपर लगाकर यूपी के महानगरों में पहुंचाया जा रहा है। अब तक की पड़ताल में बीपी में प्रयोग होने वाली टेल्मा, दर्द निवारक जीरोडॉल गैस की दवा पैनटॉप सहित विभिन्न तरह की एंटीबायोटिक्स और सर्दी जुकाम में प्रयोग होने वाली करीब करीब 20 नकली दवाएं पकड़ी हैं। यह भी जानकारी मिली है कि राजस्थान निवासी भूपेंद्र शर्मा और गुर्जर नाम के व्यक्ति नकली दवाएं बनाते हैं। वे आगरा की मंडी में पहुंचाते हैं। वहां से दवाएं छोटे पैकेट में यूपी के विभिन्न शहरों तक पहुंचती हैं। एफएसडीए ने राजस्थान के भूपेंद्र और गुर्जर के अलावा प्रयागराज के वीरू सिंह चैहान, सीतापुर के रिहान के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज कराई है। सहायक आयुक्त ब्रजेश कुमार ने विक्रेताओं से अपील की है कि थोक दुकानों से दवा खरीदते वक्त बिल जरूर लें। मरीज व तीमारदार भी संबंधित दुकानदार से रसीद लेना न भूलें। एफएसडीए के औषधि निरीक्षक संदेश मौर्य एवं विवेक कुमार सिंह ने अमीनाबाद स्थित अवैध गोदाम का निरीक्षण किया। यहां भारी मात्रा में एलोपैथिक औषधियां मिलीं। जांच में पता चला कि नकली दवाओं पर नामचीन ब्रांडों का लेवल लगाकर सप्लाई किया जा रहा है। यहां पकड़े गए रंजीत सिंह जुल्का के पास न तो लाइसेंस मिला और न ही दवाओं के खरीद बिक्री संबंधी कोई अभिलेख। कार्रवाई के दौरान 27 नमूने लिए गए। यहां से करीब 21 लाख की दवाएं जब्त की गई। पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर बक्शी का तालाब से राज विक्रम सिंह को गिरफ्तार किया गया। यहां से चार नमूने लिए गए और तीन लाख की अवैध दवाएं सील की गई। ऐसे ही गोंडा में अमन कसौधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई। यहां जांच पड़ताल के दौरान एफएसडीए को टीम को पता चला कि पूरा नेटवर्क राजस्थान से संचालित हो रहा है। प्रदेश में नकली ही नहीं नशीली दवाओं का भी कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। गोंडा के बरियार पुरवा में तीन दिन चली जांच के दौरान कई नकली व नशीली दवाएं भी पकड़ी गई हैं। ये दवाएं बिना लाइसेंस के निजी गोदाम से बेची जा रही थीं। तीन दिनों तक चली जांच में उत्तराखंड से बनने वाली दवाएं भी मिली हैं। इनमें डिप्ट्रम प्लस, सेम्प्लॉक्स प्लस, रोमर स्पास, ट्रामाडोल इंजेक्शन, कोडीन सिरप मुख्य हैं। प्रदेश में नकली ही नहीं नशीली दवाओं का भी कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। गोंडा के बरियार पुरवा में तीन दिन चली जांच के दौरान तमाम नकली के साथ ही नशीली दवाएं भी पकड़ी गई है। ये दवाएं बिना लाइसेंस के निजी गोदाम से बेचा जा रहा है। तीन दिनों तक चली जांच में उत्तराखंड से बनने वाली दवाएं भी पकड़ी गई है। सीज की गई करीब 1.13 करोड़ की दवाओं में डिप्ट्रम प्लस, सेम्प्लाक्स प्लस, रोमर स्पास, ट्रामाडोल इंजेक्शन, कोडिन सिरप आदि शामिल हैं।

खेत पर कब्जे के विवाद में महिला की बेरहमी से हत्या, जेल से छूटकर आया था हत्यारोपी

इटावा। इकदिल के हिरनपुर गांव में खेत पर कब्जे के विवाद में जेल से छूटे पत्नी के हत्यारोपी ने परिवार और साथियों के साथ महिला को बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। घायल महिला को पहले निजी अस्पताल और फिर जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की तहरीर पर सात नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ पुलिस रिपोर्ट दर्ज आरोपियों की तलाश में जुट गई है। हिरनपुर निवासी रानी देवी (42) शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे घर से लगभग 100 मीटर दूर स्थित अपने खेत पर बकरी चरा रहीं थीं। इस दौरान कोठी निवासी नंद किशोर परिवार के लोगों और साथियों के साथ वहां पहुंचा। जेसीबी, डंडे और फावड़े से बाउंड्री का गेट तोड़कर अंदर घुस गया। विरोध पर आरोपियों ने रानी देवी, कुंजीलाल को पीटना शुरू कर दिया। भूपेंद्र ने रानी देवी के सीने और कान पर डंडों से कई वार किए जबकि अन्य आरोपियों ने भी लाठी-डंडे, लात-घूंसों और फावड़े से हमला किया। परिजन घायल रानी देवी को पहले घर ले गए। शाम के समय उनकी हालत बिगड़ने लगी तो उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉ. ओमकांत राजपूत ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति कुंजीलाल ने बताया कि वर्ष 2009 में उन्होंने 80 हजार रुपये में खेत का सौदा किया था। उस समय 50 हजार रुपये देकर खेत का एग्रीमेंट करा लिया गया था। उनका आरोप है कि खेत का सौदा करने वाला नंद किशोर बाद में अपनी पत्नी की हत्या के मामले में जेल चला गया था और कोर्ट से उसे सजा भी हो गई थी। वह 26 मई को जेल से रिहा होकर बाहर आया था। आरोप है कि जेल से छूटने के बाद वह उसी खेत पर दोबारा कब्जा करने की नीयत से पहुंचा और हमला कर दिया। रानी देवी की तीन बेटियां निशा, खुशबू और दिया और दो बेटे अंशु व अभिषेक हैं। मां की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि बेटे अंशु कुमार की तहरीर पर मुख्य आरोपी जेल से छूटे आरोपी नंद किशोर, उसके बेटे, भाई भूपेंद्र, भूरे उर्फ शेरा, राहुल, नंद किशोर की बहन, टाइगर उर्फ अभिषेक उर्फ डल्लू सिंह समेत दो अज्ञात के खिलाफ हत्या, बलवा, मारपीट, हमला और धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

दादी पर कुल्हाड़ी से किया हमला, फिर रस्सी से कसा गला, दी खौफनाक मौत

हमीरपुर। राठ कोतवाली क्षेत्र के मवई गांव में रविवार को पारिवारिक विवाद में युवक ने पारिवारिक दादी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बाद में रस्सी से गला कसकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। बहादुर राजपूत ने बताया कि रविवार दोपहर वह घर पर था। इसी दौरान पारिवारिक भतीजा गजेंद्र वहां आया और गालीगलौज करने लगा। आरोप है कि उसने जान से मारने की नियत से कुल्हाड़ी से उन पर हमला कर दिया। उन्होंने भागकर अपनी जान बचाई। हालांकि हमले में उन्हें चोट भी लगी। बताया कि उस समय मां शोभारानी (85) घर में उनकी अकेली थीं। आरोप है कि गजेंद्र ने उन पर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बाद में चारपाई की रस्सी से उनका गला कस दिया। कुछ देर बाद जब बहादुर घर लौटे तो मां को मृत अवस्था में पाया। उनका शव चारपाई से टिका था और गले में रस्सी कसी थी। बहादुर ने बताया कि उनके नाम पर पांच बीघा भूमि है। वह मां के साथ रहते थे। पत्नी भाना तीन बच्चों के साथ राठ में रहतीं हैं। बहन देवकुंवर ससुराल औंड़ेरा गांव में रहतीं हैं। सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी राजीव प्रताप सिंह व कोतवाल अनूप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। कोतवाल अनूप सिंह ने बताया कि बहादुर के शिकायती पत्र पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। मां सुमितरानी ने बताया कि रविवार सुबह से बेटा गजेंद्र असमान्य व्यवहार और उल्टी-सीधी बातें कर रहा था। दोपहर में वह खेत जा रही थीं। तभी बेटा कुल्हाड़ी लेकर उनके पीछे दौ?ा। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचा लिया। बताया कि बेटे की कई साल से मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसके हाथ-पैरों में बे?ियां प?ी थीं। छह माह पहले उसने बे?ियां तो? ली थीं। ग्रामीणों ने बताया कि गजेंद्र सुबह से ही मानसिक संतुलन खो बैठा था। वह कुल्हाड़ी लिए घूम रहा था और जो सामने दिखता था उसी को दौ?ा लेता था। बताया कि करीब पांच दिन से उसकी यही स्थिति थी। उसकी स्थिति को देखते हुए ग्रामीण सामने जाने से डरते थे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि परिजन उसे बांधकर रखते तो इस हत्याकांड को टाला जा सकता था। वृद्ध महिला की जगह और कोई भी होता तो उसकी भी हत्या हो सकती थी। 16 जून की रात अतरौलिया मोहल्ला निवासी शिवराम अहिरवार (62) की मामूली विवाद में उनके बेटे नरेश चौधरी ने लक?ी के पटिए से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। पिता-पुत्र के बीच मामूली विवाद हो गया था। 12 जुलाई की रात कोतवाली क्षेत्र के स्यावरी गांव निवासी हरदयाल राजपूत ने अपने ब? भाई श्यामबिहारी (65) की ग?ासे से काटकर हत्या कर दी थी। बताया जाता है कि भाई को किसी महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखकर हत्या की थी। वहीं रविवार को मवई गांव में गजेंद्र राजपूत ने अपनी पारिवारिक दादी शोभारानी (85) की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी।

बेसबॉल बैट से पिता पर ताबड़तोड़ हमले, रातभर हुआ था इस बात को लेकर झगड़ा

सिरसागंज। यूपी के फिरोजाबाद स्थित सिरसागंज कस्बे के अहीर टोला मोहल्ले में रविवार सुबह घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब पीने के आदी बेटे का पिता से विवाद हुआ तो उसने अपने 70 वर्षीय पिता की बेसबॉल बैट से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। भाई की तहरीर पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। घटनाक्रम रविवार दोपहर करीब 12 बजे अहीर टोला निवासी राकेश बाबू शर्मा (70 वर्ष) का अपने पुत्र उपेंद्र शर्मा पैसों को लेकर विवाद हो गया था। परिजनों के अनुसार उपेंद्र शराब पीने का आदी था और इसी बात को लेकर घर में आए दिन कहासुनी होती रहती थी। विवाद के दौरान गुस्से में आकर उपेंद्र ने घर में रखे बेसबॉल के बल्ले से अपने पिता के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन तुरंत राकेश बाबू शर्मा को उपचार को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के समय घर में आरोपी की पत्नी वंदना शर्मा व पिता राकेश बाबू शर्मा मौजूद थे। परिजनों की मानें तो आरोपी उपेंद्र कुछ समय पहले तक दिल्ली में नौकरी करता था, लेकिन लगभग एक माह पूर्व नौकरी छोड़कर घर लौट आया था। सूचना मिलते ही थाना सिरसागंज पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त बेसबॉल बैट बरामद कर आरोपी उपेंद्र शर्मा को हिरासत में ले लिया है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक के बेटे लालजी शर्मा की तहरीर पर भाई के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मुहल्ले के लोगों ने बताया कि दुकान की बिक्री को लेकर उपेन्द्र आय दिन अपने पिता से झगडा करता रहता था। उपेन्द्र के पिता का कहना था कि दुकान की बिक्री होगी तो तीन हिस्से होगें लेकिन उपेन्द्र इस बात पर राजी नही था। पडोसियों ने बताया कि शनिवार की पूरी रात भी पिता पुत्र में जमकर झगडा होता रहा और सुबह फिर से दोनों में विवाद होना शुरू हो गया था।

लखनऊ में एलएलबी छात्रा का अपहरण करके दुष्कर्म का प्रयास

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में 16 जुलाई को घर जा रही एलएलबी छात्रा का बाइक सवार युवक ने अपहरण कर लिया। आरोप है कि सुनसान जगह पर आरोपी ने उससे दुष्कर्म का प्रयास किया। किसी तरह से खुद को छुड़ाकर पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी। मगर, तभी कुछ अज्ञात लोग आरोपी को भगाकर अपने साथ ले गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। छात्रा ने बताया कि 16 जुलाई को शाम करीब 5ः45 बजे वह टेंपो से उतर कर घर जा रही थी। सीडीआरआई के पिछले गेट पर पहुंची ही थी कि तभी बाइक सवार एक युवक ने उसे रोक लिया और छेड़खानी शुरू कर दी। विरोध पर आरोपी उसे घसीटते हुए आगे ले गया। जबरन अपनी बाइक पर बैठा लिया। सुनसान जगह पहुंचने पर वह दुष्कर्म का प्रयास करने लगा।

मारपीट और करंट लगाकर हत्या का आरोप, पुलिस से नोकझोंक; छह घंटे तक नहीं उठने दिया शव

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के भगवती बाग में रविवार को बीसी (उधारी) के रुपये मांगने गए मैकेनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। परिजन ने क्षेत्र के एक रसूखदार व्यक्ति पर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटने और करंट लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया। आरोप है कि वारदात के बाद शव को घर के बाहर फेंक दिया गया। आक्रोशित परिजनों ने करीब छह घंटे तक शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। पुलिस ने परिजन को समझा-बुझाकर शांत कराया। मृतक के बेटे आकाश शर्मा ने बताया कि उनके पिता दिनेश शर्मा (55) खराद और लेथ मशीन की मरम्मत का कार्य करते थे। परिवार के अनुसार दिनेश ने क्षेत्र के रहने वाले व्यक्ति को उधारी के करीब डेढ़ लाख रुपये दिए थे। रविवार सुबह वह रुपये मांगने उसके घर गए थे। परिजन का आरोप है कि रुपये मांगने पर दिनेश को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। आरोप है कि इसके बाद उन्हें करंट लगाया गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने मृतक के बेटे आकाश को फोन कर कहा कि तुम्हारे पापा को उल्टी हो गई है, जल्दी आ जाओ।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Nikhil Ranjan Dutta** is purchasing the PLOT NO: C-15/1/7-A, AREA MEASURING 56 SQ.YDS., OUT OF KHASRA NO. 15/20, & 15/21, SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGEGOELA KHURD, DELHI STATE DELHI, COLONY KNOWN AS "SHYAM VIHAR" PHASE-II, NAJAFGARH, NEW DELHI 110043 from Sumit Rana who is the owner of the property from General Power of Attorney, Agreement to Sell & WILL dated 18/07/2023 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, SARANYA KV wife of No.-2616918N, Rank- SEP, Name-PRAVEEN C, residing at H/NAME-SASI NIVAS, VILL-VADAKKETHARA, PO- PAZHAYANNUR, PS- PAZHAYANNUR, TEHSIL-TALAPPILLY, DIST- THRISSUR, KERALA- 680587, have changed my name from SARANYA KV to SARANYA K V for all future purposes vide Affidavit dated 23/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD AARIF KHAN S/O GAFFAR AHMED KHAN R/O HOUSE NO 559 4th FLOOR FRONT SIDE GALI NO 22 NEAR MOTI MASJID ZAKIR NAGAR SOUTH DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD AARIF KHAN

NAME CHANGE
I, BHAWNA NAYYAR W/O SANJEEV KUMAR R/O C-1/75, SECOND FLOOR,, JANAK PURI, DELHI-110058 have changed my name to VANDANA BUDHIRAJA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Mohammad Iliyas Aalam S/o Nisar Ahmad R/o House No-109 Newasi Post Bahraich Uttar Pradesh-271872 Have Changed My Name To Muo Iliyas Aalam Permanently

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANISH VERMA S/O KRISHAN KUMAR R/O H NO-141, FIRST FLOOR, RAM NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name and shall hereafter be known as AANISH VERMA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Tanmay alias Tanmay Abrol S/o Sunil R/o F-19, Gali No-80, Mahavir Enclave Part-3, Uttam Nagar, New Delhi 110059, declare that my name has been wrongly written as Tanmay in my school documents. That my actual name is Tanmay Abrol, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I,SHABINA BEGUM W/O LUKMAN KHAN R/O H.NO-15 WARD NO 7 DHIRANKI PALWAL HARYANA 121102, CHANGED MY NAME TO MUBINA.

NAME CHANGE
I ZAFARUDDIN S/0 MOHD JABARDDIN R/0 6342 4TH FLOOR GALI KHATTA WALI QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI 11006 CHANGED MY NAME TO MOHD ZAFRUDDIN

NAME CHANGE
I, AMIT SINGH BHASIN S/o Jaspal Singh R/o D-1/43, Second Floor, Janak Puri, Delhi-110058, have changed my name to AMIT SINGH permanently.

NAME CHANGE
I,DHANANJAY S/O AJAY KUMAR R/O C-45, PARYAVARAN COMPLEX, SAIDULAJAB VILLAGE, DELHI-110030 HAVE CHANGED MY NAME TO DHANANJAY KUMAR.

Public Notice
I, Dilip Kumar Sharma, S/o-Phool Badan Sharma, R/o- H NO. 115/88, GEETANJALI ENCLAVE JHARODA KALAN PO JHARODA KALAN DIST SOUTH WEST DELHI 110072 state that my daughter namely Anshika Sharma was born on 01.11.2014. In all her Educational documents, the same date of birth i.e., 01.11.2014 is mentioned. However, inadvertently, in the Adhar Card it is recorded as 01.11.2017. It is submitted that correct date of birth of my daughter Anshika Sharma is 01.11.2014.

NAME CHANGE
I, Smt. SARITA W/O Shri RAVI KHATRI R/O - 835, Om Apartment, Pocket 2, Sector 14, Dwarka, NSIT, Dwarka, New Delhi-110078, have changed my name from SARITA to SARITA KHATRI.

NAME CHANGE
I, RANJANA SHENDE wife of No.-14676800A, Rank-HAV, Name-SHENDE DHANPAL RAMA residing at VILL-LANZERA, PO-JAMB, TEHSIL-TUMSAR, DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441914 have changed my name from RANJANA SHENDE to RANJANA DHANPAL SHENDE for all future purposes vide Affidavit dated 24/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Aqeel Ahmed S/o Abdul Hafeez R/o 313/4C, Tulsi Nagar, Rajdhani Property, Inder Lok, Delhi-110035, I have changed my name to Mohd Aqeel for all future purposes.

NAME CHANGE
I, LATIKA D/O SH. JAWAHAR BUDHIRAJA R /O H NO-12/71, BLOCK NO-12, GEETA COLONY, GANDHI NAGAR, DELHI-110031 have changed my minor daughter name UMANSHI MEHTA from to UMANSHI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GAZALA W/O MD HABIBULLAH R/O V-185 2ND FLOOR KH.NO-704/23 GALI NO-18 VIJAYPARK MAUJPUR DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO GAJALA PARVEEN.

NAME CHANGE
I, RAJA S/O ABDUL HAMID KHAN R/O 41, 3RD FLOOR PUNJABI MOHALLA ZAMRUDPUR GREATER KAILASH -1 NEW DELHI 110048 have changed my name to RAJA KHAN Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, NAGINA W/O RAJA KHAN R/O 41, 3RD FLOOR PUNJABI MOHALLA ZAMRUDPUR GREATER KAILASH -1 NEW DELHI 110048 have changed my name to NAGINA SHAIKH Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, Aqeel Ahmed S/o Abdul Hafeez R/o 313/4C, Tulsi Nagar, Rajdhani Property, Inder Lok, Delhi-110035, I have changed my name to Mohd Aqeel for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD HABIBULLAH S/O MD ZYAURAHAMAN R/O B-75 STREET NO 9 NEW MODERN MANSAROVER PARK SHAHDARA 110032, CHANGED MY NAME TO MD HABIBULLAH.

NAME CHANGE
I, hitherto known as HITESH KUMAR S/O MOHINDER KUMAR R/O GT-1,, SECTOR-42, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name and shall hereafter be known as RUDRAKSH MOHINDER GROVER.

NAME CHANGE
I, Sanja Khosla, S/O Prem Kumar Khosla, R/O B3/101, Tulip Grand Apartment , Sector-35, Sonipat- 131001have changed my name to Sanjay Kumar Khosla for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Gopal, S/O Jagdish Chander, R/O 1st Floor, HNO 127, G Block, Phase 1, Ashok Vihar, Delhi- 110052 have changed my name to Gopal Bansal for all further purposes.

NAME CHANGE
I, Kum Babita, W/O Pawan Khandelwal, R/O E-5/71, 2nd and 3rd Floor, Sector-16 Rohini , Delhi- 110085 have changed my name to Vandana Khandelwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Richa Goyal, W/O Gopal Bansal, R/O G-127, First Floor, Phase 1, Ashok Vihar, Delhi- 110052 have changed my name to Richa Bansal for all further purposes.

NAME CHANGE
I, Jagdish Chander Aggarwal, S/O Kedar Nath Aggarwal, R/O House No-127, 1st Floor, BLK G, Ashok Vihar Phase 1, Delhi-110052 have changed my name to Jagdish Chander for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Priyadarshini, W/O Vinay Paliwal, R/O BP- 139, Shalimar Bagh, Delhi- 110088 have changed my name to Priyadarshini Paliwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, BHAVANSH SINGH S/O INDERPAL SINGH residing at H NO-F-166, LAJPAT NAGAR-I, DELHI-110024 have changed my name to BHAVANSH SINGH GUJRAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Amar Singh S/O Lila Ram, R/O 16/341 E Tank Road, Bapa Nagar, Karol Bagh, New Delhi 110005, I am father and natural guardian of minor daughter Reet hereby declare that the name of my daughter has been changed to Reet Chauhan by addition of the surname. Henceforth, she shall be known as Reet Chauhan for all purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SALEEM S/O DILSHAD R/O H.No-492, Gali No-4, Islam Nagar, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as SUJUD

NAME CHANGE
I, Lakhi Chand Ram S/o Sh. Bachhe Ram R/o CN-156, Vivekanand Camp Part-2, Chanakya Puri, New Delhi-110021 declare that my Son's correct name is Amarjeet instead of Amarjeet Kumar. That Amarjeet and Amarjeet Kumar are all the names of one and the same person i.e., my son.

NAME CHANGE
I, ASHA mother of No-15723544A, Rank-NK, Name-SANAP SANDIP RAMRAO residing at VILL-WADZARI, PO-DOMRI, SUB DIST-PATODA, DIST-BEED, MAHARASHTRA-414204 have changed my name from ASHA to ASHA RAMRAO SANAP for all future purposes vide Affidavit dated 24/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANAP KANCHAN SANDIP wife of No-15723544A, Rank-NK, Name-SANAP SANDIP RAMRAO residing at VILL-WADZARI, PO-DOMRI, SUB DIST-PATODA, DIST-BEED, MAHARASHTRA-414204 have changed my name from SANAP KANCHAN SANDIP to KANCHAN SANDIP SANAP for all future purposes vide Affidavit dated 24/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Pawan Kumar, S/O Ashok Khandelwal, R/O E-5/71, 2nd Floor and 3rd Floor, Sector-16 Rohini, Delhi- 110085 have changed my name to Pawan Khandelwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHAKINA W/O CHANDA R/O H NO A-9/20 GALI NO 7 CHAUHAN BANGER JAFRABAD DELHI 110053 have changed my name to SAKEENA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Nikhlesh, S/O Ashok Khandelwal, R/O E-5/71, 2nd Floor and 3rd Floor, Sector-16 Rohini, Delhi- 110085 have changed my name to Nikhlesh Khandelwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Shubhanghi Khandelwal, W/O Nikhlesh Khandelwal , R/O E-5/71, 2nd and 3rd Floor, Sector-16 Rohini, Delhi- 110085 have changed my name to Mehak Khandelwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ashok Kumar, S/O Shiv Charan Lal, R/O E-5/71, 2nd and 3rd Floor,Sector-16 Rohini, Delhi- 110085 have changed my name to Ashok Khandelwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sanjay Khosla, S/O Prem Kumar Khosla, R/O B3/101, Tulip Grand Apartment , Sector-35, Sonipat-131001have changed my name to Sanjay Kumar Khosla for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विकेश और उनकी पत्नी अलका, निवासी A-182, गौतम पुरी फेज-1, बदरपुर साउथ दिल्ली, दिल्ली 110044, ने अपने बेटे रंजीत और उसकी पत्नी एकता के लापरवाह और बुरे व्यवहार के कारण उनसे अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। मेरे उपरोक्त मुवक्किल ने अपने बेटे और उसकी पत्नी को अपनी सभी चल-अचल संपत्तियों से भी वंचित कर दिया है। उनके साथ लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और ज़िम्मेदारी पर ऐसा करेगा और मेरे उपरोक्त मुवक्किल अपने बेटे और उसकी पत्नी द्वारा किए गए किसी भी कार्य, कर्म या लेन-देन के लिए ज़िम्मेदार नहीं होंगे।

केशव भारद्वाज, अधिवक्ता
Chamber No. 342 (E)
Lawyers Block, Saket District Court,
New Delhi 110017

नाम परिवर्तन
मैं, गुरुदत्त, पुत्र श्री बलजीत राम, एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि मैंने अपने पुत्र का नाम प्रणव से बदलकर प्रणव राठौर कर दिया है। भविष्य में मेरा पुत्र सभी अभिलेखों, दस्तावेजों एवं सभी प्रयोजनों के लिए प्रणव राठौर के नाम से ही जाना, पहचाना एवं संबोधित किया जाएगा।

जन्मतिथि परिवर्तन
मैं, अशोक कुमार पुत्र राम नरेश निवासी ग्राम-चिलबिलवा, डाकघर-उनौला, तहसील-सदर, जिला-गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273152, वर्तमान में मकान संख्या-110, आरके पुरम, सेक्टर-7, नई दिल्ली-110022, में रहता हूँ, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे नाबालिग पुत्र अंश कुमार की जन्मतिथि उसके मैट्रिक प्रमाण पत्र में गलत तरीके से 21/10/2010 दर्ज की गई है, जबकि उसकी सही जन्मतिथि 21/11/2010 है।

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राम संजीवनी, प्लॉट नंबर 15 और 16 (खसरा नंबर 58/13 में से) के हिस्से में चनी पहली मंजिल (बिना छत/टेरेस के अधिकार के) के मालिक थे। यह प्रॉपर्टी दिल्ली राज्य के हस्तसाल गाँव के रेवेन्यू एस्टेट और शक्ति विहार कॉलोनी, ब्लॉक-A, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित है। यह मालिकाना हक ATS और 23.10.2009 की रजिस्टर्ड वसीयत (डॉक्यूमेंट नंबर 7722) के जरिए मिला था, जिसे श्री आनंद कुमार (पिता: श्री नारायण सिंह/नारायण दीन) ने श्री राम संजीवनी (पिता: श्री नारायण सिंह/नारायण दीन) के पक्ष में निष्पादित किया था। दुर्भाग्य से, श्री राम संजीवनी का 15.11.2015 को निधन हो गया। इसके बाद, स्वर्गीय श्री राम संजीवनी के बेटों (श्री सचिन, श्री सम्राट वर्मा, श्री अशोक वर्मा) और बेटियों (श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती डॉली वर्मा, श्रीमती भारती वर्मा) ने अपनी माँ श्रीमती कमलेश कुमार (पत्नी: स्वर्गीय श्री राम संजीवनी) के पक्ष में 22.09.2020 को एक नोटरीकृत रिलिनक्विशमेंट डीड (अधिकार त्याग विलेख)/ रिलीज डीड निष्पादित की। अब माँ इस प्रॉपर्टी को बेच रही हैं, लेकिन प्रॉपर्टी की चेन में स्ब्ष्ट (उत्तरजीवी सदस्य प्रमाण पत्र) विक्रेता के पास उपलब्ध नहीं है। यह प्रॉपटर्टी श्री सतपाल सिंह (पिता: श्री कंवर सिंह) को बेची जा रही है और इसके लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

Court Notice
PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(Order 5, Rule 20 of the Code of Civil Procedure)
IN THE COURT OF MS. NAMRITA AGGARWAL LD JUDGE-02 (SOUTH-EAST) FAMILY COURTS, SAKET, NEW DELHI
Case No. HM?.??. -51/2025
To
SAVITA SHARMA
Vs
PRAMOD KUMAR
To serve the notice to the Respondent at:-
PRAMOD KUMAR
R/O. 301, FIRST FLOOR,
SATYAM ENCLAVE,
MAIN GT ROAD, SHAHIBABAD,
GHAZIABAD, UP
THE DEFENDANT ABOVE NAMED
WHEREAS, you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 17TH DAY OF AUGUST, 2026 the day fixed for the final Opportunity, it will be heard and determined ex-parte.
Given under my hand and seal of the Court on 03.07. 2026
Judge
Family Court
South-East District
Saket New Delhi

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अवैध पनीर फैक्ट्री पर सीएम फ्लाइंग का छापा, 1200 किलो पनीर जब्त

एजेंसी

पलवल। सीएम फ्लाइंग की टीम ने हथीन उपमंडल के गांव भीमसीका स्थित एक अवैध पनीर फैक्ट्री पर छापेमारी कर करीब 1200 किलो तैयार पनीर जब्त किया है। फैक्ट्री बिना संबंधित विभागों की अनुमति के संचालित की जा रही थी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच के लिए पनीर के नमूने भी लिए हैं। डीएसपी विवेक चौधरी के निर्देशन में सीएम फ्लाइंग फरीदाबाद की टीम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा के साथ गुरूवार को भीमसीका गांव स्थित रोजेदार डेयरी पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान फैक्ट्री में छह से सात कर्मचारी पनीर तैयार करते मिले। मौके पर बड़ी मात्रा में तैयार पनीर रखा हुआ था, जिसे टीम ने जब्त कर लिया। जांच में सामने आया कि फैक्ट्री संचालक आजाद ने बिना किसी वैधानिक अनुमति के बॉयलर स्थापित कर रखा था। इसके अलावा इकाई के पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनापत्ति और अन्य आवश्यक विभागीय स्वीकृतियां भी नहीं थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने पनीर के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। साथ ही संबंधित विभागों ने नियमों के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

नूंह में मुख्यमंत्री की रैली से पहले सुरक्षा प्रबंध हुए चाक-चौबंद

नूंह। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की 25 जुलाई को पुन्हाना रैली के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री की प्रस्तावित जनसभा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण कर सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अर्पित जैन और उपायुक्त अखिल पिलानी ने गुरुवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ रैली स्थल, हेलिपैड, पार्किंग स्थल तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए सुरक्षा के सभी बिंदुओं की समीक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कर रहा है। रैली स्थल, हेलिपैड, सार्वजनिक पार्किंग और अन्य संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की विस्तृत योजना तैयार की जा रही है, ताकि कार्यक्रम पूरी तरह सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने किया एनआईए का निरीक्षण

चंडीगढ़। आयुष मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव मोनालिसा दास (आईएफएस) ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), पंचकूला का निरीक्षण किया। संस्थान में पहुंचने पर डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी और डीएमएस डॉ. गौरव गर्ग ने संयुक्त सचिव का स्वागत किया। संयुक्त सचिव ने चिकित्सा सुविधाओं, शैक्षणिक खंड सहित ओपीडी और आईपीडी का मुआयना किया। उन्होंने संस्थान में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों को दी जा रही सेवाओं तथा अनुसंधान गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी ने संयुक्त सचिव मोनालिसा दास को अवगत कराया कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान पंचकूला में प्रतिदिन 500 से ज्यादा मरीज ओपीडी के माध्यम से परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर रहे हैं। पंचकर्म सहित विभिन्न विशेषज्ञ आयुर्वेदिक उपचारों के साथ-साथ आधुनिक प्रयोगशाला जांच सुविधाएं भी मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय के मार्गदर्शन में संस्थान आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तथा शोध आधारित चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

नीट मामले में युवाओं को गुमराह कर रहा है विपक्षःनायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेपर लीक मामलों में दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर त्वरित जांच कराने और फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से जल्द सजा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस मुद्दे पर युवाओं को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार को रोहतक एमडीयू में मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के सुरक्षित भविष्य को सर्वोपरि मानते हुए नीट पेपर लीक मामले सहित अन्य मामलों में कड़ा संज्ञान लिया है, जब कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस विषय पर संसद में चर्चा करने को तैयार नहीं है। विपक्ष के पास इस मामले में कोई सकारात्मक सुझाव है तो वह भी उन्हें केंद्र सरकार को देना चाहिए। यूपीए सरकार में भी पेपर लीक के अनेक मामले सामने आए थे लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विगत सरकार ने शिक्षा का बजट केवल 8225 करोड़ रुपए निर्धारित किया था, जब कि वर्तमान केंद्र सरकार ने इसे बढ़ाकर एक लाख 39 हजार करोड़ रुपए कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पड़ोसी राज्य पंजाब का हवाला देते हुए बताया कि वहां एक प्रतियोगी परीक्षा के परिणाम में गलत नामों के परीक्षार्थियों का चयन कर कैसे उन्हें पास कर दिया गया।

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले कलाकार व शोधकर्ता तैयार करेगी सुपवा : सीएम

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डीएलसीसुपवा राज्य की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले कलाकार व शोधकर्ता तैयार करेगी, ऐसा उन्हें पूरा विश्वास है। सुपवा के लिए प्रदेश सरकार ने जिस तरह का सपना देखा था, वह साकार होने लगा है। यहां से होनहार प्रतिभाएं निकलकर देश-दुनिया में हरियाणा का नाम रोशन कर रही हैं।मुख्यमंत्री सूर्य कवि दादा लख्मी चंद की 123वीं जयंती के उपलक्ष्य में दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में साहित्यकार सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। डीएलसीसुपवा ने हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फैकेल्टी ऑफ डिजाइन बिल्डिंग में डिजाइन व विजुअल आर्ट्स डिपार्टमेंट के छात्रों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में छात्रों ने अलग-अलग तरह के परिधान, स्कल्प्चर, एनीमेशन, पेंटिंग और एप्लाइड आर्ट के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति, कलात्मक सोच व प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए

कलाकृतियां प्रदर्शित की थीं। मुख्यमंत्री ने कलाकृतियों के बारे में जानकारी ली और छात्रों की रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने हरियाणा साहित्य व संस्कृति अकादमी की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न 40 श्रेणियों में कुल 81 साहित्यकारों को सम्मानित किया। साहित्यकारों को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। बड़े पुरस्कारों की बात करें तो महेंद्रगढ़ के रोहित यादव को वर्ष 2021 के लिए तथा विनोद बब्बर को आजीवन साहित्य साधना पुरस्कार से नवाजा गया। वहीं, साल 2021 के लिए वीएम बेचैन व साल 2022 के लिए डॉ. राजकला देशवाल को पंडित लख्मी चंद सम्मान प्रदान किया गया। मौके पर कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने मुख्यमंत्री को यूनिवर्सिटी के छात्रों द्वारा तैयार किया गया उनका पोर्टेट भेंट किया। साथ ही मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को भी स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा साहित्य व संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री व दादा लख्मी चंद के पौत्र विष्णु दत्त को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सूर्य कवि पंडित लख्मी चंद केवल एक कवि नहीं, बल्कि हरियाणा की आत्मा व लोक संस्कृति के सशक्त प्रहरी थे। उनकी स्मृति में आयोजित इस समारोह में उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना उनके लिए गौरव का विषय है।

तीज महोत्व में पहुंची भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चूल्हे पर बनाएं गुलगुले और दही बिलोकर मक्खन निकाला

चंडीगढ़/पानीपत। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता पानीपत के इसराणा स्थित एनसी मेडिकल कॉलेज में आयोजित भव्य तीज महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम में पहुंचने पर कॉलेज प्रबंधन, चिकित्सकों, आयोजकों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने प्रदेश अध्यक्ष का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। इस मौके पर चेयरमैन धर्मबीर गुप्ता, वाइस चेयरमैन भूषण गुप्ता, ईश कुमार राणा, रविन्द्र, समुंद्र जागलान, आनंद मलिक, संदीप कौशिक, कालेज प्रिंसिपल मेजर जनरल पीजे सिंह के अलावा चिकित्सक, छात्र मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने हरियाणवी परंपरा के अनुसार पीढ़े पर बैठकर अपने हाथों से गुलगुले बनाए, दही बिलोकर मक्खन निकाला तथा महिलाओं के साथ झूला झूलकर तीज उत्सव की खुशियों में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी संस्कृति, आस्था, हरियाली तीज का प्रकृति और हरियाली से गहरा संबंध है। यह पर्व लोगों के जीवन में नई ऊर्जा, उल्लास और सकारात्मकता का संचार करता है। उन्होंने कहा कि तीज की असली

प्रकृति और पारिवारिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि तीज हमें अपनी मिट्टी, अपनी जड़ों और अपनी लोक परंपराओं से जोड़ने का संदेश देती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खुशबू तब महसूस होती है, जब घर-आंगन में गुलगुले और सुहाली की महक फैलती है, महिलाएं पारंपरिक गीत गाती हैं, झूले झूलती हैं और परिवार एक साथ इस उत्सव को मनाता है। उन्होंने कहा कि यही हमारी संस्कृति की असली पहचान है। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के कारण कई पारंपरिक रीति-रिवाज धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसे समय में तीज महोत्सव जैसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। यह पर्व महिलाओं को एक मंच पर लाकर सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है। हमारी लोक परंपराएं, त्योहार और रीति-रिवाज केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा हैं। अपनी संस्कृति ही हमारी पहचान है ।

हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री ने मुनीमपुर पहुंचकर शोक संतप्त परिवारों से की मुलाकात, हादसे पर जताया गहरा दुख

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने झज्जर जिला के गांव मुनीमपुर में कुएं में जहरीली गैस के कारण चार लोगों की हुई मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह हादसा बेहद दुखद और हृदय विदारक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन इस कठिन समय में पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। डॉ. अरविंद कुमार शर्मा गांव मुनीमपुर पहुंचे और हादसे में जान गंवाने वाले ग्रामीणों के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में सरकार की ओर से मिलने वाली सभी पात्र सहायता समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। गौरतलब है कि गांव मुनीमपुर में एक बछड़े को बचाने के प्रयास के दौरान कुएं में जहरीली गैस की चपेट में आने से गांव के दलवीर सिंह, मोनू, नरेंद्र सिंह तथा उत्तरप्रदेश निवासी प्रवासी श्रमिक रामू की असामयिक मृत्यु हो गई थी। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने ग्रामीणों से अपील की कि बंद कुओं, सीवर, टैंक अथवा अन्य संकरे स्थानों में बिना सुरक्षा उपकरणों और गैस परीक्षण के प्रवेश करना अत्यंत जोखिम भरा होता है। ऐसे स्थानों में जहरीली गैस की मौजूदगी कई बार दिखाई नहीं देती, लेकिन कुछ ही क्षणों में जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि किसी कुएं, टैंक या सीवर में कोई व्यक्ति अथवा पशु फंस जाए तो बिना सुरक्षा उपाय अपनाए स्वयं अंदर उतरने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तुरंत प्रशासन, दमकल विभाग, पुलिस अथवा संबंधित बचाव एजेंसियों को सूचना दें।

समाधान शिविर में अफसरों की गैरहाजिरी पर डीसी सख्त, नोटिस जारी

एजेंसी

कैथल। समाधान शिविर में अधिकारियों की अनुपस्थिति और देरी से पहुंचने पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त अपराजिता ने समाधान शिविर के दौरान 18 विभागों के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में डीसी ने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर लोगों की समस्याओं का त्वरित निपटारा करने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं, इसलिए अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी भूमिका निभाएं। डीसी ने कहा कि यदि कोई शिकायत किसी अन्य विभाग से संबंधित हो तो संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर उसका समाधान करें, ताकि शिकायतकर्ता को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट निर्धारित समय पर और गुणवत्तापूर्ण

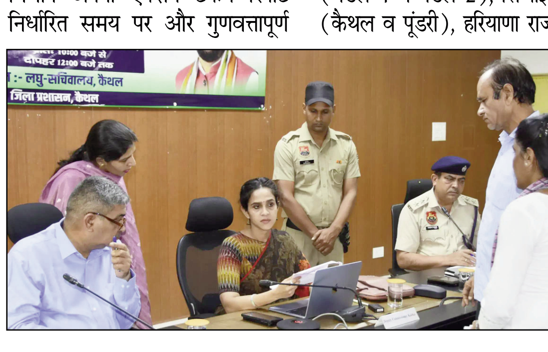

तरीके से पोर्टल पर अपलोड करें। शिविर के दौरान शिक्षा, बिजली, पुलिस, राजस्व, विकास एवं पंचायत, जिला परिषद और परिवार पहचान पत्र (क्रिड) समेत विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों पर सुनवाई की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डीसी ने समाधान शिविर में देरी से पहुंचने पर नगराधीश (सीटीएम) और जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अनुपस्थित रहने पर लोक निर्माण विभाग (मंडल-1 व मंडल-2), सिंचाई विभाग (कैथल व पूंडरी), हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, बिजली विभाग (कैथल व पूंडरी), सरस्वती हेरिटेज विकास बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, जिला खजाना कार्यालय, जिला नगर योजनाकार कार्यालय, जिला उच्च शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक, हैफेड के जिला प्रबंधक तथा डीएमईओ विभाग के अधिकारियों को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए।

सीटीएम ज्योति नागपाल की अध्यक्षता में रोटावेटर एवं लेज़र लैंड लेवलर का ऑनलाइन ड्रॉ संपन्न

एसएमएएम योजना के तहत पात्र 221 किसानों का हुआ चयन

एजेंसी

गुरुग्राम। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा एसएमएएम (सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन) योजना के अंतर्गत रोटावेटर एवं लेज़र लैंड लेवलर कृषि यंत्रों पर अनुदान प्रदान करने के लिए लघु सचिवालय स्थित मीटिंग हॉल में ऑनलाइन ड्रॉ का आयोजन किया गया। ड्रॉ प्रक्रिया सीटीएम ज्योति नागपाल की अध्यक्षता में पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई।

इस अवसर पर सीटीएम ज्योति नागपाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों से जोड़कर खेती को अधिक लाभकारी, समयबद्ध एवं लागत प्रभावी बनाना है।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ड्रॉ प्रणाली से चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी रहती है, जिससे पात्र किसानों को बिना किसी भेदभाव के योजना का लाभ मिलता है। उन्होंने किसानों से सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का भी आह्वान किया। सीटीएम ने चयनित किसानों

को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि सभी चयनित किसान विभाग द्वारा निर्धारित तिथि तक अपने आवश्यक दस्तावेज सहायक कृषि कार्यालय में जमा करवाना सुनिश्चित करें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा इस वर्ष 181 रोटावेटर तथा 40 लेज़र लैंड लेवलर पर अनुदान देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्राप्त आवेदनों में रोटावेटर के 372 तथा लेज़र लैंड लेवलर के 80 पात्र किसानों में से ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से अंतिम लाभार्थियों का चयन किया गया। चयनित किसानों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत अनुदान का लाभ प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. अनिल तंवर, एलडीएम विनोद बजाज सहित जिला भर के प्रगतिशील किसान एवं आवेदक किसान उपस्थित रहे।

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नियमित रूप से लगाए जा रहे हैं समाधान शिविर : डीसी

एजेंसी

गुरुग्राम। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से समाधान शिविरों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए एक ही स्थान पर प्रभावी मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। डीसी ने बताया कि जिले में प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी उपमंडलों में समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। बृहस्पतिवार को आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं। संबंधित अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया, जबकि शेष शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविरों की प्रगति और शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से

सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। डीसी उत्तम सिंह ने जिले के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी सरकारी विभाग से संबंधित कोई समस्या या शिकायत है तो उसका समाधान कराने के लिए समाधान शिविर में अवश्य पहुंचें। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन प्रत्येक शिकायत के गंभीर, संवेदनशील और समयबद्ध निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए तथा शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत की प्रगति से भी नियमित रूप से अवगत कराया जाए। इस अवसर पर एडीसी सोनू भट्ट, संयुक्त आयुक्त सपना यादव, एसीपी मुकेश कुमार, डीडीपीओ नवनीत कौर,मेडिकल ऑफिसर प्रियंका, डिप्टी डीईओ गीता आर्या, दीप्ति बोकन, एसडीओ सुरेश, जेई राजेंद्र सिंह, एई रविंद्र सिंह, एएफएसओ सुनील कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं के स्थाई समाधान को लेकर समन्वय से कार्य करें अधिकारी : एडीसी

एजेंसी

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में एडीसी जगनिवास ने आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीसी ने समाधान शिविर के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये शिविर जिला प्रशासन और आमजन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर की शिकायतों के प्रति सरकार बेहद गंभीर है व शिविर में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निवारण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि शिविर में एक ही शिकायत बार-बार आती है, तो उक्त मामले में संबंधित विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी कर कारण पूछा जाएगा। एडीसी जगनिवास ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि समस्याओं का समाधान न केवल समय पर हो, बल्कि प्रभावी और संतोषजनक भी हो। समाधान शिविर में पानी, बिजली, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, सडक, परिवार पहचान पत्र, आवास और अन्य शिकायतें प्राप्त हुईं। कुछ मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों ने समाधान किया, जबकि अन्य को तय समय सीमा में निपटाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीसीपी मयंक मिश्रा, सीईओ जिला परिषद मनीष फोगाट, सीटीएम रितु,एमिनेंट पर्सन चुन्नी लाल,सुरेंद्र सिंह सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राहुल गांधी छात्रों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय राजनीति कर रहे हैंः गौरव गौतम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस वार्ता में नीट पेपर लीक मामले को देश के युवाओं और छात्रों के भविष्य से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय बताया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गौरव गौतम ने कहा कि मोदी सरकार ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का निर्णय लिया है, ताकि पेपर लीक के दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा मिल सके। खेल मंत्री ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और पत्रकारों के सवालो के जवाब भी दिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सदन में नीट पर चर्चा करने की बजाए भाग क्यों रहे हैं? प्रेसवार्ता में खेल मंत्री गौरव गौतम के साथ भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी नवीन गर्ग भी मौजूद रहे। एमएलए फ्लैट, विधायक दल कार्यालय चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए खेलमंत्री गौरव गौतम ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी छात्रों के मुद्दे पर समाधान खोजने के बजाय राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार नीट और पेपर लीक जैसे गंभीर विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा चाहती है, लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी चर्चा करने की बजाए देश में अराजकता का माहौल बनाना चाहते हैं जो शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष के पास कोई सकारात्मक सुझाव हैं तो सरकार उनका भी स्वागत करेगी।

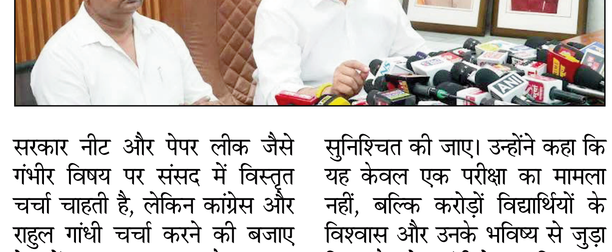

गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए छात्रों का हित और उनका उज्ज्वल भविष्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों विद्यार्थियों के विश्वास और उनके भविष्य से जुड़ा विषय है। खेल मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी सदन में चर्चा करने के बजाय देश में भ्रम और अराजकता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। राहुल गांधी का उद्देश्य छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ लेना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं को बहला-फुसलाकर उन्हें भड़काने का प्रयास कर रही है।

स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, टेंडर शर्तों का पालन नहीं करने वाली एजेंसियां होंगी ब्लैकलिस्टः राजरानी मल्होत्रा

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा ने अपने कार्यालय में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था, एजेंसियों द्वारा टेंडर शर्तों के पालन तथा सफाई व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान मेयर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था शहर की स्वच्छता की रीढ़ है और इसे प्रभावी बनाने के लिए संबंधित एजेंसियों को टेंडर के अनुसार निर्धारित संख्या में वाहन एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। मेयर ने कहा कि यदि कोई एजेंसी अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करती है और निर्धारित संख्या में वाहन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार पेनल्टी लगाने के साथ-साथ ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी तत्काल शुरू की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में संचालित डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों का पूरा विवरण, जिसमें वाहन संख्या, संबंधित एजेंसी का नाम तथा एजेंसी प्रतिनिधि का संपर्क नंबर शामिल हो, संबंधित वार्ड पार्षदों को उपलब्ध कराया जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर भी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके। मेयर ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता प्रत्येक घर से समयबद्ध एवं नियमित रूप से कचरे का संग्रहण सुनिश्चित करना है। इसके लिए एजेंसियों की जवाबदेही तय करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि या तो एजेंसियां टेंडर के अनुरूप सभी वाहन उपलब्ध कराएं।

कच्चे तेल में उछाल से भारतीय शेयर बाजार फिसला

सेंसेक्स 700 अंक टूटा, निफ्टी 23,700 के नीचे फिसला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आए तेज उछाल के चलते भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। वैश्विक स्तर पर तेल के दाम दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों की धारणा बुरी तरह प्रभावित हुई और बाजार में जोरदार बिकवाली देखी गई। सुबह शुरुआत में प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 207 अंक टूटकर 23,662.70 पर आ गया, जबकि सेंसेक्स में 718.41 अंक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जो 75,672.98 के स्तर पर पहुंच गया। प्रमुख शेयरों और व्यापक बाजार का हाल निफ्टी 50 इंडेक्स में एटर्नल, श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। व्यापक बाजार पर भी मंदी का असर साफ दिखा; निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग 0.63 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। इस कारण सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर बंद हुआ।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

सोना करीब 600 टूटा, चांदी 1,300 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में आए तेज उछाल का असर अब सोने-चांदी के बाजारों पर दिख रहा है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) द्वारा मौद्रिक नीति को और सख्त किए जाने की बढ़ती आशंकाओं के चलते शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। फेडरल रिजर्व के कड़े रुख अपनाने की संभावनाओं ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने-चांदी से दूर कर दिया है। ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोना हल्की बढ़त के साथ खुला जरूर, लेकिन बाद में यह लुढ़क गया और खबर लिखे जाने तक 19.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,031.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 0.52 डॉलर की कमजोरी के साथ 57.53 डॉलर प्रति औंस पर थी। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट देखी गई। सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 591 रुपए की गिरावट के साथ 1,42,230 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध 1,312 रुपए की बड़ी गिरावट के साथ 2,18,063 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गया। यह गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण वैश्विक महंगाई और ब्याज दरों में वृद्धि की चिंताओं को दर्शाती है।

नेस्ले का भारत पर भरोसा कायम, दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली।

स्विट्जरलैंड की खाद्य एवं पेय क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नेस्ले एसए के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा है कि भारत कंपनी के लिए विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन बना रहेगा। कर ढांचे में बदलाव से मिलने वाला लाभ तीसरी तिमाही से कम होने लगेगा, इसके बावजूद भारतीय बाजार में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। नेस्ले की आय संबंधी जानकारी साझा करते हुए नावराटिल ने भारत के बेहद मजबूत प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय उत्पादों की बेहतर उपलब्धता, मजबूत वितरण नेटवर्क और प्रभावी ब्रांड समर्थन को दिया। सीईओ ने स्वीकार किया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलावों से मिला अतिरिक्त लाभ तीसरी तिमाही से समाप्त हो जाएगा। इसके बावजूद, नावराटिल ने भारत से अभी भी दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद जताई। नेस्ले की आय रिपोर्ट के अनुसार, भारत जिस एशिया, ओशिनिया एवं अफ्रीका (एओए) क्षेत्र का हिस्सा है, उसने 2026 की दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत की जैविक वृद्धि दर्ज की। इस क्षेत्र में सभी प्रमुख श्रेणियों में व्यापक वृद्धि देखी गई।

कैलिबर माइनिंग का शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली।

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 424 रुपये के मुकाबले लगभग 19 प्रतिशत बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 18.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 504 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 19.75 प्रतिशत चढ़कर 507.75 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 17.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 500.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 3,178.90 करोड़ रुपये रहा।

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 146.64 गुना अभिदान मिला था।आईपीओ 400 करोड़ रुपये के नए शेयर और 50 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण था। इसके लिए 402-424 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।वर्ष 2014 में गठित कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स एकीकृत खनन सेवा प्रदाता कंपनी है। इसकी अपनी कोई खदान नहीं है लेकिन यह अपने ग्राहकों को खनन और लॉजिस्टिक्स सेवाएं देती है।

सोना कॉमस्टार की अगले 10 साल में 10 गुना कारोबार बढ़ाने की तैयारी

कंपनी ने पिछली तिमाही में 54 फीसदी राजस्व वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली।

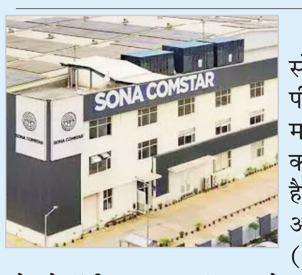

ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी दिग्गज सोना कॉमस्टार ने अपनी अगली पीढ़ी की वृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी रणनीति, सोना कॉमस्टार 2.0 का अनावरण किया है। कंपनी ने रोबोटिक्स, फिजिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई मोबिलिटी टेक्नोलॉजी पर बड़ा दांव लगाते हुए संकेत दिया है कि वह अगले दशक में अपनी आय में 10 गुना वृद्धि दोहराना चाहती है। जैविक विस्तार और अधिग्रहण के माध्यम से नए उत्पाद वर्टिकल का तेजी से विकास, पूर्वी बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करना, और विद्युतीकरण के साथ-साथ इंटेलिजेंट व कनेक्टेड सिस्टम को एक दीर्घकालिक तकनीकी स्तंभ के रूप में विकसित करना। इस योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक नए रोबोटिक्स एवं फिजिकल एआई वर्टिकल की शुरुआत है। कंपनी ने पिछले दशक में अपनी आय में दस गुना वृद्धि हासिल की थी।वित्त वर्ष 2025 में 3,555 करोड़ रुपये की आय के साथ, कंपनी का अनुमान है कि वह अगले दशक में 35,000 करोड़ रुपये तक का कारोबार कर सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए मजबूत समेकित नतीजे घोषित किए, जिसमें राजस्व सालाना आधार पर 54 प्रतिशत बढ़कर 1,310 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 181 करोड़ रुपये रहा। बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल से होने वाला राजस्व 107 प्रतिशत बढ़कर दोगुना हो गया।

त्योहारी सीजन में मर्सिडीज-बेंज की रिकॉर्ड बिक्री उम्मीद

लगभग 2,000 ऑर्डर लंबित, ईवी की बिक्री में 14 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज त्योहारी सीजन में धमाकेदार बिक्री की उम्मीद कर रही है, जिससे वह अपने सर्वश्रेष्ठ वर्ष की ओर बढ़ रही है। मजबूत ऑर्डर बुक और लगातार मांग के दम पर, कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में मर्सिडीज-बेंज के पास ग्राहकों के 2,000 ऑर्डर लंबित हैं। हाल ही में लॉन्च हुई सीएलए इस साल के अंत तक बुक हो चुकी है, जबकि ईक्यूएस एसयूवी के लिए तीन-चार महीने का इंतजार है। कंपनी के एक अधिकारी बताया कि कंपनी किसी एक इंजन तकनीक पर केंद्रित नहीं है; ग्राहकों को पेट्रोल, डीजल, बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (पीएचईवी) जैसे सभी विकल्प उपलब्ध हैं। कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत है। पीएचईवी उन ग्राहकों के लिए अतिरिक्त विकल्प है जो इलेक्ट्रिक अनुभव चाहते हैं पर चार्जिंग की सीमाएं हैं। यह तकनीक पसंद पर आधारित रहेगी, पूरे पोर्टफोलियो में नहीं। पुर्जों का स्थानीयकरण मात्रा पर निर्भर करेगा।

कच्चा तेल मई के बाद पहली बार 100 डॉलर के पार

पश्चिम एशिया की आग, तेल में उबाल, दुनिया पर महंगाई का संकट गहराया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता ने वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसका सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया है, जो दुनिया भर में महंगाई और आर्थिक मंदी के नए जोखिम खड़े कर रहा है। शुक्रवार सुबह के कारोबार में ब्रेंट क्रूड का सितंबर वायदा भाव 100.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 91.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। कच्चे तेल की कीमतों में इस जबरदस्त उछाल की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में गहराता सैन्य तनाव है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है, जिसके जवाब में यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में तेल टैंकरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। यह वही महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जिसका उपयोग सऊदी अरब सहित कई प्रमुख तेल उत्पादक देश निर्यात के लिए करते हैं। कुछ समय पहले अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम की उम्मीदों ने तेल की कीमतों को नीचे लाया था, लेकिन अब बातचीत की संभावना कमजोर पड़ गई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी साफ कर दिया है कि ईरान का नेतृत्व फिलहाल किसी समझौते के लिए तैयार नहीं है। यदि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं, जिससे होम लोन, कार लोन और अन्य कर्ज महंगे बने रहेंगे। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने लगातार चार बैठकों में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श ने भी महंगाई पर कड़ी निगरानी रखने का संकेत दिया है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है। ब्रेंट क्रूड का 100 डॉलर के आसपास या उससे ऊपर बना रहना भारत के लिए चुनौती खड़ी करेगा। इससे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं, आयात बिल में वृद्धि होगी, रुपये पर दबाव आएगा और समग्र महंगाई बढ़ने का जोखिम पैदा होगा। निवेशकों की नजर अब पश्चिम एशिया की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों की भावी चाल पर टिकी रहेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 331, निफ्टी 102 अंक गिरा

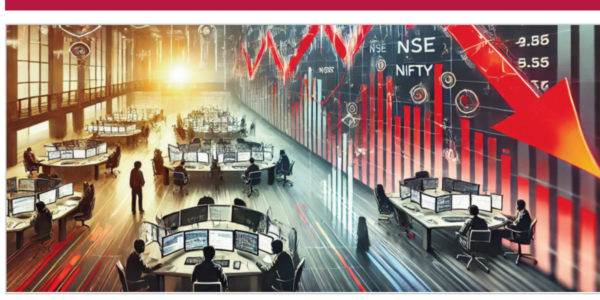

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में आये उछाल और अमेरिका के भारत से खरीदे जाने वाले सामान पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 331.62 अंक नीचे आकर 76,059.77 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 102.15 अंक गिरकर 23,767.45 अंक पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो पूरे सप्ताह ही बाजार में गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और सन फार्मा के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, एचसीएल टेक, आईटीसी, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, मारुति, रिलायंस, टीसीएस और कोटक बैंक के शेयरों में बढ़त आई।

आज निफ्टी मेंबजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप के शेयरों में भी गिरावट रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी ऑटो में 1 फीसदी की गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन भी कमजोर रहा जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला।

भारत का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल श्रीलंका का दौरा करेगा

व्यापार और निवेश साझेदारी को मिलेगी गति

कोलंबो

। भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी) का 30 सदस्यीय उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल व्यापार, निवेश और कारोबारी साझेदारी की नई संभावनाओं की तलाश में श्रीलंका का दौरा करेगा। श्रीलंका के समकक्ष संगठन, सीलोन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रतिभागियों के लिए 28 जुलाई को एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने का मंच मिलेगा। यह प्रतिनिधिमंडल विनिर्माण, निर्माण, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, अक्षय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात-आयात जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े सदस्यों को सम्मिलित करता है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत श्रीलंका के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों और निवेश स्रोतों में से एक है, और इसका उद्देश्य सीमा-पार कारोबारी संबंधों को मजबूती प्रदान करना है। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत परंपरागत रूप से श्रीलंका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है।

एप्पल आईफोन 17 और आईफोन 17 प्रो के बढ़ सकते हैं दाम

मुंबई। अब एप्पल के लोकप्रिय आईफोन खरीदने के लिए ग्राहकों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ सकती है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, टेक दिग्गज एप्पल अपने आईफोन 17 और आईफोन 17 प्रो सीरीज के स्मार्टफोन की कीमतों में जल्द ही इजाफा कर सकती है। यह कदम तब उठाया जा रहा है जब सैमसंग सहित कई अन्य चाइनीज ब्रांड पहले ही अपने स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ा चुके हैं, और एप्पल खुद भी अपने आईपैड और मैकबुक की कीमतों में वृद्धि कर चुका है।

एक रिपोर्ट दावा किया गया है कि एप्पल अपने आईफोन की कीमतों में करीब 15 प्रतिशत तक का इजाफा कर सकता है। रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि इस बढ़ोतरी के बाद, बीते साल 82,900 रुपये में बिकने वाला द्धद्धश्ठट्ट 17 (256जीबी) अब करीब 94,900 रुपये का हो सकता है, जिसका मतलब है सीधे 12 हजार रुपये की वृद्धि। इस तरह, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स मॉडल की कीमतों में भी समान बढ़ोतरी की उम्मीद है। हालांकि, एप्पल की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। कंपनी लंबे समय से महंगे होते कंपोनेंट और चिप के बढ़ते दामों का सामना कर रही है, जिसकी वजह से वह अपने लाभ मार्जिन को बनाए रखने के लिए यह कदम उठा रहा है। एप्पल ने बीते सप्ताह ही अपने मैकबुक और आईपैड की कीमतों में 20 से 42 प्रतिशत तक का इजाफा किया था, लेकिन तब आईफोन की कीमतों को इससे बाहर रखा गया था। कंपनी ने हाल ही में जापान में भी आईफोन की कीमतों में करीब 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

आरबीआई की रियायती विंडो से पहले बैंकों की डॉलर बॉन्ड जारी करने की तैयारी

फेडरल बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) भी इस दौड़ में शामिल

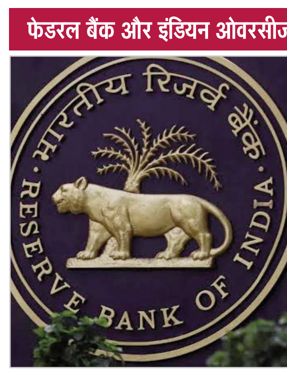

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रदान की गई रियायती स्वैप विंडो के दिसंबर में समाप्त होने से पहले कई प्रमुख भारतीय बैंक डॉलर बॉन्ड जारी करने की तैयारी में हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कम हेजिंग लागत का लाभ उठाना है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) सहित कई बड़े ऋणदाता विदेशी बाजारों से पूंजी जुटाने की योजना बना रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक भी इस मामले पर विचार कर रहा है। आरबीआई की यह सुविधा पात्र विदेशी मुद्रा बॉन्ड (ओएफसीबी) और बाहरी कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबी) पर हेजिंग लागत का 1.5 प्रतिशत तक का हिस्सा कवर करती है, जिसके तहत केंद्रीय बैंक ने पहले ही 3.3 अरब डॉलर की फंडिंग में मदद की है। फेडरल बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) भी इस दौड़ में शामिल हैं। हालांकि, पहले एचडीएफसी बैंक और एसबीआई जैसे बड़े बैंकों द्वारा डॉलर बॉन्ड जारी करने से बाजार में एक सुस्ती देखी गई थी। निवेशकों को भारी आपूर्ति की आशंका थी, जिससे क्रेडिट स्प्रेड में वृद्धि हुई और फंडिंग की लागत कम आकर्षक हो गई। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और बॉन्ड स्प्रेड जैसे कारकों को रियायती सुविधा में शामिल न होने के कारण, रुपये में फंडिंग की प्रभावी लागत घरेलू उधार के समान ही थी। बाजार के जानकारों के अनुसार, जून तिमाही के नतीजों से पहले कई बैंकों का साइलेंट पीरियड में होना भी एक कारण था।

अब अधिकांश निजी बैंक अपने नतीजे घोषित कर चुके हैं और विदेशी बॉन्ड बाजार में उतरने के लिए तैयार हैं। वे बॉन्ड जारी करने के समय और लागत पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहे हैं, ताकि विदेशी पूंजी घरेलू उधार से अधिक लाभदायक रहे। जुटाई गई धनराशि का उपयोग मुख्यतः बैंकों की बैलेंस शीट के जरिए एनआरआई जमाकर्ताओं को लिवरेज सुविधा प्रदान करने के लिए किया जाएगा। एचडीएफसी बैंक पहले ही जून में 75 करोड़ डॉलर जुटा चुका है और एक और बार फंड जुटाने पर विचार कर रहा है।

ओरिएंट सीमेंट का पहली तिमाही का मुनाफा 62.4 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड का मुनाफा सालाना आधार पर 62.4 प्रतिशत घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 205 करोड़ रुपये था। अदाणी समूह की अंबुजा सीमेंट्स की अनुषंगी कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 30.25 प्रतिशत घटकर 604 करोड़ रुपये रह गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 866 करोड़ रुपये थी। ओरिएंट सीमेंट का कुल खर्च भी 30.11 प्रतिशत घटकर 506 करोड़ रुपये रह गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 724 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी एक अलग सूचना में बताया कि उसने वेना एनर्जी केएन विंड पावर प्राइवेट लिमिटेड में 9.04 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। इस 12,34,350 रुपये के सौदे में शेयर और संचयी परिवर्तनीय तरजीही शेयर शामिल हैं।कंपनी ने बताया कि प्रस्तावित अधिग्रहण 31 अगस्त, 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

अमेरिका ने 60 देशों पर लगाया मजदूरी शुल्क-भारत समेत 17 पर 10 फीसदी बोझ

ट्रंप प्रशासन का ट्रेड एक्ट 301 के तहत बड़ा कदम

नई दिल्ली। अमेरिका ने जबरन मजदूरी से तैयार किए गए सामान के उत्पादन पर रोक लगाने के प्रयासों के तहत भारत सहित 60 देशों पर नए आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। शुक्रवार मध्यरात्रि से प्रभावी हुए इन शुल्कों के तहत, भारत समेत 17 देशों पर 10 फीसदी और शेष 43 देशों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। भारत को अपनी विदेश व्यापार नीति में संशोधन कर जबरन मजदूरी वाले सामान के आयात पर प्रतिबंध लगाने के कारण कम शुल्क वर्ग में रखा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत यह अंतिम कार्रवाई की है। 60 देशों में से 17 अर्थव्यवस्थाएं, जिनमें भारत, कनाडा, ब्रिटेन, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल हैं, उन पर 10 फीसदी शुल्क लागू होगा। अमेरिकी प्रशासन ने स्वीकार किया है कि इन देशों ने जबरन मजदूरी से बने सामान के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में कदम उठाए हैं। विशेष रूप से, भारत ने अपनी नीति में बदलाव कर ऐसे सामानों के आयात पर प्रतिबंध लगाया, जिससे उसे प्रस्तावित 12.5 फीसदी के बजाय 10 फीसदी शुल्क के दायरे में रखा गया। वहीं चीन और जापान जैसे 43 देश उन पर 12.5 फीसदी शुल्क का सामना करेंगे, क्योंकि वे जबरन मजदूरी से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहे हैं।

अब रसोई में भी इथेनॉल, एलपीजी पर निर्भरता घटाने की तैयारी

स्वच्छ ईंधन से ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और किसानों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण (ई20) की सफलता के बाद केंद्र सरकार अब घरेलू रसोई के लिए इथेनॉल-आधारित कुकिंग फ्यूल का विकल्प लाने पर विचार कर रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय इस नीति पर काम कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य एलपीजी आयात पर निर्भरता कम करना और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करना है। सरकार मानती है कि इथेनॉल एक स्वच्छ जैव ईंधन है, जो कार्बन उत्सर्जन घटाएगा। इसकी बढ़ती मांग से गन्ना व अन्य फसलों से जुड़े किसानों को लाभ मिलेगा और घरेलू ईंधन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, यह योजना अभी शुरुआती चरण में है। मंत्रालय को इथेनॉल स्टोव, आपूर्ति प्रणाली, सुरक्षा मानक और आम उपभोक्ता तक पहुंच जैसे कई पहलुओं पर काम करना बाकी है। सुरक्षित व सुविधाजनक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नीति लागू करने से पहले गहन तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि पेट्रोल में ई20 से अधिक इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने पर अभी कोई नया फैसला नहीं लिया गया है।

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

ललित गर्ग

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ एवं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे धरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उतावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना।

जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ एवं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

संपादकीय

खतरे में दिल

अब वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि हृदय रोग व्यक्ति को बुढ़ापे में ही गिरफ्त में लेता है। हाल के दिनों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। निश्चय ही यह स्थिति इस क्षेत्र में बीमारियों के बदलते पैटर्न की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली-ईसीजी नेटवर्क ने यह दशार्या है कि शुरूआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिक जानें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है। जिसमें शारीरिक सक्रियता में आई लगातार कमी का भी बड़ा रोल है। वहीं कसरत व खेल गतिविधियों में कमी, प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन, तंबाकू व नशीले पदार्थों की लत, व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक रहने वाला तनाव, पर्याप्त नींद न लेना और कम उम्र में ही मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से मिलकर एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आज बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जो लंबी सिटिंग में पढ़ाई करते हैं, कार्यस्थल पर लगातार काम करते हैं व स्क्रीन पर लगातार घंटों बिताते हैं। वे शारीरिक सक्रियता, कसरत,योग व मनोरंजन के लिये बहुत कम समय दे पाते हैं। वहीं पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी का तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाला मानसिक तनाव दिल की बीमारियों के खतरे को और अधिक बढ़ा देता है। लेकिन आम लोग इस तनाव व उच्च रक्तचाप आदि को गंभीरता से नहीं लेते। विडंबना यह है कि हम उन तमाम शुरूआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो दिल की बीमारियों की आहट देते हैं। इन लक्षणों में शामिल सांस का फूलना, अत्यधिक थकान व सीने का दर्द तक की अनदेखी कर दी जाती है। समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि दिल की बीमारी तो बुजुर्गों का रोग होता है। सही मायने में आज समाज में उपचार से पहले व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में अस्पतालों के जरिये पब्लिक हेल्थ सिस्टम को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु दंड, एक नई बहस का जन्म

निखिल भट्ट

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक अत्यंत तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़ा हालिया विवाद ईमानदारी के पतन की पराकाष्ठा को दशार्ता है उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सब्र के घड़े के टूटने जैसा है। जो समाज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह में चोरी से विचलित ना हो उसे भला कोई क्या शर्म दिला सकता है। भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इस कदर सामान्य हो चुका है कि जब तक कोई पकड़ न जाए तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग में देश की स्थिति भी समाज को लज्जित नहीं करती यदि सरकार भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रति गंभीर है तो भ्रष्टाचार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए।

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की इस टिप्पणी में एक नई बहस को जन्म दिया है इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में भ्रष्टाचार पूरे शासन, प्रशासन और समाज में व्याप्त हो चुका है ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो किसी भी सरकारी विभाग में तब तक काम नहीं होता जब तक संबंधित अधिकारियों की जेबें गर्म नहीं की जाती और यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो उसकी चप्पलें अपने काम के लिए चक्कर लगा लगा कर घिस जाती है इन परिस्थितियों में वह मजबूर होकर भ्रष्टाचार को अपनाता है और देखते ही देखते उसका काम मिनिटों में हो जाता है। अक्सर हम समाचार पत्रों में ये पढ़ते हैं कि अमुक अधिकारी के यहां करोड़ों की संपत्ति मिली या किसी नेता की काली कमाई का पता चला यहां तक कि महिला अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में आतंक डूब गई हैं जबकि ये माना जाता था कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती है लेकिन जब वे सिस्टम में आती है तो फिर उन्हें भी सिस्टम का हिस्सा बनना ही पड़ता है। छोटे से छोटे नेता से लेकर बड़े से बड़े नेता तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगाते नजर आते हैं अक्सर ये देखा जाता है कि जो लोग रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं वे बाद में रिश्वत देखकर छूट भी जाते हैं भ्रष्टाचार ने हमारे समाज को इतना भ्रष्ट कर दिया है कि अब लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है। किसी जमाने में यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था तो उसका सामाजिक बहिष्कार होता था लेकिन आज की तारीख में आए दिन इस तरह की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती है जब भ्रष्टाचार के आरोप में लोगों को रंगे हाथ पकड़ा जाता है लेकिन उनके प्रति समाज में किसी प्रकार की कोई असम्मान की भावना नहीं उपजती क्योंकि समाज में रह रहे लोगों को भी यह एक साधारण सी बात लगने लगी है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकारी नारों में इस बात का उल्लेख होता है सरकार के मुखिया और बड़े-बड़े नेता ये कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति है लेकिन उनकी नाक के नीचे ही जबरदस्त भ्रष्टाचार चलता रहता है। हाल ही में एक अधिकारी को जब रिश्वत लेते पकड़ा गया तो उसने खुले आम एक वीडियो बनाकर कहा कि मैं अकेला दोषी कहां हूं ये पैसा तो ऊपर तक जाता है उसका ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ लेकिन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की क्योंकि उन्होंने इसे नियति ही मान लिया है।

न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने भ्रष्टाचार के मामले में मृत्यु दंड के प्रावधान करने पर विचार करने की बात कही है वर्तमान में भारत में मृत्युदंड केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही दिया जाता है। यह सजा केवल उन जघन्य अपराधियों को मिलती है, जिन्होंने अत्यंत क्रूरता से हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या, या राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध जैसे हालात पैदा किए हों मृत्युदंड को भी लेकर तमाम नियम कायदे है मृत्युदंड की सजा जब सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई जाती है, इसे लागू करने से पहले संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी अनिवार्य होती है। दोषी व्यक्ति के पास सजा को चुनौती देने और सुप्रीम कोर्ट तक अपील करने का पूरा अधिकार भी होता है।सजा की पुष्टि हो जाने के बाद, अपराधी के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प होता है।हाल के वर्षों में निचली अदालतों द्वारा मौत की सजाएं सुनाई गई हैं, लेकिन उच्च स्तर पर इनकी लंबी कानूनी समीक्षा और अपील प्रक्रिया चलती रहती है।...

आतंकवाद का बदलता चेहरा और भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

कांतिलाल मांडोत

सोशल मीडिया से ब्रेनवॉश और क्रिप्टो फंडिंग तक आतंक का नया जाल, लेकिन सतर्क सुरक्षा एजेंसियां हर साजिश को कर रही हैं नाकाम...

आतंकवाद का स्वरूप समय के साथ लगातार बदलता रहा है। कभी सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण इसके प्रमुख साधन हुआ करते थे, लेकिन तकनीक के विस्तार ने आतंकवादी संगठनों को नए रास्ते उपलब्ध करा दिए हैं। अब आतंक का नेटवर्क बंदूक और बारूद से कहीं अधिक मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टोकरेंसी के सहारे संचालित हो रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हालिया कार्रवाई और विभिन्न मामलों में दायर आरोपपत्रों ने इस बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर सामने रखी है। जांच से यह संकेत मिला है कि आतंकवादी संगठन अब एक सुनियोजित थ्री-एप मॉडल के माध्यम से युवाओं को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। पहले सोशल मीडिया के जरिए संपर्क स्थापित किया जाता है, फिर एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर वैचारिक कट्टरता फैलाकर ब्रेनवॉश किया जाता है और अंत में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

यह नया मॉडल केवल तकनीकी बदलाव नहीं है बल्कि आतंकवाद की रणनीति में आया बड़ा परिवर्तन भी है। पहले आतंकवादी संगठनों को भर्ती और संपर्क के लिए भौतिक नेटवर्क की आवश्यकता होती थी, जबकि अब इंटरनेट ने दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति तक उनकी पहुंच आसान बना दी है। सोशल मीडिया पर सामान्य धार्मिक या वैचारिक सामग्री के माध्यम से युवाओं का विश्वास जीतने का प्रयास किया जाता है। धीरे-धीरे उन्हें बंद समूहों में जोड़ा जाता है जहां उग्र और हिंसक विचारधारा से परिचित कराया जाता है। इसके बाद हथियारों, विस्फोटकों और आतंकी गतिविधियों से संबंधित सामग्री साझा कर उन्हें हिंसा के रास्ते पर धकेलने की कोशिश की जाती है।

एनआईए की जांच में सामने आए विभिन्न मॉड्यूल इस नए खतरे की गंभीरता को दशार्ते हैं। तमिलनाडु में ऐसे समूहों का पता चला जिनमें सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया। विजयवाड़ा से जुड़े मामले में विदेशी हैंडलरों के संपर्क, भारत में कट्टरपंथ फैलाने और प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने जैसी योजनाओं का खुलासा हुआ। मंगलुरु मॉड्यूल में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्फोटक बनाने की जानकारी और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात सामने आई। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आतंकवादी संगठन अब पारंपरिक नेटवर्क से अधिक डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं।

इन मॉड्यूल का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि इनके निशाने पर 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के पढ़े-लिखे युवा हैं। यह वर्ग इंटरनेट और सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग करता है। आतंकवादी संगठन इसी मनोविज्ञान का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। वे पहले धार्मिक, सामाजिक या भावनात्मक विषयों पर चर्चा के बहाने संपर्क स्थापित करते हैं और धीरे-धीरे युवाओं को कट्टर विचारधारा की ओर मोड़ते हैं। कई बार यह पूरी प्रक्रिया इतनी सुनियोजित होती है कि व्यक्ति को स्वयं यह एहसास भी नहीं होता कि वह किस प्रकार एक खतरनाक नेटवर्क का हिस्सा बनता जा रहा है।

तकनीक के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी आतंकवाद के लिए नई चुनौती बनकर उभर रहा है। फर्जी वीडियो, परिवर्तित आवाज, नकली पहचान और स्वचालित संदेशों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जाती है। एन्क्रिप्टेड संचार के कारण जांच एजेंसियों के लिए इन नेटवर्क तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो जाता है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाला लेन-देन पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग होने के कारण इसकी निगरानी भी चुनौतीपूर्ण रहती है। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि साइबर सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी विषय बन चुका है।

हालांकि इन चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की सतर्कता लगातार मजबूत हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, विभिन्न राज्यों की आतंकवाद निरोधी इकाइयां, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। देशभर में लगातार छापेमारी, संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों की निगरानी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान और समय रहते कार्रवाई के कारण अनेक साजिशों को विफल किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवादी संगठन चाहे जितनी नई तकनीक अपनाएं, भारतीय सुरक्षा तंत्र भी उसी गति से अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दृढ़ता के साथ लागू किया है। इस नीति का मूल उद्देश्य यह है कि आतंकवाद के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए। चाहे सीमा पार से संचालित नेटवर्क हों, देश के भीतर सक्रिय मॉड्यूल हों या आर्थिक सहायता पहुंचाने वाले तंत्र, सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। यही कारण है कि अनेक आतंकी संगठन आज पहले की तुलना में काफी कमजोर पड़े हैं। उनके पारंपरिक नेटवर्क लगातार ध्वस्त हुए हैं और उन्हें नए-नए तरीके अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

यह भी सच है कि आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए लगातार नए रास्ते खोज रहे हैं। कभी सोशल मीडिया, कभी एन्क्रिप्टेड एप, कभी क्रिप्टोकरेंसी और कभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेकर वे अपनी मौजूदगी बनाए रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन दूसरी ओर भारत की खुफिया और जांच एजेंसियां भी समान रूप से सजग हैं। वर्षों के अनुभव, आधुनिक तकनीक और मजबूत समन्वय के कारण वे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हुई हैं। अनुभवी अधिकारी व्यवहार, डिजिटल गतिविधियों और संदिग्ध संपर्कों का विश्लेषण कर समय रहते खतरे का आकलन कर लेते हैं। यही सतर्कता अनेक संभावित घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोक देती है।

आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष केवल सुरक्षा एजेंसियों का दायित्व नहीं है बल्कि समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार, शिक्षण संस्थान, धार्मिक संगठन और सामाजिक संस्थाएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। डिजिटल साक्षरता, तथ्य आधारित सोच और अफवाहों से बचने की आदत विकसित करना आज की आवश्यकता है। यदि समाज जागरूक रहेगा तो आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भ्रमित करना कठिन हो जाएगा। भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह आतंकवाद के किसी भी रूप को स्वीकार नहीं करेगा। सीमा पर कठोर सुरक्षा व्यवस्था, देश के भीतर मजबूत जांच तंत्र, आधुनिक तकनीक का उपयोग और जीरो टॉलरेंस की नीति ने आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को लगातार सीमित किया है। यदि कोई आतंकी नेटवर्क भूमिगत होकर छिपने का प्रयास भी करता है तो सुरक्षा एजेंसियां उसे खोज निकालने और कानून के दायरे में लाने के लिए निरंतर सक्रिय रहती हैं। यही दृढ़ इच्छाशक्ति भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

आतंकवाद का स्वरूप चाहे कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, उसका उद्देश्य समाज में भय, अस्थिरता और विभाजन पैदा करना ही होता है। इसके मुकाबले के लिए केवल हथियार नहीं बल्कि तकनीकी दक्षता, मजबूत खुफिया तंत्र, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता होती है। भारत ने इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आतंकवाद का नया डिजिटल मॉडल भी भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के सामने लंबे समय तक सफल नहीं हो पाएगा। जीरो टॉलरेंस की नीति, सतर्क सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता और जागरूक नागरिकों के सहयोग से आतंकवाद के हर नए रूप का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। यही राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई मां ने एक साथ चार जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की 34 वर्षीय जेनिथार सौ नाअमोआना ने क्वींसलैंड के रॉयल ब्रिस्बेन एंड विमेंस हॉस्पिटल में एक साथ चार समान जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। यह एक अत्यंत दुर्लभ प्राकृतिक गर्भावस्था थी, जिसमें एक ही निषेचित अंडाणु चार भागों में विभाजित हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार स्वाभाविक रूप से ऐसी स्थिति बनने की संभावना 1.5 करोड़ में से 1 होती है और ऑस्ट्रेलिया में ऐसा पहली बार हुआ है। महिला के पहले से चार बच्चे हैं। डॉक्टरों की देखरेख में 14 जुलाई को सिजेरियन डिलीवरी के जरिये बच्चियों का जन्म हुआ।

चीनी रक्षा अताशे ने 12 नागरिकों को बचाने के लिए भारतीय सेना का जताया आभार

बीजिंग, एजेंसी। भारत में चीन के नए रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने मंगलवार को चीनी सेना (पीएलए) की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पिछले साल जून में केरल तट के पास विस्फोट के बाद मालवाहक जहाज से 12 चीनी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच सैन्य जुड़ाव, संचार और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। जियान ने कहा कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं। दोनों देशों के साझा हित उनके मतभेदों से कहीं अधिक बड़े हैं।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 4 तालिबानी लड़ाकों को मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक खुफिया-आधारित अभियान के दौरान तहरीक-ए-तालिबान के चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस के अनुसार, इलाके में उग्रवादियों की मौजूदगी की सटीक जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई थी। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच लगभग एक घंटे से अधिक समय तक रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और इलाके में छिपे अन्य आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

भारत से पहली सीधी मालगाड़ी पहुंची नेपाल, द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगी रफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल व्यापार के लिए ऐतिहासिक कदम के तहत कैनोला दानों से लदी मालगाड़ी पहली बार 20 जुलाई को कोलकाता पोर्ट से विराटनगर स्थित नेपाल कस्टम्स यार्ड पहुंची। 40 वैगन वाली यह मालगाड़ी जोगबनी स्थित भारतीय सीमा शुल्क यार्ड के रास्ते पहुंची। नवंबर 2025 में संशोधित भारत-नेपाल पारगमन संधि के बाद इस रेल गलियारे का यह पहला व्यावसायिक उपयोग है। ज्ञात हो कि जोगबनी-विराटनगर ब्रॉडगेज रेल लिंक का उद्घाटन 1 जून 2023 को पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन नेपाली पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। भारत से सहायता प्राप्त इस परियोजना से रसद लागत घटेगी और कोलकाता व विशाखापत्तनम बंदरगाहों से माल सीधे नेपाल पहुंचेगा।

नाइजीरिया में स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में हैजा का प्रकोप, बोर्नी राज्य में 200 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। स्वच्छ पानी और पर्याप्त सफाई व स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में नाइजीरिया के पूर्वोत्तर राज्य बोर्नी में पिछले दो महीनों में हैजा के प्रकोप में लगभग 200 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा मानवीय संगठन डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडिसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स-एमएसएफ भी कहते हैं) ने दी है। बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी एक बयान में एमएसएफ ने बीमारी के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि चल रहे राहत प्रयासों के बावजूद यह बीमारी स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी पड़ सकती है। एमएसएफ ने बोर्नी राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 12 जुलाई तक राज्य में कम से कम 198 लोगों की मौत हो चुकी थी और 35,500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए थे। संगठन ने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों और मानवीय सहायता भागीदारों के साथ मिलकर काम करते हुए उसने 12 जुलाई तक हैजा के संदिग्ध 24,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, संगठन ने प्रभावित समुदायों में स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की अपर्याप्त उपलब्धता को बीमारी के लगातार फैलने का कारण बताया। अप्रैल में नाइजीरिया के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भारी बारिश और बाढ़ से जुड़े हैजा के प्रकोप के खतरे को देखते हुए 10 राज्यों को उच्च सतर्कता पर रखा था।

फ्रांस में कीटनाशक पर बैन हटा, पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

कहा- मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली- किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बिल के दो प्रावधानों से सबसे ज्यादा विवाद : 1. कीटनाशकों की मंजूरीः प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना। इसका इस्तेमाल चुकंदर, सेब और चेरी की खेती में किया जा सकेगा।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे मधुमक्खियों की संख्या तेजी से घटेगी जिससे परागण पर असर पड़ेगा। इससे किसानों की पैदावार और आय पर उल्टा असर पड़ेगा।

2. पानी जमा करने की इजाजतः किसानों को सिंचाई के लिए बड़े जलाशय या कृत्रिम तालाब बनाने की अनुमति आसानी से मिले।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि ये जलाशय भूजल और नदियों से बड़ी मात्रा में पानी भरते हैं। इससे गर्मियों में नदियों और भूजल का स्तर घट सकता है जिससे पारिस्थितिक तंत्र पर असर पड़ेगा।

आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधान : इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रूढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे पारित कराया जा सके। बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा, पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।

कीटनाशकों की मंजूरी के पीछे सरकार का तर्क : सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से खेती करना मुश्किल हो गया है। सरकार के मुताबिक अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है। फ्रांस की कृषि मंत्री एनी जेनेवार्ड ने बारबू के विरोध पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, 'अगर यह कानून विरोध या राजनीतिक कारणों से पास नहीं होता, तो पहले से मुश्किलों का सामना कर रहे किसान और ज्यादा संकट में आ जाते।'

पहले भी विवाद में रहा है यह कीटनाशक : एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन रसायन नियोनिकोटिनॉइड नाम के कीटनाशकों के समूह में आते हैं। यूरोपीय संघ के नियमों के तहत इनका इस्तेमाल कुछ शर्तों के साथ किया जा सकता है, लेकिन फ्रांस में इन पर फिलहाल प्रतिबंध है। एसेटामिप्रिड पर फ्रांस ने 2018 में प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि इसे मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए हानिकारक माना गया था।

एक साल पहले भी इस रसायन पर बैन हटाने की कोशिशें हुई थीं लेकिन फ्रांस की सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर खतरा पैदा हो सकता है। इस प्रस्ताव के खिलाफ 20 लाख से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर कर विरोध जताया था।

पाकिस्तान में पेट्रोल पंप मालिकों ने किया हड़ताल का ऐलान; जनता की बढ़ी मुश्किलें

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान में अब आम जनता के लिए पेट्रोल और डीजल की एक-एक बूंद मिलना मुश्किल हो सकता है। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को लेकर एक ऐसा फैसला किया है, जिसने देश भर के पेट्रोल पंप मालिकों को नाराज कर दिया है। तेल और गैस नियामक प्राधिकरण ने घोषणा की है कि अब पेट्रोल और डीजल की कीमतें हर सात दिन के बजाय रोजाना आधार पर तय की जाएंगी। सरकार के इस कदम के खिलाफ पेट्रोल पंप मालिकों ने मोर्चा खोलते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल और धरने पर जाने का ऐलान कर दिया है।

पेट्रोलियम मामलों के संघीय मंत्री अली परवेज मलिक ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद अब ओ जी आर ए हर दिन तेल की कीमतें निर्धारित करेगा। इन नई कीमतों को रोजाना प्राधिकरण की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, 22 जुलाई को पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 320.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 367.21 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है। ईरान-अमेरिका तनाव का पड़ा सीधा असर पाकिस्तान सरकार ने इस नीतिगत बदलाव के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय मंत्री अली परवेज मलिक के अनुसार, पिछले कुछ समय से ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसी अनिश्चितता को देखते हुए सरकार ने दैनिक आधार पर कीमतें जारी करने का फैसला लिया है, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का सही आकलन हो सके। जनता पर पड़ेगा तत्काल प्रभाव सरकार का बताया कि इस फैसले से पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता आएगी। सूचना मंत्री अट्टा तारार के अनुसार, पहले वैश्विक बाजार में कीमतों में होने वाली गिरावट का फायदा जनता तक पहुंचने में एक हफ्ते का समय लगता था। अब यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होती हैं, तो उसका लाभ तुरंत उपभोक्ताओं को मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा है कि इस व्यवस्था को लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि कीमतों में वृद्धि का प्रभाव भी जनता पर तत्काल पड़ेगा।

भारत के सामने झुके नेपाल के प्रधानमंत्री ! बालेन शाह ने भारतीय राजदूत को मिलने के लिए बुलाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने विदेशी राजनयिकों से अकेले मुलाकात नहीं करने का नियम बनाया था। अब खबर है कि वह इसी सप्ताह भारत और चीन के राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। इसे उनकी विदेश नीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के कार्यकाल को 100 दिन से थोड़ा अधिक समय हुआ है। इस दौरान उन्हें दो बड़े जनविरोधों का सामना करना पड़ा। पहला विरोध भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम ड्यूटी लागू करने को लेकर हुआ, जबकि दूसरा विरोध एक राइड-शेयर चालक की पुलिस कार्रवाई के खिलाफ आत्मदाह की घटना के बाद भड़का। घरेलू चुनौतियों के बीच अब उन्होंने विदेश नीति में भी नरमी दिखाई है। रिपोर्टों के अनुसार, बालेन शाह इस सप्ताह भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीन के राजदूत झांग माओमिंग से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि वह दोनों पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने का संदेश देना चाहते हैं। इसी वजह से दोनों मुलाकातें एक ही दिन करने की तैयारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने कहा था कि वह किसी भी विदेशी राजनयिक से अकेले मुलाकात नहीं करेंगे। इसी नीति के तहत उन्होंने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, चीन के उप वाणिज्य मंत्री और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग बैठक करने से इनकार कर दिया था। इसके बजाय उन्होंने सभी विदेशी राजदूतों के साथ केवल सामूहिक बैठक की थी। बालेन शाह की इस नई व्यवस्था की नेपाल के कूटनीतिक हलकों और मीडिया में काफी आलोचना हुई। कई पूर्व अधिकारियों और विदेश नीति विशेषज्ञों ने इसे स्थापित कूटनीतिक परंपराओं के खिलाफ बताया। वरिष्ठ पत्रकार केशव प्रधान ने कहा था कि भारत के विदेश सचिव और भारतीय राजदूत से अलग मुलाकात से इनकार करना नेपाल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। अब बालेन शाह का बदला रुख बताता है कि सरकार अपनी विदेश नीति में व्यावहारिक रास्ता अपनाने की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तान के कराची में एचआईवी का प्रकोप, 6 मासूमों की मौत, 94 बच्चे संक्रमित, दहशत में सिंध प्रांत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर कराची इस समय एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की चपेट में है। शहर के एक सरकारी अस्पताल में एचआईवी का भयानक प्रकोप सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर से अब तक इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की वजह से 6 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कुल 94 बच्चे संक्रमित पाए गए हैं।

नवंबर 2025 से शुरू हुआ मौतों का सिलसिला : सिंध प्रांत के स्वास्थ्य सचिव ताहिर हुसैन सांगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संक्रमण का यह सिलसिला नवंबर 2025 में कराची के कुलसूम बाई वालिका अस्पताल से शुरू हुआ था। यह अस्पताल 'सिंध एम्प्लॉइज सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन' द्वारा संचालित किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई आंतरिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि अस्पताल का रिकॉर्ड संक्रमण की भयावहता की पुष्टि करता है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल इस महीने में ही 16 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमित बच्चों की कुल संख्या बढ़कर 94 हो गई है।

आसपास के इलाकों में फैला संक्रमण : अस्पताल में बच्चों के संक्रमित होने की खबर मिलते ही सिंध स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर टेस्टिंग शुरू कर दी है। स्वास्थ्य सचिव के अनुसार, अस्पताल के निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 10,000 लोगों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 120 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। इन संक्रमितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। प्रशासन अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि संक्रमण का प्राथमिक स्रोत क्या है और यह इतनी तेजी से आबादी के बीच कैसे फैला।

पाकिस्तान में कैसे फैला एचआईवी : पाकिस्तान में HIV फैलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में भी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें एक ही सिरिंज को कई मरीजों पर इस्तेमाल करने के कारण 331 बच्चों में संक्रमण फैल गया था। जांच के दौरान अस्पताल कर्मियों द्वारा बिना स्टेराइल दस्ताने पहने इंजेक्शन लगाने और मल्टी-डोज वायल्स के साथ सिरिंज का पुनः उपयोग करने की तस्वीरें भी सामने आई थीं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि कराची के इस मामले के पीछे भी चिकित्सकीय लापरवाही और संक्रमित सुइयों का उपयोग एक बड़ी वजह हो सकता है। बढ़ते दबाव के बीच, सिंध सरकार ने सभी संक्रमित मरीजों के जीवन भर चलने वाले इलाज का खर्च उठाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य विभाग ने नामी डॉक्टरों की एक विशेष समिति का गठन किया है।

ईरान पर 12वीं रात भी बरसे अमेरिकी बम, सिरिक में जोरदार धमाके; ट्रंप ने बातचीत से किया साफ इनकार

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को लगातार 12वीं रात ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से दक्षिणी ईरान का सिरिक क्षेत्र दहल उठा है, जहां देर रात भीषण धमाकों की आवाजें सुनी गईं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि यह सैन्य कार्रवाई राष्ट्रपति और कमांडर-इन-चीफ के सीधे आदेश पर की गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह हवाई हमले बुधवार शाम करीब 5:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) शुरू किए गए। इस सैन्य ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य ईरान की उन क्षमताओं को नष्ट करना है, जिनसे वह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और आम नाविकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना ने मुख्य रूप से ईरान के एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज सेंटर, सैन्य ऑपरेशन्स मुख्यालय और समुद्री रसद बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर भारी क्षति पहुंचाई है।

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ता तनाव : अमेरिका का दावा है कि ये हमले ईरान को जवाब देने के लिए जरूरी थे। गौरतलब है कि मंगलवार को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर को निशाना बनाया था, जिसके बाद स्थिति और बिगड़ गई। इस जंग की तपिश अब पड़ोसी देशों तक भी पहुंच रही है। बहरीन और कुवैत जैसे देशों में मिसाइल हमलों की आशंका के चलते सायरन बजाकर अलर्ट जारी किया गया है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सिलसिला नहीं थमा, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और कच्चे तेल की सप्लाई चैन पर इसका विनाशकारी असर पड़ सकता है।

ट्रंप का कड़ा रुख : इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनकी ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत में कोई रुचि नहीं है। ट्रंप के हालिया बयानों ने दुनिया की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि उन्होंने संकेत दिया है कि अमेरिकी सेना जल्द ही ईरान के उन क्षेत्रों को भी निशाना बना सकती है जो परमाणु संवर्धन केंद्रों के करीब हैं। अमेरिका का स्पष्ट कहना है कि जब तक ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के लिए खतरा बना रहेगा, तब तक यह मिशन जारी रहेगा।

ईरान की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां : ईरान भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां दे रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में पूर्ण युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस समय शांति की अपील कर रहा है, लेकिन व्हाइट हाउस के तेवरों से लगता है कि अमेरिका ईरान की सैन्य शक्ति को पूरी तरह पंगु बनाने के मूड में है।

अमेरिकाः एरिजोना में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में भारतवंशी अमीश शाह जीते, अब किससे होगा मुकाबला?

फिनिक्स (एरिजोना), एजेंसी। भारतीय मूल के अमीश शाह ने बुधवार को एरिजोना के एक अहम कांग्रेस (संसद) क्षेत्र में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। यह काफी कड़ा मुकाबला था। शाह की जीत से डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी (डीसीसीसी) को झटका लगा है, क्योंकि उसने शाह के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का समर्थन किया था। यह नतीजा ऐसे समय आया है, जब ज्यादा से ज्यादा मतदाता वाशिंगटन में पार्टी नेताओं की पसंद को खारिज कर रहे हैं।

आपातकालीन चिकित्सक अमीश शाह अब आम चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली का सामना करेंगे। फीली नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के पूर्व खिलाड़ी हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्राइमरी चुनाव में उनका समर्थन किया था। राजनीति में विरोधी बनने से पहले फीली और शाह एक ही टीम न्यूयॉर्क जेट्स का हिस्सा थे। शाह टीम के किनारे तैनात डॉक्टर थे, जबकि फीली टीम के किकर थे। डीसीसीसी ने मार्लीन गैलन-वूड्स का समर्थन किया था। वह पहले रिपब्लिकन पार्टी में थीं और ट्रंप के पहले कार्यकाल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गई थीं। पहले कांग्रेस क्षेत्र के लिए यह मुकाबला काफी अहम माना जा रहा था। इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी फीनिक्स, स्कॉट्सडेल, फाउंटेन हिल्स और पैराडाइज वैली जैसे समृद्ध इलाके शामिल हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा, इसे तय करने में यह चुनाव भूमिका निभा सकता है। हालांकि, इस क्षेत्र में रिपब्लिकन मतदाता ज्यादा हैं, लेकिन पिछले एक दशक में यहां के लोगों की राजनीतिक सोच कुछ हद तक बदली है। यह सीट खाली हुई है क्योंकि रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में वह एंडी बिग्स से हार गए। डीसीसीसी के गैलन-वूड्स को समर्थन देने के फैसले से स्थानीय डेमोक्रेट्स हैरान थे। इसकी वजह यह थी कि गैलन-वूड्स और शाह की राजनीतिक सोच में ज्यादा अंतर नहीं था। दोनों ही बीच की राजनीतिक सोच रखने वाले उम्मीदवार हैं। यह चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी में बढ़ते प्रगतिशील और मध्यमार्गी नेताओं के बीच विवाद का हिस्सा भी नहीं था। यह मुकाबला कुछ हद तक 2024 के चुनाव जैसा था। उस समय शाह ने कई उम्मीदवारों के बीच हुए प्राइमरी मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। उस चुनाव में गैलन-वूड्स भी शामिल थीं। हालांकि, आम चुनाव में शाह हार गए थे। उस साल डीसीसीसी ने प्राइमरी में किसी उम्मीदवार का समर्थन नहीं किया था।

केन्या में बड़ा हादसा, भारी बारिश से सोने की खदान ढहने से 5 खनिकों की दर्दनाक मौत

नैरोबी, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी केन्या के नारोक काउंटी से एक बहुत ही दुखद और भयानक खबर सामने आई है। यहां भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान की सुरंग अचानक ढह गई है। इस खदान हादसे में कम से कम पांच खनिकों की दर्दनाक मौत हो गई है। प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

नारोक काउंटी के पुलिस कमांडर पैट्रिक लोबोलिया ने इस भयानक घटना और मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस ढही हुई सुरंग के अंदर अभी भी कई खनिकों के फंसे होने की भारी आशंका है। बचाव दल उन सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अभी तक कई घायल खनिकों को बचाकर पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए भेजा गया है।

राहत और बचाव में आ रही मुश्किल : पुलिस कमांडर लोबोरिया ने बताया कि किलिमापेसा इलाके में तलाशी और बचाव का काम लगातार चल रहा है। लेकिन विशेष खनन उपकरणों और अंडरग्राउंड कैमरों की कमी के कारण इस काम में काफी परेशानी आ रही है। इन जरूरी मशीनों के अभाव में खदान के अंदर चल रहा बचाव अभियान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। फिर भी बचाव दल अपनी पूरी ताकत और हिम्मत के साथ फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

किलिमापेसा की व्यावसायिक खदान : यह भीषण हादसा नारोक शहर से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में स्थित किलिमापेसा इलाके में हुआ है। किलिमापेसा में ही पूरे केन्या देश की सबसे बड़ी और प्रमुख व्यावसायिक सोने की खदान मौजूद है। यह दर्दनाक घटना देश के सोना खनन क्षेत्र में खनिकों की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। पिछले कुछ वर्षों में भी केन्या की खदानों में हुए कई बड़े हादसों में बहुत से लोगों की जान जा चुकी है।

घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज : अधिकारियों के मुताबिक खदान ढहने की इस भयानक घटना के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच गई थीं। मलबे से सुरक्षित निकाले गए कई घायल खनिकों को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत अस्पताल भेजा गया है। पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इन सभी घायलों का बहुत ही बारीकी से इलाज किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घायलों की स्थिति पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं।

सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग : लगातार हो रही इन खदान दुर्घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों में सरकार के खिलाफ काफी ज्यादा गुस्सा है। खनन क्षेत्र से जुड़े कई संगठनों ने सरकार से सुरक्षा नियमों को बहुत सख्ती से लागू करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि खदानों में काम करने वालों के लिए बेहतर सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। बिना सख्त नियमों के चल रहे इस खनन कार्य से निर्दोष और गरीब मजदूरों की जान बार-बार खतरे में पड़ रही है। केन्या में हजारों छोटे स्तर के खनिकों और मजदूरों के लिए यह सोने का खनन ही रोजी-रोटी का बड़ा जरिया है। सोना मिलने वाले इन इलाकों में कई जगहों पर बिना किसी नियम के अवैध और असुरक्षित खनन हो रहा है।

जिंदगी जितनी ज्यादा व्यवस्थित हो, आप उतने ज्यादा हेल्दी रहते हैं। जिस तरह आपने अपने सोने, जागने और रोजमर्रा के दूसरे कामों के लिए समय तय किया है, उसी तरह आपको अपने खानपान का भी समय निश्चित करना चाहिए। कुछ लोगों की आदत होती है कि वो अपने काम को इतना महत्व देते हैं कि काम के चक्कर में कभी जल्दी खाना खा लेते हैं, तो कभी बहुत देर में खाते हैं। आपकी इस आदत का आपके शरीर और सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

दरअसल हम सभी के शरीर में एक प्राकृतिक घड़ी मौजूद है, जिसे सर्केडियन रिद्म कहते हैं। ये सर्केडिकन हमारे साइकोलॉजिकल सिस्टम के साथ कनेक्ट होती है और हमारी दिनभर की गतिविधियों के अनुसार शरीर के फंक्शन्स को कंट्रोल करती है। जैसे- आपके रोजाना सोने-जागने और खाने के समय के अनुसार ये हार्मोन्स के रिलीज होने और मेटाबॉलिक सिस्टम को एक्टिवेट करने का काम करती है। इसलिए अगर आप रोजमर्रा के कामों के लिए समय निश्चित कर लेते हैं, तो आपका सर्केडियन रिद्म इसे आपकी आदत मान लेता है। इससे शरीर के लिए फंक्शन करना ज्यादा आसान होता है। यही कारण है कि ऐसे लोग लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं। आइए आपको बताते हैं सुबह और रात के खाने की प्लानिंग करते समय आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

सुबह के खाने की प्लानिंग कैसे करनी चाहिए?

नाश्ता: आमतौर पर रात में 7-8 घंटे के उपवास बाद जब आप सुबह उठते हैं, तो आपको सबसे पहले नाश्ता (ब्रेकफास्ट) करना चाहिए। आपको ब्रेकफास्ट सुबह उठने के 2-3 घंटे के भीतर कर लेना चाहिए। ऐसा न करने से आपके शरीर में इंसुलिन, ब्लड ग्लूकोज, ट्राईग्लिसराइड्स और कोलेस्ट्रॉल का लेवल गड़बड़ होने लगता है। यही कारण है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स इस बात पर जोर देते हैं कि सुबह का नाश्ता नहीं छोड़ना चाहिए। आपका नाश्ता थोड़ा हैवी होना चाहिए, जिसमें प्रोटीन, विटामिन्स और थोड़े से हेल्दी कार्ब्स हो सकते हैं, जैसे- पोहा, पराठा, ऑमलेट, सैंडविच, ओट्स, नट्स, फल, जूस, दूध, अंडे आदि।

लंच और स्नैक्स: इसके बाद दोपहर का खाना आपको नाश्ते के 3-4 घंटे बाद ही करना चाहिए। दोपहर का खाना हल्का-फुल्का होना चाहिए, जिसमें आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएं, जैसे- सब्जियां, रोटी, दाल, जरूरी हो तो थोड़ा सा चावल, चिकन करी, फलियों की सब्जी या डोसा, उत्पम, सलाद आदि। इसके अलावा ब्रेकफास्ट और लंच के बीच भूख लगने पर आप कोई हल्का-फुल्का स्नैक्स ले सकते हैं।

रात के खाने की प्लानिंग कैसे करें?

रात का खाना आपको सोने से कम से कम तीन घंटे पहले खा लेना चाहिए, क्योंकि इतना समय आपके सिस्टम को खाने को पचाने की क्रिया शुरू करने में लग जाता है। दोपहर के खाने और रात के खाने के बीच भी बहुत सारे लोगों को भूख लगती है। ऐसे लोग दोपहर के खाने के 2-3 घंटे बाद कोई हल्का फुल्का स्नैक्स ले सकते हैं। लेकिन यह ध्यान रखें कि आपका रात का खाना भी हल्का और सुपाच्य होना चाहिए। रात में ऐसी चीजें बिल्कुल न खाएं जिनमें कॉम्प्लेक्स कार्ब्स हो, क्योंकि इन्हें पचाने में आपके पाचनतंत्र को बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

अगर किसी कारण से आपको रात के खाने में देर हो गई है, तो देर रात में पूरा खाना न लें, बल्कि हल्के-फुल्के स्नैक्स या लिक्विड डाइट ले लें। देर रात में खाया गया खाना आपके बॉडी फंक्शन को बिगाड़ता है, जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इसके अलावा कुछ लोगों की आदत यह भी होती है कि वो रात में जागकर कुछ मीठा या जंक फूड्स खाने के आदी होते हैं। सेहत के लिहाज से ये आदत भी बहुत गलत है।

सुबह और रात के खाने में ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

अगर आपका वजन ज्यादा है और आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो भी आपको अपने सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना नहीं छोड़ना चाहिए। सुबह का नाश्ता ट्राईग्लिसराइड्स और ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने के लिए बहुत जरूरी है। बाकी के समय आपको क्या खाना है और कितना खाना है, इस बारे में आप डायटीशियन की मदद ले सकते हैं। कई बार मोटापा सिर्फ खाने-पीने से नहीं, बल्कि किसी रोग या दवा के साइड इफेक्ट के कारण भी होता है, इसलिए एक बार डॉक्टर से चेकअप भी करा सकते हैं।

अपनी विंटर शॉपिंग लिस्ट में जरूर शामिल करें नारियल का तेल

अपनी खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आपको सिर्फ अपने कपड़ों या मेकअप पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि आपको नेचुरल तरीकों को भी अपनाना चाहिए। जैसे, चेहरे की खूबसूरती बनाए रखने और विंटर के साइड इफेक्ट से बचने के लिए आपको नेचुरल ऑयल भी इस्तेमाल करने चाहिए। अगर आपको मार्केट जाकर इन तेलों को खरीदने का

मौका नहीं मिलता, तो आप ऑनलाइन भी कुछ जरूरी ऑयल मंगवा सकती हैं। आइए, डालते हैं एक नजर-

कोकोनट ऑयल यानी नारियल का तेल लेकिन इस विंटर आपको सिर्फ कोकोनट ऑइल नहीं लाना है बल्कि वर्जिन कोकोनट ऑइल लाना है। यह तेल पूरी तरह प्योर होने के साथ ही नरिशमेंट से भरपूर होता है। साथ ही यह बजट फ्रेंडली और असरदार ब्यूटी प्रॉडक्ट है।

अगर आपको लगता है कि आप कहीं से भी कोई भी तेल खरीद लेंगी, तो यह गलतफहमी अपने मन से निकाल लें क्योंकि इससे आप सिर्फ अपने पैसे ही बर्बाद करेंगी, इससे आपको फायदा नहीं मिलेगा इसलिए ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त आप तेल के रिव्यू जरूर पड़ लें।

नारियल तेल सर्दियों में आपको कई तरह के अन्य प्रॉडक्ट्स की सेविंग से बचाकर बचत करा सकता है। क्योंकि आप इसे मेकअप रीमूवर, मॉइश्चराइजर, हेयर ऑयल और बॉडी लोशन की तरह यूज कर सकती हैं। ऐसे में आप इसे खरीदते वक्त किसी तरह की कंजूसी या लापरवाही ना करें। वर्जिन और ब्रैंडेड नारियल तेल ही खरीदें।

कोकोनट ऑयल के अलावा आप कई विंटर ब्यूटी प्रॉडक्ट अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

रेसिपी

गाजर-कॉर्न सूप

सामग्री

- 1/2 कप फोजन स्वीट कॉर्न
- 1 बे लीफ
- 5 लहसुन
- 1/2 चम्मच जैतून का तेल
- काली मिर्च
- 1 ग्राम कटा हुआ गाजर
- 1 प्याज
- 2 चम्मच मक्खन
- 1 कप पानी नमक स्वादानुसार

विधि

एक पैन में धीमी आंच पर पानी गर्म कर लें और इसमें गाजर और कॉर्न डालकर उबाल लें। इसके बाद कुछ देर छोड़ दे, फिर उबले हुए गाजर और कॉर्न की प्यूरी बना लें। धीमी आंच पर पैन रखकर उसमें ऑयल के साथ मक्खन डालें। मक्खन मेल्ट होने के बाद पिसा हुआ लहसुन, बारीक कटा प्याज और बे लीफ डालें। सभी को थोड़ी देर भूनें और प्याज को नरम होने दें। सब भून जाने के बाद गाजर और कॉर्न की प्यूरी को पैन में डालें और ऊपर से थोड़ा से नमक और काली मिर्च छिड़कें। इसको चलाते रहें ताकि गांठ न पड़ें। इसके बाद बची हुई गाजर को डालें और उबाल आने दें। एक बार उबाल आने के बाद आंच कम कर दें और कुछ देर तक पकने दें। जब अच्छी तरह पक कर गाढ़ा हो जाए, तो इसे कटोरे में निकाल लें और धनिया पत्ती को गार्निश करें और गर्म-गर्म परोसें।

रेसिपी

बादाम का हलवा

सामग्री

- ढाई कप चीनी
- 1 कप दूध
- 2 कप भिगोए बादाम
- आधा चम्मच केसर
- 1 कप घी

विधि

बादाम का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले गर्म पानी में बादाम को एक घंटे तक भिगोकर छोड़ दें। इसके बाद बादाम के छिलके निकालकर उन्हें पीस लें। इसके बाद बादाम के इस पेस्ट में दूध चीनी और केसर डालकर इसे अच्छे से फेंट लें। एक कड़ाही लें और इसमें घी डालें। इसे तेज आंच पर गर्म करें। घी गर्म हो जाए तो इसमें बादाम का पेस्ट डाल दें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि इसका तला न लगे। जब यह पेस्ट सूखकर हलवा हो जाए, गैस बंद कर दें। हलवे को बादाम और केसर से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5021

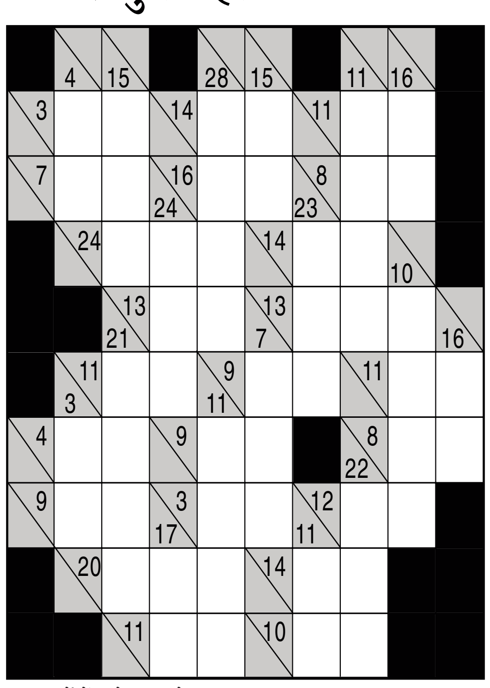

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

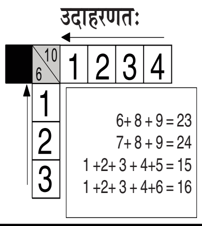

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5020 का हल

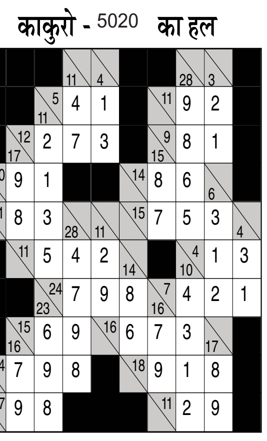

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5021

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5020

य	स	बॉ	स		स	र	फ	रो	श
हू		बी		ह	त्या		रा	जा	
दी	पा		दे	व		डो	र		अं
	ल	म्हे		स	हे	ली		रा	ज
खा	की		औ		र		अं	ज	लि
मो		स	र	ग	म			पू	
श	रा	फ	त			प्रि	य	त	मा
		र		मि	ली		श		ई
रो	टी		सू	ल		रॉ		खे	ल
	ना	म		न	म	की	न		व

5021

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5020

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 5021

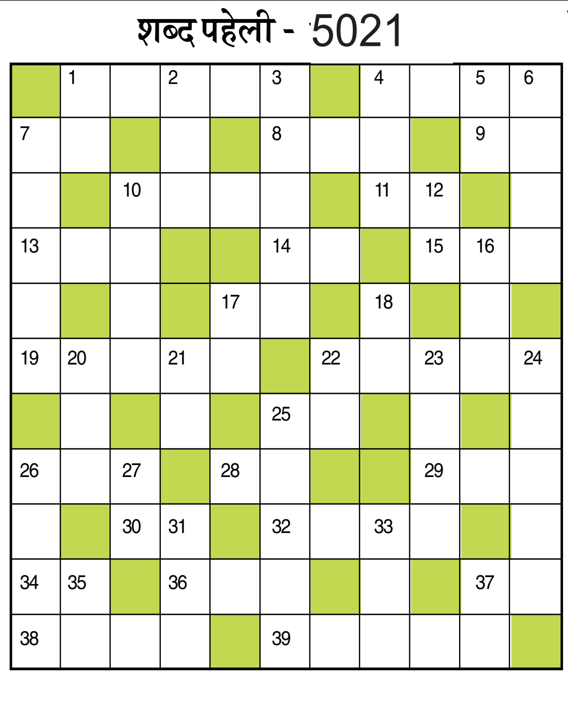

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -5020 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	म्बा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
धि	क्का	र	ना			अ		च	प	ल
का		क्ष		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ग्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
श		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	चा	ल	न

'पेपर लीक पर सख्त कानून से बढ़ेगा छात्रों का आत्मविश्वास', सीएम धामी ने किया प्रधानमंत्री मोदी के निर्णय का स्वागत

एजेंसी

देहरादून । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो संदेश पर अपनी प्रतिक्रिया दी। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो संदेश छात्रों के प्रति केंद्र की चिंता को दर्शाता है और उन्हें सरकार की ओर से छात्रों की समस्याओं को संभालने के तरीके पर भरोसा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'आजादी के बाद जनता, युवा और गरीब उन्मूलन से जुड़े हुए देश के अनेक ज्वलंत मुद्दे थे। ऐसे मुद्दों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही सुलझाया है। उन्होंने इन मुद्दों को लेकर कई सख्त प्रावधान किए और उन्हें जड़ से समाप्त करने का कार्य किया। इस पेपर लीक पर भी उन्होंने सख्त कार्रवाई करने को कहा है और कानून लाने की बात की है।' फास्ट ट्रैक कोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी के निर्णय का स्वागत करते हुए सीएम धामी ने कहा, 'मेरा मानना है कि यह फैसला छात्रों के लिए भविष्य की परीक्षाओं के लिए एक नया रास्ता होगा और नकल की संभावना नहीं रहेगी। इससे छात्रों का आत्मविश्वास भी प्रबल होगा। वे मेहनत करेंगे और योग्यता व प्रतिभा के आधार पर चयनित होने का अवसर मिलेगा। ' वन्य जीव से जुड़े कार्यक्रमों पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, 'हमारे राज्य में वन्यजीव और जंगल बहुत अहम हैं और राज्य का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा जंगलों से घिरा हुआ है। इसलिए, इनसे जुड़े कई मुद्दे और चिंताएं हैं। '

मध्य प्रदेश सरकार कैग रिपोर्ट पर श्वेत पत्र जारी करे : जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा जारी की गई रिपोर्ट पर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की मांग है कि सरकार कैग रिपोर्ट पर श्वेत पत्र जारी करें। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है और इस पत्र में कैग रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। उन्होंने कहा कि कैग रिपोर्ट में देश में सबसे अधिक मातृ मृत्यु दर, सबसे अधिक शिशु मृत्यु दर, हजारों गांव बिना आंगनवाड़ी, लाखों बच्चे और गर्भवती महिलाएं पोषण से वंचित, आधे से अधिक जिम्मेदार पद खाली, अपंजीकृत समूहों के भरोसे बच्चों का भोजन और करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी जवाबदेही गायब है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि यह प्रशासनिक विफलता नहीं, उस मां के विश्वास की हत्या है, जो सरकारी अस्पताल में सुरक्षित प्रसव का सपना लेकर जाती है। यह उस नवजात के अधिकार का अपमान है, जिसे जीवन की पहली लड़ाई ही सरकारी लापरवाही से लड़नी पड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य की सरकार दावा करती है कि मध्य प्रदेश विकास की दौड़ में आगे है, लेकिन कैग कह रहा है कि माताओं और बच्चों की सुरक्षा की दौड़ में मध्य प्रदेश सबसे पीछे खड़ा है। यह विरोधाभास नहीं, सरकार की प्राथमिकताओं का निर्वस्त्र चरित्र है।

भारत-नेपाल सीमा पर अमेरिकी नागरिक के साथ पकड़ा गया प्रतिबन्धित संगठन 'वारिस पंजाब दे' का सदस्य

बहराइच। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पुलिस व एसएसबी ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। रूपईडीहा सीमा क्षेत्र में नियमित जांच के दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस की सतर्कता से एक अमेरिकी नागरिक के साथ प्रतिबंधित संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े वांछित आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही भारत में इनको प्रवेश करा रहे तीन स्थानीय नागरिकों को भी हिरासत में लिया गया है। मामला सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं और पूरे नेटवर्क की गहन जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पकड़े गए मुख्य आरोपित की पहचान प्रतिबंधित संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े विक्रमजीत सिंह निवासी रूपनगर (पंजाब) के रूप में हुई है। वह वर्ष 2023 में अजनाला थाने पर हुए चर्चित हमले के मामले में वांछित था और लंबे समय से गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वह नेपाल में कथित रूप से फर्जी पहचान और दस्तावेजों के सहारे रह रहा था। दूसरे की पहचान मनवीर सिंह ढिल्लों के रुप में हुई है, जो मूल रूप से पंजाब के मोगा का निवासी था और इन दिनों अमेरिका का नागरिक है। इन दोनों को नेपाल के रास्ते बिना वैध भारतीय वीजा के सीमा पार करते हुए पकड़ा गया।

भारी बारिश में नाले में गिरी कार, अहमदाबाद के एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत, 2 को बचाया गया

खेड़ा। गुजरात के खेड़ा जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच मातर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खेड़ा-मातर हाईवे पर मोतीपुरा गांव के निकट अहमदाबाद के एक ही परिवार की कार अनियंत्रित होकर पानी से भरे नाले (गरनाला) में जा गिरी। कार में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें से चार की मौत हो गई, जबकि दो लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समयऔर कैलेंडर प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार मोतीपुरा गांव के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान भारी बारिश के कारण पानी से भरे नाले में कार अनियंत्रित होकर गिर गई। तेज बहाव के कारण कार पलट गई और पानी में बहने लगी, जिससे उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। खेड़ा के नायब कलेक्टर सूरज बारोट, मातर मामलतदार और खेड़ा फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने कार से दो लोगों को जीवित बाहर निकाला।

डॉक्टरों की सलाह मानें, जल्द स्वस्थ हों, पीएम मोदी ने की सोनम वांगचुक से अपील

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से अपील की कि वे अपनी 26 दिन की भूख हड़ताल खत्म करने के बाद डॉक्टरों की सलाह मानें और अपनी सेहत ठीक करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखाः 'मैं सोनम जी से आग्रह करता हूं कि वह अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में डॉक्टरों की सलाह मानें और जल्द से जल्द अपना पुराना वजन वापस पाएं। मैं ईश्वर से उनके अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।' प्रधानमंत्री का यह संदेश एक निजी अस्पताल में वांगचुक के केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह, लेह-लद्दाख की एपेक्स बॉडी के वरिष्ठ नेताओं, डॉक्टरों और परिवार के

सदस्यों की मौजूदगी में अपना अनशन तोड़ने के कुछ घंटों बाद आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि केंद्र सरकार ने पेपर लीक मामलों के लिए सख्त प्रावधान और कड़ी सजा लागू करने के मकसद से एक व्यापक ड्राफ्ट बिल तैयार किया है। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में चर्चा होगी और उम्मीद है कि इसे अगले हफ्ते संसद के चल रहे सत्र में पेश और पास किया जाएगा। वहीं, इससे पहले अपने एक्स पोस्ट में पीएम ने कहा था, 'देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। ' वांगचुक की भूख हड़ताल ने देश भर का ध्यान खींचा था। कई राजनीतिक दलों और सिविल सोसायटी ग्रुप्स के नेताओं ने उनसे उपवास खत्म करने की अपील की थी। वांगचुक ने खुद बताया था कि संसद के 65 सदस्यों ने या तो उनसे मुलाकात की थी या उन्हें अनशन तोड़ने के लिए पत्र लिखे थे, जिसमें संभावित अशांति को लेकर चिंता जताई गई थी।

अनंतनाग आतंकी हमले में शहीद पुलिसकर्मी के परिवार से मिले उपराज्यपाल, हर संभव मदद का दिया भरोसा

एजेंसी

बडगाम। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अनंतनाग में हुए आतंकी हमले में शहीद पुलिसकर्मी के घर जाकर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें प्रशासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने शुक्रवार को बडगाम जिले के बीरवाह के लोलीपोरा इलाके में पुलिसकर्मी के परिवार को भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन मजबूती से उनके साथ खड़ा है और उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान की भी सराहना की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

उपराज्यपाल के साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, कश्मीर ज़ोन के पुलिस महानिरीक्षक वी.के. बिरदी, सेंट्रल कश्मीर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक राजीव ओमप्रकाश पांडे, बडगाम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिप्रसाद के.के. और बडगाम के उपायुक्त अतहर आमिर खान भी मौजूद थे। बुधवार दोपहर अनंतनाग के लाल चौक इलाके में आतंकवादियों ने हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन को बहुत करीब से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी।

रात में वीडियो संदेश जारी करने के बजाय संसद में आकर जवाब दें पीएम मोदीः मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली । नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो संदेश के बाद कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री से संसद में आकर जवाब देने की मांग की है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री को इस मुद्दे पर कुछ कहना है तो उन्हें संसद में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। सदन में दिए गए बयान को ही गंभीरता से लिया जाएगा। खड़गे ने कहा कि रात के समय वीडियो संदेश जारी करने के बजाय प्रधानमंत्री को दिन में संसद में आकर छात्रों और देश के सामने अपनी बात रखनी चाहिए।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी प्रधानमंत्री के संदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार काफी देर बाद इस मुद्दे पर बोल रही है। देश के युवा सड़कों पर हैं और केवल बयान देने से उनकी परेशानियां दूर नहीं होंगी। खेड़ा ने कहा कि छात्रों की चिंताओं का समाधान जरूरी है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने मांग की कि प्रधानमंत्री को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

को पद से हटाना चाहिए। यह छात्रों और देश की मांग है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की मांगों पर ध्यान देने के बजाय लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते छात्रों की आवाज उठा रही है और संसद में उसकी अलग जिम्मेदारी है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस सांसद सौगत रॉय ने पेपर लीक रोकने के लिए प्रस्तावित कानून पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरी जानकारी सामने आने के बाद ही प्रतिक्रिया दी जा सकती है। उन्होंने पूछा कि सरकार छात्रों की मांगों को पूरा करने में देरी क्यों कर रही है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कब इस्तीफा देंगे।

आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने प्रधानमंत्री के वीडियो संदेश को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों पर चर्चा होनी चाहिए और केवल बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने सरकार पर अहंकार का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने भी सरकार से सवाल किया कि पेपर लीक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पहले से मौजूद कानूनों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया। उन्होंने जांच एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

प्रदर्शनकारियों के लिए खाना ले जाने पर युवकों को हिरासत में लेने का दावा झूठा और भ्रामक : दिल्ली पुलिस

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल उस दावे को 'झूठा और भ्रामक' बताया है, जिसमें कहा गया था कि जंतर-मंतर पर खाना ले जा रहे तीन युवकों को निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिया गया। यह स्पष्टीकरण दक्षिण-पूर्व जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय की ओर से जारी किया गया। यह बयान उस समय सामने आया, जब एक्स पर एक यूजर ने दावा किया कि 'तीन युवा लड़कों को जंतर मंतर के लिए खाना ले जाने पर दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन में हिरासत में ले लिया है।' वायरल सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया था, 'तीन युवा लड़कों को दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर के लिए खाना ले जाने पर निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिया है। जी हां, आपने सही पढ़ा! कई ऐसी रिपोर्टें सामने आ रही हैं कि छोटे-छोटे बच्चों को बिना किसी वजह के हिरासत में लिया जा रहा है। ' इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए दक्षिण-पूर्व दिल्ली के डीसीपी ने एक्स पर स्पष्ट रूप से लिखा, 'जंतर मंतर के लिए खाना ले जा रहे लड़कों को निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिए जाने का दावा झूठा और भ्रामक है। 'दिल्ली पुलिस ने घटना का पूरा क्रम बताते हुए आधिकारिक स्पष्टीकरण भी जारी किया। पुलिस के अनुसार, 'पुलिस कर्मियों ने किसी भी व्यक्ति को खाना ले जाने से न तो रोका और न ही किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न की। ' घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि वाहन को नियमित सुरक्षा जांच के तहत रोका गया था। स्पष्टीकरण में कहा गया, 'रूटीन पिकेट/चेकपोस्ट ड्यूटी के तहत वाहन को केवल उसमें सवार लोगों की पहचान सत्यापित करने और यह जानने के लिए रोका गया था कि वे कहां से आ रहे हैं और कहां जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, 'जब पहचान पत्रों की जांच की जा रही थी, उसी दौरान वाहन चालक वाहन और उसमें रखा सामान लेकर वहां से चला गया। 'स्पष्टीकरण में आगे कहा गया, 'पूछताछ के दौरान वाहन में सवार लोगों ने बताया कि खाने का सामान प्रदर्शन स्थल पर ले जाया जा रहा था।' पुलिस ने यह भी बताया कि 'वाहन चालक को उनमें से एक व्यक्ति के मित्र ने भेजा था और वह उनके व्यक्तिगत परिचय का नहीं था। ' बयान में कहा गया, 'जब तक चालक वहां से नहीं गया था, तब तक ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को यह जानकारी भी नहीं थी कि भोजन प्रदर्शनकारियों के लिए ले जाया जा रहा है। ' गलत तरीके से हिरासत में लेने के आरोपों को खारिज करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि पुलिसकर्मी केवल निर्धारित प्रक्रिया के तहत सामान्य सत्यापन कर रहे थे। स्पष्टीकरण में कहा गया, 'पुलिसकर्मी नियमानुसार नियमित पिकेट जांच और सत्यापन की ड्यूटी निभा रहे थे। किया जा रहा दावा पूरी तरह निराधार और दुर्भावनापूर्ण है तथा इसका उद्देश्य नियमित सत्यापन प्रक्रिया को गलत तरीके से प्रस्तुत करना प्रतीत होता है।

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, अवैध वसूली करने वाले किसी भी अधिकारी को नहीं बख्शा जाएगा : सीएम सुवेंदु

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख का संदेश देते हुए कहा कि प्रशासन में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार और वसूली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' के तहत भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और प्रशासनिक व्यवस्था को पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम अधिकारी ने पोस्ट में एक ट्रक चालक के साथ अवैध वसूली और उत्पीड़न के मामले का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक माल ढोने वाले ट्रक के मालिक दीपक सिंह और चालक शिवा यादव हैं, सर्विसिंग के बाद गैरेज लौट रहा था। इसी दौरान पश्चिम बर्दवान जिले के रामपुर चेकपोस्ट पर अधिकारियों ने ट्रक को गलत तरीके से रोक लिया। चालक पर रिश्वत देने का दबाव

बनाया गया। जब उसने रिश्वत देने से इनकार किया तो ट्रक को जब्त कर लिया गया और उस पर 22,000 रुपए की मांग की गई। दावा किया गया कि यह राशि ऐसे टैक्स के नाम पर मांगी गई, जिसे राज्य सरकार पहले ही समाप्त कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि इस शिकायत के बाद परिवहन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रामपुर चेकपोस्ट पर तैनात मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर नाजिमुल हक और अनुपम बनर्जी को पश्चिम बंगाल सर्विसेज (क्लासिफिकेशन, कंट्रोल एंड अपील) रूल्स, 1971 के नियम 7(1)(ए) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसके साथ ही पूरे मामले को एंटी करप्शन ब्यूरो को सौंप दिया गया है, ताकि आपराधिक जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि जिन वाहनों को गलत तरीके से रोका गया है, उन्हें जल्द से जल्द छोड़ा जाए और ट्रांसपोर्टरों के साथ किसी भी तरह की अवैध वसूली या उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सीएम अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह प्रशासन के सभी अधिकारियों के लिए स्पष्ट संदेश है कि भ्रष्टाचार, उत्पीड़न या अवैध वसूली में शामिल पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। उनके खिलाफ सबसे कड़ी विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना ही लक्ष्य है।

गीतांजलि बोलीं-हमारा आंदोलन सफल रहा, सरकार ने मानी प्रमुख मांगें

एजेंसीद्व

गुरुग्राम । सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन तोड़ने पर उनकी पत्नी डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने मीडिया से बातचीत में कहा कि लिखित आश्वासन मिलने के बाद यह कदम उठाया है। डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने शुक्रवार को कहा, 'सोनम वांगचुक ने लिखित आश्वासन के साथ छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है कि उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। छात्र नेता सरकार के साथ बैठक के बाद ही विरोध प्रदर्शन की आगे की रणनीति तय करेंगे।' सोनम वांगचुक की पत्नी डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने कहा, 'गुरुवार आधी रात को हमें सरकार से लिखित में आश्वासन मिला कि वे हमारी मांगें मान रहे हैं, जिसमें विरोध प्रदर्शन करने वाले चात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर न करना, नीट पेपर लीक होने के कारण आत्महत्या करने वाले बच्चे के परिजनों को मुआवजा देना और संसद में एजुकेशन एग्जाम और रिफॉर्म्स पर चर्चा करना शामिल है। ' डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने कहा, ' सरकार की तरफ से जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह सरकार की तरफ से यहां आए थे। उससे पहले, 16 सांसद यहां आए और विपक्ष के 65 सांसदों ने लिखित आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होगी। सरकार और विपक्ष ने तय किया है कि एजुकेशन रिफॉर्म्स पर चर्चा इसी मानसून सत्र में होगी। यह हमारे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण आंदोलन रहा है क्योंकि सत्ता और विपक्ष ने निर्णय लिया है कि शिक्षा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इस पर चर्चा मानसून सत्र में होगी। आंग्मो ने कहा ने कहा, 'हमारे आंदोलन ने पूरे देश को जगा दिया है। नीट पेपर लीक एक लक्षण था लेकिन असली वजहें सिस्टम में मौजूद हैं। हमें उम्मीद है कि यह सरकार के लिए एक चेतावनी भरी सीख होगा। यह एक सफल आंदोलन रहा है और इसीलिए सोनम वांगचुक ने अपना उपवास खत्म कर दिया। शनिवार से वह सेमी-सॉलिड डाइट लेना शुरू करेंगे। '

राम मंदिर पर राजनीति बंद हो, राम मंदिर ट्रस्ट विहिप और संघ के साथ : संत समाज

एजेंसी

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि में चढ़ावा राशि की गणना प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के बाद अयोध्या धाम संत मंडल के तत्वावधान में संत समाज की एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी हुई। इस संगोष्ठी में संतों ने एक सुर में कहा कि राम मंदिर पर राजनीति बंद होनी चाहिए। सम्पूर्ण संत समाज श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, विहिप और संघ के साथ खड़ा है। संतों ने रामभक्तों से अपील किया कि किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है, यह उन्हीं को चिंता है जो न्यायालय में कहते थे कि 'श्रीराम' काल्पनिक हैं।

इस संगोष्ठी का आयोजन श्री राम सत्संग भवन, धर्म मंडपम् में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मंदिर की धार्मिक समिति के सदस्य श्री मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उल्लेखनीय है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े हालिया घटनाक्रम और राम मंदिर में चढ़ावा गिनती प्रकरण में संतों की यह पहली बैठक हुई। इस बैठक में अयोध्या के संत-महंतों ने एक स्वर से कहा कि

राम मंदिर को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, जिसका संत समाज पुरजोर विरोध करता है। उन्होंने कहा कि प्रकरण की जांच एसआईटी कर रही है और जो भी दोषी होगा, उसे कानून के अनुसार दंड अवश्य मिलेगा। वहीं, संतों ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय निर्दोष हैं तथा अयोध्या के संत समाज में उनका सम्मान पहले की तरह बना हुआ है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे महंत कमलनयन दास महाराज ने कहा कि सनातन धर्म पर बहुत संकट आ गया है। समय आ गया है जो दूध का दूध पानी का पानी होगा। श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी प्रयास को संत समाज स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं है।

श्रीराम वल्लभाकुंज वेदांती मंदिर के अधिकारी राजकुमार दास ने कहा कि जो लोग राम मंदिर में चोरी की घटना को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर रहे हैं, वे राम मंदिर के हितैषी नहीं हैं। जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित की है,वे मंदिर की आलोचना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि बीच में जो प्रश्न उठे थे,उनका उत्तर ट्रस्ट ने दे दिया है और संत समाज श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, विश्व हिंदू परिषद तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है।अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता हनुमानगढ़ी महंत संजय दास ने कहा कि राम मंदिर को राजनीति का विषय बनाना बंद होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संत समाज चंपत राय को दोषी नहीं मानता। श्री हनुमत निवास के महंत मिथिलेशनंदिनी शरण ने कहा कि राम मंदिर में चोरी की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है,लेकिन इस घटना की आड़ में मंदिर को बदनाम करने का प्रयास स्वीकार नहीं किया जा सकता।

रेवाड़ी एम्स और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की प्रगति की समीक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर जोर

-प्रधानमंत्री मोदी करेंगे एनआईए पंचकूला का उद्घाटन : राज्यपाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में रेवाड़ी स्थित निर्माणाधीन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला की प्रगति की समीक्षा की गई। केंद्रीय आयुष तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने लोकभवन में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से मुलाकात कर दोनों परियोजनाओं की प्रगति तथा दूरदराज के क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने पर चर्चा की।बैठक के दौरान राज्यपाल ने पंचकूला स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की प्रगति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि संस्थान में प्रतिदिन ओपीडी के माध्यम से मरीजों को परामर्श एवं उपचार सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संस्थान का विधिवत उद्घाटन कर इसे राष्ट्र को

समर्पित किया जाएगा।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने रेवाड़ी में निर्माणाधीन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि इस परियोजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाना चाहिए ताकि क्षेत्र के लोगों को इसकी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ शीघ्र मिल सके। केंद्रीय मंत्री ने राज्यपाल को हरियाणा सहित देशभर में आयुष चिकित्सा पद्धति को सुदृढ़ बनाने तथा स्वास्थ्य अवसंरचना के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे प्रत्येक नागरिक, विशेषकर दूरदराज एवं वंचित क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं एवं वंचित लोगों सुलभ, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को समान, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य अवसंरचना तथा चिकित्सा सेवाओं का निरंतर सुदृढ़ीकरण आवश्यक है।

केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने राज्यपाल को अवगत कराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देशभर में स्वास्थ्य अवसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार समग्र एवं समावेशी स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयुष चिकित्सा पद्धति को भी समान रूप से प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में भी स्वास्थ्य अवसंरचना का तेजी से विस्तार किया जा रहा है ।

हरियाणा में वायरल हेपेटाइटिस के 10 नए उपचार केंद्र खुलेंगे, मरीजों को मिलेगी निःशुल्क जांच व इलाज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने वायरल हेपेटाइटिस-बी और सी से पीड़ित मरीजों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) के तहत राज्य में 10 नए वायरल हेपेटाइटिस उपचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के शुरू होने के बाद राज्य में उपचार केंद्रों की संख्या 26 से बढ़कर 36 हो जाएगी।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि यह विस्तार राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत वायरल हेपेटाइटिस से प्रभावित मरीजों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और किफायती उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष रूप से उन जिलों में उपचार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है जहां हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों की संख्या अधिक है। डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में पीजीआईएमएस रोहतक में एक मॉडल उपचार केंद्र, जिला नागरिक अस्पतालों में 22 उपचार केंद्र तथा सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त मेडिकल कॉलेजों में चार उपचार केंद्र संचालित हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सभी 36 उपचार केंद्रों को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिससे राज्य में वायरल हेपेटाइटिस उपचार सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि फरीदाबाद स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक नया उपचार केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे शहर के औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों तथा ईएसआई लाभार्थियों को विशेष सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त फतेहाबाद जिले के रतिया और टोहाना, जींद के नरवाना, कैथल के गुहला, करनाल के असंध और नीलोखेड़ी, सिरसा के डबवाली और ऐलनाबाद तथा पानीपत के समालखा स्थित उपमंडल नागरिक अस्पतालों में भी नए उपचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला की हेपेटाइटिस-बी की जांच कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि संक्रमण को मां से नवजात शिशु तक फैलने से रोका जा सके। उन्होंने बताया कि यदि कोई गर्भवती महिला हेपेटाइटिस-बी से संक्रमित पाई जाती है, तो उसके नवजात शिशु को जन्म के 24 घंटे के भीतर हेपेटाइटिस-बी इम्यूनोग्लोब्युलिन (एचबीआईजी) तथा हेपेटाइटिस-बी का टीका लगाया जाना चाहिए। ये दोनों सुविधाएं हरियाणा के सभी जिला नागरिक अस्पतालों में पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

चाइना ओपन में सिंधु को करना पड़ा हार का सामना

पीवी दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी– पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

● **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत–** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं।उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20–16 कर लिया।यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया।ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22–20 से नाम कर लिया।इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

● **निर्णायक गेम में 15–13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं–** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी।पीवी सिंधु ने 15–13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं।हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी।पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए।दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21–18 से जीत लिया।

● **सुधार की जरूरत भी आई सामने–** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष

लॉजेन, एजेंसी। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अर्कांडी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ कई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब ईयू ने प्रतिबंधों का 21वां पैकेज जारी किया है। इसमें 48 लोगों और 170 संस्थाओं सहित कुल 218 नए नाम जोड़े गए हैं।युद्ध शुरू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबंध सूची मानी जा रही है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित लोगों की संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं।उन्हें आर्थिक मदद या अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। प्रतिबंध सूची में नाम आने के बाद अर्कांडी द्वोरकोविच ने कहा कि वह इस फैसले को गैर-कानूनी और गलत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को कानूनी तरीके से चुनौती देंगे और उन्हें भरोसा है कि आखिरकार उन्हें न्याय मिलेगा।

द्वोरकोविच अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छा से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बने

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दी

फिडे काउंसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को नई पहचान दिलाई और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया। वह 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं और अब उन्हें अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अनकैप्ड स्पिनर को किया शामिल

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम की घोषणा की

त्रिनिदाद, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पाकस्तान के खिलाफ 25 जुलाई से 6 अगस्त तक होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशन को जगह दी है। बिशप ने पिछले तीन वेस्टइंडीज चैंपियनशिप सीजन में बारबाडोस प्राइड और वेस्टइंडीज एकेडमी के लिए कुल 91 विकेट लिए हैं, जो उस दौरान किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल के चोटिल होने के कारण किर्क मैकेंजी की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। कैंपबेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे इंटरनेशनल सीरीज के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गए। मैकेंजी ने हालिया वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में छह पारियों में 64.60 की औसत से 323 रन बनाए थे। इस बीच, अल्जारी जोसेफ निजी कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सीरीज़ का पहला मैच 25 से 29 जुलाई के बीच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। यह इस मैदान पर होने वाला पहला टेस्ट मैच

होगा, जिससे यह इस इलाके का 13वां ऐसा मैदान बन जाएगा जहां टेस्ट क्रिकेट खेला जाएगा। दूसरा मैच 2 से 6 अगस्त के बीच ऐतिहासिक क्वींस पार्क ओवल में होगा। वेस्टइंडीज अभी तालिका में आठवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान सबसे आखिरी स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम : रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), जोशुआ बिशप, टैगनारिन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जांगू, शामार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, किक मैकेंजी, कीमो पॉल, केमार रोच और जेडन सील्स।

राष्ट्रमंडल खेल में किया कमाल

भारतीय तैराक नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे

ग्लास्गो। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दो बार के ओलंपियन और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने बरमूडा के जैक हार्वे के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में भारत के आरवीवीबीके बुडिगिना और इमाम अली ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हीट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ तैराक फाइनल में पहुंचे।

जूडोका तुलिका मान निलंबित

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता जूडोका तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने (वेयरअबाउट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है, जिसके बाद उन्हें आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। तुलिका मान ने 2022 के बर्मिंघम खेलों में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था और वह ग्लास्गो में भी भारत के लिए पदक की एक मजबूत दावेदार मानी जा रही थीं। एक जूडो कोच ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि तुलिका ने 12 महीने की अवधि में तीन बार वेयरअबाउट्स विफलताएं की हैं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसी वजह से उन्हें टीम से वापस लिया जा रहा है।

आज भारत सीरीज जीतने के करीब जिम्बाब्वे के लिए बड़ी चुनौती

हरारे एजेंसी। भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें'प्लेयर ऑफ़ द मैच'का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे ज़िम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ है: या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ़ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया।

मेजबान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आम तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्ट्रोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, जिम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

वैभव सबसे युवा

अर्धशतकवीर

मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की पहली जीत

हरारे, एजेंसी।15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बदौलत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

19 गेंदों में वैभव ने मचाया तूफान

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन ठोक दिए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया।उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई।ऑन–फील्ड अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया।इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए।उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके।उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया।भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा।मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए।शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक–एक सफलता मिली।डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।

खुशकिस्मत हूं की टाइपकास्ट नहीं हुई

रसिका दुगल ने गहरे और हटकर किरदारों को चुनकर अपना करियर बनाया है। लेकिन वह मानती हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर किस दिशा में जा रहा है। जहां 'मिर्जापुर' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं रसिका का कहना है कि 'मंटो' ने उन्हें उनके करियर के सबसे मुश्किल दौर से बाहर निकाला। रसिका ने उन किरदारों के बारे में बात की जिन्होंने उनकी जिंदगी बदल दी।

'मंटो' ऐसे समय में मिली जब सबसे ज्यादा जरूरत थी

बातचीत में अपने करियर के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए रसिका ने कहा कि 'मिर्जापुर' बेशक सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंची। लेकिन 'मंटो' ऐसे समय में मिली जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसमें लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा और जो बहुत बड़े दर्शकों तक पहुंचा, वह निश्चित रूप से 'मिर्जापुर' था। लेकिन मुझे लगता है कि जिस चीज ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकाला, वह 'मंटो' थी।

रसिका का कहना है कि वह खुशकिस्मत रहीं कि एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रह गईं। 'मिर्जापुर' में एक्टर्स को उनके किरदारों के नाम से जाना जाता है। लेकिन मैं लकी थी क्योंकि 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' लगभग एक ही समय पर रिलीज हुए थे। 'दिल्ली क्राइम' और 'मिर्जापुर' में बिल्कुल अलग-अलग किरदार थे। इसलिए मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे उस विविधता को आजमाने और दिखाने का मौका मिला। दोनों ने अपने-अपने तरीके से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। 'दिल्ली क्राइम' एक बहुत ही शानदार शो है। रसिका ने माना कि टाइपकास्टिंग से बचना हमेशा उनकी प्राथमिकता नहीं थी।

लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर शहनाज गिल ने बताया अपना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इसे लेकर मन में एक डर आता है।

जब शहनाज से पूछा गया कि क्या दूर रहने से प्यार बढ़ता है या कम हो जाता है? इस पर उन्होंने कहा, 'जब दो लोग एक-दूसरे से दूर होते हैं, तो प्यार और पार्टनर की अहमियत बढ़ जाती है। लेकिन इसके साथ ही एक डर भी मन में आता है कि सामने वाला इंसान पीठ पीछे क्या कर रहा होगा। इसलिए दूरी से शक भी बढ़ जाता है।' शहनाज ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर प्यार सच्चा हो और पार्टनर पास हो, तो रिश्ते में किसी दूरी की जरूरत नहीं होती।'

आज के दौर में प्यार

जब शहनाज से पूछा गया कि आज के डेटिंग ऐप्स के जमाने में क्या ऐसा सच्चा प्यार मुमकिन है? तो उन्होंने कहा कि प्यार किसी भी तरह का हो, चाहे पुराने जमाने का या आज के दौर का बस दिल में सच्चा प्यार होना चाहिए। फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। यह फिल्म निम्मा और नसीमा नाम के दो प्रेमियों की असल जिंदगी की कहानी है। इसकी कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के आस-पास की है, जो प्यार, उनके त्याग और मजबूरी में अलग होने के दर्द को दिखाती है।

किस किताब पर आधारित है 'इश्कनामा'
फिल्म 'इश्कनामा', 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' नाम की किताब पर बनी बताई जा रही है। इस फिल्म में शहनाज गिल के साथ जय रंधावा और सौरभ सचदेवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर अरविंद एस. खैरा हैं। फिल्म का म्यूजिक बी प्राक ने दिया है और गाने जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 24 जुलाई को भारत, कनाडा और यूके समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रियलिटी शो में आता है कलाकारों का असली चेहरा, किरदार से अलग होती है पहचान

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह 'बिग बॉस 18' में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो और एक्टिंग की दुनिया के बीच के फर्क को लेकर अपनी राय साझा की है।

उनका मानना है कि रियलिटी शो कलाकार के असली स्वभाव को समझने का मौका देते हैं। जब कोई कलाकार रियलिटी शो में आता है तो दर्शक उसे उसके निभाए किरदारों से अलग एक इंसान के रूप में जान पाते हैं। इंटरव्यू में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को ज्यादा लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने में हमेशा दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें इसलिए देखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और करीब से जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, व्यवहार और पसंद-नापसंद को समझने का मौका मिलता है।'' अभिनेत्री ने उदाहरण देते हुए कहा, ''दर्शक मेरे निभाए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार खुद के रूप में सामने आता है।''

ईशा सिंह ने कहा, ''यही वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग जुड़ाव बन जाता है। लोग सिर्फ किसी कलाकार का काम ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है। दर्शकों को यह जानने में भी दिलचस्पी होती है कि कोई कलाकार क्या पहनता है, कैसे तैयार होता है, क्या खाता है और उसका व्यवहार कैसा है।''

उन्होंने आगे कहा, ''रियलिटी शो और फिक्शन शो दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। दोनों का अपना अलग महत्व और अलग दर्शक वर्ग होता है। रियलिटी शो में कलाकार का निजी पक्ष सामने आता है, जबकि अभिनय में कलाकार किसी कहानी और किरदार को जीता है। रियलिटी शो की अपनी अलग ऑडियंस होती है। आज कई तरह के रियलिटी शो बनाए जा रहे हैं। लेकिन एक्टिंग पूरी तरह अलग चीज है। यह बिल्कुल अलग तरह का क्षेत्र है।''

'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मैं जिंदगी भर याद रखूंगी

अभिनेत्री यामी गौतम को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया है। उन्हें फिल्म 'आर्टिकल 370' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। इस कामयाबी से अभिनेत्री खुश हैं। पुरस्कार मिलने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री ने पुरस्कार मिलने के बाद एक्स पर लिखा 'हर सफर में एक ऐसा पल आता है, जो आपको याद दिलाता है कि आपने हार क्यों नहीं मानी। आज मेरे लिए वही पल है। 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' उन्होंने आगे लिखा 'चौदह वर्षों से, मैंने बस अपने काम के प्रति ईमानदार रहने, ईमानदारी से काम करने और अपनी परफॉर्मेंस को ही अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यह सम्मान उम्मीद, हिम्मत, मजबूती और सिनेमा के लिए अटूट प्यार से भरे सफर का नतीजा लगता है। यह एक ऐसा सपना है, जिसे मैंने वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखा था और आज, मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार कर रही हूं।'

यामी ने जताया आभार

उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' को चुनने के लिए और इसे पुरस्कार देने के लिए आभार जताया है। उन्होंने लिखा 'मेरे परिवार, मेरी टीम, मेरे शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने उतार-चढ़ाव के हर दौर में मुझ पर भरोसा किया। आपके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी, तब भी जब मंजिल बहुत दूर लगती थी।'

'आर्टिकल 370' को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हैं आदित्य धर

बीते दिनों 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं के नाम का एलान हुआ। यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। इसके अलावा फिल्म ने दो और पुरस्कार जीते हैं। इसी फिल्म के लिए यामी गौतम के नाम का एलान सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर किया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए शशवत सचदेव ने पुरस्कार जीता है। इस पर आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।

आदित्य धर ने जताई खुशी

बता दें कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार साल 2024 के लिए प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं का एलान हो चुका है। 'आर्टिकल 370' को तीन पुरस्कार मिलने पर आदित्य धर गदगद हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण किया है। 'धुरंधर' डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर खुशी जताई है और यह वादा किया है कि वे इसी तरह की कहानियां लाते रहेंगे।

शब्दों में बयां करना मुश्किल

आदित्य धर ने लिखा है, 'फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन नेशनल अवॉर्ड जीतना एक ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह अनुभव मुझे विनम्र और भावुक बनाता है और मेरा दिल गहरे आभार से भर देता है। जब हमने यह फिल्म बनाने का फैसला किया, तो हमारा मकसद अवॉर्ड पाना नहीं था। हम ईमानदारी, हिम्मत और सच्चाई के साथ एक कहानी कहने के पक्के इरादे से प्रेरित थे। यह देखना वाकई बहुत सुखद है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है।

ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे

आदित्य ने आगे लिखा है, 'जियो स्टूडियोज में हमारे पार्टनर्स, खासकर ज्योति देशपांडे का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अटूट भरोसे के साथ इस फिल्म का साथ दिया और सार्थक सिनेमा को बढ़ावा दिया। पुरस्कार मिलना खुशी तो है ही, साथ ही वे आगे की जिम्मेदारी की याद भी दिलाते हैं। यह सम्मान हमारे इस भरोसे को और मजबूत करता है कि ईमानदारी, पक्के इरादे और मकसद के साथ कही गई कहानियां हमेशा अपनी जगह बना ही लेती हैं। यह मंजिल नहीं है। यह एक वादा है कि हम नई सीमाएं तय करते रहेंगे, ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे, जो मायने रखती हैं और ऐसा सिनेमा बनाते रहेंगे जो बातचीत शुरू करे। भावनाओं को जगाए और एक गहरी छाप छोड़े। दिल की गहराइयों से... धन्यवाद। यह सम्मान हम सभी का है। जय हिंद'।

यामी और प्रियामणि के अभिनय को सराहा

इस शानदार सम्मान के लिए सम्मानित जूरी का और उन सभी लोगों का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने 'आर्टिकल 370' देखी, उसे सपोर्ट किया, उस पर चर्चा की और उसमें भरोसा जताया। आपके प्यार ने इस फिल्म को स्क्रीन से परे एक नई जिंदगी दी। यह सम्मान हमारे बेहतरीन डायरेक्टर, आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी सोच और पक्के इरादे ने हर फ्रेम को आकार दिया। यामी गौतम और प्रियामणि का भी शुक्रिया, जिन्होंने अपनी एक्टिंग में इतनी गहराई, मजबूती और सच्चाई दिखाई। शाश्वत सचदेव का भी धन्यवाद, जिनका संगीत हमारी कहानी कहने की कला की जान बन गया। हमारी कास्ट और क्रू के हर सदस्य का भी शुक्रिया, जिनकी लगातार मेहनत, जुनून और भरोसे ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया'।

बिल्लियां नहीं करती सिर्फ म्याऊं-म्याऊं

बिल्ली एक मांसाहारी स्तनधारी जानवर है। इसकी सुनने तथा सुंघने की शक्ति प्रखर है और यह कम रोशनी, यहां तक की रात में भी देख सकती हैं। लगभग 9500 वर्षों से बिल्ली मनुष्य के साथी के रूप में है। प्राकृतिक रूप से इनका जीवनकाल लगभग 15 वर्षों का होता है। वर्तमान में इनकी जनसंख्या 60 करोड़ आंकी गई है। मानव घरों में पायी जाने वाली बिल्ली को मारवाड़ी भाषा में मिनकी तथा जंगली बिल्ली को बलारा कहा जाता हैं।

मानव सभ्यता की शुरुआत में जिन कारणों से कुत्तों को पालतू बनाया गया था लगभग उन्हीं कारणों से मनुष्यों ने अपने लाभ के लिए बिल्लियों को पालतू बनाया था। खेती के प्रारंभिक दिनों में लोगों को कई विभिन्न कारणों से नुकसान हो जाता था। चूहे उसकी फसलों को खा जाते थे और घरों की बहुत सारी चीजों को बरबाद कर देते थे।

चूहों के अलावा सांप, उल्लू और बिल्लियों जैसे प्राणी भी थे। इन प्राणियों में बिल्लियां सबसे ज्यादा मित्रवत थीं और उन्होंने मनुष्यों के साथ रहना शुरू कर दिया। कीड़े-मकोड़ों को नष्ट करने की क्षमता के कारण उन्हें मनुष्यों की रिहायशी बस्तियों में आसानी से शरण मिली।

- बिल्ली को करीब 10 हजार वर्ष पहले अफ्रीकी जंगली बिल्ली से पालतू बनाया गया था। यह शुरुआत मध्य-पूर्व में हुई थी और बाद में सारी दुनिया में फैल गई और बिल्ली एक बार घर में आई तो घरेलू बनकर रह गई। दुनिया की कुछ संस्कृतियों में इसे देवताओं की तरह पूजा जाता है तो कुछ में इन्हें बुराई का प्रतीक माना जाता है।
- इसी तरह से बिल्ली के नाखूनों का काटा जाना भी बहुत तकलीफदेह होता है। चूंकि भारत और अन्य देशों में नाखून काटे जाने को लेकर कोई नियम-कानून नहीं है और न ही जरूरी समझा जाता है कि बिल्ली के नाखूनों को काटने के लिए पशु चिकित्सक की मदद ली जाए।
- अमेरिका जैसे देशों में बिल्ली के नाखूनों को काटने के लिए सर्जरी की जाती है। पशु चिकित्सक बिल्ली की उंगली के आखिरी भाग को ही निकाल देता है। यह समझिए कि आपके नाखून काटने के लिए आपकी उंगलियों का पहला पोर ही काट दिया जाए।
- सड़कों पर होने वाली मौत बिल्लियों के कम होने का एक कारण है। ब्रिटेन में एक कानून है कि अगर आपके किसी कुत्ते या खेतों पर पाए जाने वाले पशु का एक्सीडेंट हो जाता है तो इसकी जानकारी आपको पुलिस को देना अनिवार्य होती है, लेकिन अगर कोई बिल्ली को कुचल देता है तो उसको पुलिस में सूचना देने की जरूरत नहीं होती है।
- क्या आप इस बात पर विश्वास करेंगे कि दूध पीना बिल्ली के स्वास्थ्य के लिए बहुत खराब होता है। सच तो यह है कि दूध में लैक्टोज होता है और ये लैक्टोज को पचा ही नहीं पाते हैं। बड़ा होते पर मनुष्यों की भांति बिल्लियों में भी लैक्टोज एंजाइम नहीं बनता है। इसी तरह बिल्लयों को दूध भली-भांति नहीं पचता है और इन्हें कभी भी दूध नहीं दिया जाना चाहिए।
- इनके बारे में आश्चर्यजनक बात यह है कि बिल्ली और चूहों में यह खास बात होती है कि वे रिहाइड्रेट करने के लिए समुद्र का पानी पी लेते हैं और इनकी किडनीज इन्हें ऐसा करने में सक्षम बनाती हैं।
- कुत्तों के बारे में ऐसी बहुत-सी कहानियां हैं कि उन्होंने अपने मालिक की जान बचाने के लिए बहादुरी के काम किए हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जबकि बिल्लियों ने अपनी बुद्धि से अपने मालिक की जान बचाई है।
- बंगाल की बिल्ली हो या सवाना या फिर ऑस्ट्रेलिया की, हरेक की अपनी विशेषताएं हैं, परंतु आज जो बिल्लियां सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं वे सवाना बिल्लियां हैं।
- वर्ष 2012 में ह्यूमन सोसायटी के लोगों ने कुछेक घंटों पहले ही बिल्ली की जान बचाई थी। उसकी नई मालकिन को डायबिटीज का बड़ा प्रकोप हुआ था। बिल्ली ने उसे तब तक जगाए रखा जब तक कि महिला पर से दौरे का असर समाप्त नहीं हो गया था। बिल्ली ने जैसे ही समझा कि उसकी मालकिन की तबीयत खराब हो गई है और वह गिरकर बेहोश हो सकती है तो वह अपनी नई मालकिन की छातियों पर चढ़ दौड़ी। इतना ही नहीं, बिल्ली ने उसके चेहरे पर तब तक पंजे मारना और काटना नहीं छोड़ा जब तक कि महिला पूरी तरह से सचेत नहीं हो गई और उस पर मधुमेह के दौरे का असर समाप्त नहीं हो गया। इसके बाद बिल्ली उस महिला के लड़के के कमरे में गई और उसने उसे भी तब तक परेशान किया जब तक कि उसने मदद के लिए डॉक्टरों को नहीं बुलाया।

- हालांकि इसे आप कल्पना की उड़ान मान सकते हैं, लेकिन वर्ष 2008 की अर्जेंटीना की कहानी इससे भी ज्यादा अविश्वसनीय है। कहा जाता है कि यहां पुलिस को मिशिन्स शहर में एक वर्षीय बच्चा मिला था जिसे बिल्लियों के एक झुंड ने जिंदा बनाए रखा था। बच्चा अपने बेघर पिता से बिछुड़ गया था और अगर बिल्लियां उसकी मदद न करतीं तो वह मर ही जाता। ये बिल्लियां उसे सारी रात गर्म रखतीं और खाने के लिए थोड़ी-बहुत चीजें ला देती थीं। जब पुलिस ने बच्चे को खोजा और उसे बिल्लियों से बचाने की कोशिश की तो पुलिस को बिल्लियों के जबर्दस्त प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। आप इसे पूरी तरह मनगढ़ंत कहानी बता सकते हैं लेकिन कभी-कभी सच्चाई कल्पना से भी ज्यादा विचित्र होती है और इस बात से आप इंकार नहीं कर सकते हैं।
- कई मामलों में ये कुत्तों जैसी ही होती हैं और ऑस्ट्रेलिया में ऐसी बिल्लियों के पाले जाने पर रोक है। कहीं-कहीं बिल्लियां इतनी अधिक महंगी और लोकप्रिय हैं कि एक बिल्ली आपको 10 हजार डॉलर से भी अधिक की पड़ सकती है।
- गॉडफादर की बिल्ली को कौन नहीं जानता। गॉडफादर को फिल्म इतिहास की एक क्लासिक फिल्म माना जाता है और इस फिल्म की एक विशेषता यह है कि इस फिल्म में गॉडफादर को अपनी बिल्ली को सहलाते हुए देखा जा सकता है और यह दृश्य बताता है कि डॉन के पास जहां एक निर्मम ताकत है वहीं उसमें अपनी पालतू बिल्ली के तिए दया और करुणा का भाव भी है। शुरुआत में बिल्ली इस फिल्म की पटकथा का हिस्सा नहीं थी लेकिन जब एक बिल्ली भटकते हुए सेट पर आ गई थी तो मार्लन ब्रांडो ने इसे प्यार से थपकियां क्या दीं कि यह सिनेमाई इतिहास की एक खास पहचान बन गई।

काली मौत का डर

ग्रेगरी नवम 1227 से अपनी मौत 1241 तक पोप रहा था और उसके कार्यकाल में उन चीजों को समाप्त करने पर खासा जोर था, जो कि धर्मविरोधी मानी जाती थीं। उसका यह मानना था कि लोग काली बिल्लियों की पूजा कर रहे हैं और इस कारण से बुराई बढ़ रही है। उसके प्रभाव के कारण समूचे यूरोप में बड़ी संख्या में बिल्लियों को मारा गया और जिसका दुष्प्रभाव सैकड़ों वर्षों बाद तक देखा जा सकता था।

- वर्ष 1340 के दशक में जब एशिया में काली प्लेग से एशिया प्रभावित हो गया और यह यूरोप तक पहुंचने वाला था तब लोगों की समझ में आया कि बिल्लियों को मारने के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। तब से बिल्लियों को मारने की जरूरत नहीं समझी गई। आजकल जो पोप हैं उन्हें बिल्लियों से विशेष लगाव है और ये प्राणी उनके साथ वैटिकन के मैदानों के आसपास तक देखे जाते हैं।
- चूहों और मूषकों को खाने की विशेषता के कारण ही बिल्लियों को पालतू बनाया गया था। आज बिल्लियों के मालिक चाहते हैं कि उनकी पालित बिल्ली चुपचाप घर में सोती रहे, लेकिन बिल्लियों में शिकार करने की खास प्रवृत्ति होती है और ये उसे आसानी से नहीं छोड़ती हैं।
- आप बिल्ली को घर से खुला छोड़ दीजिए और देखिए कि आपके घर के पास पक्षियों और चूहों की खालें मिल जाएंगीं। आज भी डिजनीलैंड और मॉस्को, रूस के स्टेट हरमिटेज म्यूजियम में चूहों और मूषकों से छुटकारा पाने के लिए बिल्लियां ही रखी जाती हैं।
- इतना ही नहीं, इन्होंने तो बाकायदा रिकॉर्ड भी बना रखा है। ग्लेनटरेट कैट, टॉसर को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी स्थान मिल चुका है। अपनी 24वीं वर्षगांठ तक जीवित रही टॉसर को स्त्रीएफ, स्कॉटलैंड की एक प्रसिद्ध डिस्टिलरी में रखा गया था।
- उल्लेखनीय है कि यहां प्रसिद्ध ग्राउज व्हिस्की बनाई जाती है। गिनीज रिकॉर्ड के दौरान बड़े बालों वाली टॉसर ने यहां पर 28,899 चूहों का शिकार किया था। पर इससे भी बड़ी आश्चर्य की बात यह है कि टॉसर की सफलता के बाद दूसरी बिल्ली अम्बर को यहां पर इसी काम के लिए रखा गया था लेकिन वह अपने 20 वर्ष के कार्यकाल में एक चूहा पकड़ने में भी कामयाब नहीं हो सकी।
- बिल्ली और उसके नौ जीवन का मुहावरा अत्यधिक प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि बिल्ली अपनी गति और रहस्यमय फुर्ती के बल पर प्रत्येक मोड़ पर मौत को भी मात देने की क्षमता रखती है। बिल्ली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह कितनी ही अधिक उंचाई से गिरने के बावजूद बचने में सफल हो जाती है।
- इस मामले में मनुष्यों की बिल्ली से तुलना ही नहीं की जा सकती है, क्योंकि आदमियों को गिरने से बहुत अधिक डर लगता है। पर ऐसे कई मामले भी हैं जिनमें अकस्मात गिरने के बाद भी एक महिला वेस्ना वुलोविख 9 हजार मीटर से अधिक की ऊंचाई से गिरकर भी जीवित बची रह सकी थी।
- चूंकि इसका वजन कम होता है इसलिए इसकी लोअर टर्मिनल वैलोसिटी (गिरने की अधिकतम गति) होती है। एक इंसान जहां आसानी से 120 मील प्रति घंटा की रफ्तार से नीचे गिरता है वहीं बिल्ली की गति करीब 60 मील प्रति घंटा होती है।
- यह मात्र निराधार कल्पना या अटकलबाजी नहीं है कि वरन दर्जनों ऐसी रिपोर्टें हैं जिनमें बिल्लियां बहुत उंचे स्थानों से गिरी हैं और उन्हें ज्यादातर खरोंचें ही आई हैं। वर्ष 2011 में एक बूढ़ी बिल्ली ग्लूसेस्टर मैनहटन अपार्टमेंट की अपर वेस्ट साइड की 20 मंजिलों से गिरी थी। उसे बहुत थोड़ी चोटें आई थीं।
- अगले ही वर्ष बोस्टन में शुगर नाम की बिल्ली 19वीं मंजिल से गिरी थी। पर सबसे आश्चर्यजनक बात तो तब हुई थी जब 2009 में मैनहटन की एक और इमारत से बिल्ली 26वीं मंजिल से गिरी। उस समय खिड़की की सफाई करने वाले कर्मियों ने इसकी तस्वीरें भी उतार ली थीं। जानते हैं कि इस भाग्यशाली बिल्ली का नाम क्या है उसका नाम है लकी।

खेलो तो ये याद रखो

खेल के मैदान में तुम बच्चे क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल या ऐसे ही कई खेल जैसे खो-खो, गैलरी खेल सकते हो। लेकिन इनमें से किसी भी खेल में यह ध्यान रखना चाहिए की हर बच्चे को पार्टिसिपेट करने का मौका मिले, चाहे वो अच्छा खेल रहा हो या नहीं। खेल के नियमों का पालन करना चाहिए। खेल में यदि कोई एक टीम का कैप्टन हो तो उसकी बात माननी चाहिए। यदि तुम उसकी किसी बात से सहमत न हो तो अपना मत रखो, पर झगड़ा मत करो। खेल में दूसरे बच्चों की भावनाओं की कद्र करो। यदि कोई बच्चा ठीक से नहीं खेल रहा है तो उसे खेलने का सही तरीका बताकर अच्छा परफॉर्मेंस देने के लिए प्रोत्साहित करो। खेल के सामानों का ध्यान रखो। यदि तुम किसी दूसरे बच्चे का बैट-बॉल या कोई भी सामान इस्तेमाल कर रहे हो तो खेलने के बाद उसको जिम्मेदारी से वापस करो। यदि दूसरे बच्चे का कोई सामान तुमसे टूट जाए तो अपने माता-पिता से कहकर उसे दूसरा खरीद कर दो। कई बार खेल का मैदान न मिलने पर तुम बच्चे सड़क पर खेलते हो। ऐसे में यदि खेलने के लिए ईंट या किसी अन्य सामान का इस्तेमाल किया है तो खेल खत्म होने पर वह सब सड़क से हटाकर किनारे रखकर जाना चाहिए। खेल के मैदान को गन्दा नहीं करना चाहिए। यदि गंदा हो गया हो तो खेल खत्म होने पर साफ कर देना चाहिए। खेलने जाने से पहले पानी जरूर लेकर जाना चाहिए। यदि जरूरत हो तो टॉवल-हैंकी भी लेकर जाना चाहिए। यदि कोई नया बच्चा तुम्हारे ग्रुप में खेलना चाहता हो तो उसका स्वागत करना चाहिए।

घनी बारिश वाले जंगल

तुम कभी ऐसे जंगल की कल्पना कर सकते हो, जो जानवरों की बजाय बारिश के लिये प्रसिद्ध है और जहां बारिश ही बारिश होती हो? ऐसे जंगल एशिया, अफ्रीका और साउथ अमेरिका में मिलते हैं। यहां के पेड़ इतने ऊंचे-ऊंचे होते हैं, मानो आसमान को छू रहे हों, उसके साथ खेल खेल रहे हों। अत्यधिक बारिश होने के कारण जंगल इतना घना हो जाता है कि पेड़ों को फलने-फूलने के लिये बहुत अच्छा मौका मिल जाता है। जंगल में पेड़ और इनकी पत्तियां इतनी घनी हो जाती हैं, मानो किसी ने जंगल में परदे से जमीन को ढंक दिया हो। यहां तक कि हवा को भी बहने के लिये जगह नहीं मिल पाती है। मौसम गर्म हो जाता है।

यहां का तापमान 20 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। यह तापमान पेड़-पौधों, जानवरों और पशु-पक्षियों के लिए उपयुक्त रहता है। इस जंगल को ट्रोपिकल रेन फॉरेस्ट भी कहा जाता है। यह इकलौता ऐसा जंगल है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश होती है। दुनिया में यहीं तुम्हें पेड़ों और जानवरों की बहुत सारी वैरायटी देखने को मिल सकती हैं, क्योंकि हरा-भरा जंगल होने के कारण यहां के जानवरों को खाने-पीने की कोई कमी नहीं होती है। चारों तरफ हरियाली ही हरियाली देखने को मिलती है। यहां हर तीसरे और चौथे दिन बादलों की गड़गड़ाहट होती है, जो बारिश आने का संकेत होता है। भारी बारिश के कारण पेड़ों की ग्रोथ अच्छी होती है और इनकी लंबाई 40 मीटर से भी अधिक हो जाती है। पेड़ घने होने के कारण सूरज की रोशनी जमीन को छू नहीं पाती है। आपको इस जंगल में छोटे पेड़-पौधे देखने को केवल वहीं मिल सकते हैं, जहां खुली जगह हो। कई जानवर ऐसे हैं, जो ट्रोपिकल रेन फॉरेस्ट में ही देखने को मिल सकते हैं, जैसे बिग लेपर्ड, सांप, मगरमच्छ, बड़ी छिपकली। चीटे भी अपनी फौज को लेकर इसी जंगल में रहते हैं और मच्छर, मक्खी, और मधुमक्खी का तो यहां स्थायी निवास है। ट्रोपिकल रेन फॉरेस्ट को प्लैनेट का ग्रीन लंग्स (हरे फेफड़े) कहा जाता है, जो स्वास्थ्य के लिये अच्छा होता है। यहां के पेड़-पौधे कार्बन-डाई-ऑक्साइड लेकर हमें ऑक्सीजन देते हैं। यही ऑक्सीजन हमें जीवन प्रदान करता है। इस जंगल ने अपने अंदर ऐसे-ऐसे पेड़-पौधों को समा रखा है, जिनसे दवाइयां बनायी जाती हैं। यहां जड़ी-बूटियों का भंडार है। मेडिसिन की दुनिया में यह पौधे बहुत मूल्यवान हैं। तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि कई हॉलीवुड फिल्मों और पुराने साहित्य में इस जंगल को खतरे का बताया गया है। ये भ्रान्तियां शायद इसलिये फैलायी गई हों ताकि जंगल को नुकसान से बचाया जा सके। ऐसा भी कह सकते हैं कि यह उन लोगों का पर्यावरण के प्रति प्यार होगा। अब लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता आने पर इन जैसे जंगलों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।